दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
ललितपुर ■ रविवार 20 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -19 ■ अंक-280 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह मां है।
-हर्ष मोहन

70 हजार तक खिसकी दर्शनार्थियों की संख्या, अब रामनगरी के होटल-गेस्ट हाउस भी खाली

राम मंदिर में गर्मी की वजह से घटे भक्त

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

सूरज की तपिश से तापमान लगातार बढ़ रहा है। सुबह नौ बजे से ही तेज धूप हो रही है। अयोध्या में दिन का तापमान दिनों दिन बढ़ रहा है। सूरज की तपिश आस्था के तापमान पर भारी पड़ रही है। रामलला के दर्शनार्थियों की घटती संख्या इसका संकेत दे रही है। रामजन्मोत्सव के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या में गिरावट आई है। रामजन्मोत्सव के मुख्य पर्व छह अप्रैल के बाद से रामलला के दर्शनार्थियों की संख्या में काफी कमी आई है। इसका मुख्य कारण तेज गर्मी, गांवों में गेहूं की कटाई को बताया जा रहा है। दिन चढ़ने के साथ ही राम जन्मभूमि दर्शन पथ पर श्रद्धालुओं की संख्या बेहद कम हो जाती है। दोपहर होते-होते दर्शन के लिए बनी कतार में गिने-चुने श्रद्धालु नजर आते हैं। वहीं सुबह व शाम को श्रद्धालुओं की भीड़ से दर्शनपथ गुलजार रहता है। बरेली से आए अनिल अग्रवाल ने बताया कि रामलला के दर्शन बड़े ही सुगमता से हुए हैं। भीड़ बिल्कुल नहीं है। पर्यटन विभाग के एक गाइड ने बताया कि इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम हुई है। गर्मी व तेज धूप की वजह से लोग कम आ रहे हैं। एनआरआई और विदेशी श्रद्धालु भी घटे हैं। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या कुछ खास नहीं घटी है। सामान्य दिनों में 70 से 80 हजार श्रद्धालु आ रहे हैं, जबकि वीकेंड पर यह संख्या एक लाख से ऊपर पहुंच जाती है।

दोपहर में नहीं निकल रहे ग्राहक

कपड़ा व्यापारी विजय साहू ने बताया कि सुबह से धूप काफी तेज हो जाती है। सात दिनों से दोपहर का व्यापार लगभग खत्म हो गया है। ग्राहक नहीं निकल रहे हैं। रामनवमी के बाद से व्यापार में कमी आई है। धार्मिक वस्तुओं के विक्रेता नवमी गुप्ता ने बताया कि अब रामलला के चित्रों व अन्य धार्मिक वस्तुओं की बिक्री करीब तीन गुना घट गई है। दिन भर में मुश्किल से रामलला के 20 चित्र बिक रहे हैं। इसका कारण तेज धूप व गर्मी ही है। हनुमानगढ़ी के प्रसाद व्यवसायी विकास ने बताया कि सुबह-शाम श्रद्धालु आ रहे हैं, दोपहर में भीड़ न के बराबर होती है।

दिन चढ़ते ही घाटों पर छाने लगी वीरानी

दिन चढ़ने के साथ अयोध्या के घाटों के पत्थर तप रहे हैं। हमेशा गुलजार रहने वाले इन घाटों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है। सुबह 10 बजे के बाद ही पूजा-अनुष्ठानों पर गर्मी का साफ असर दिखता है। जैसे-जैसे धूप चढ़ रही होती है, घाटों पर वीरानी छाने लगती है। पूजा-पाठ कराने वाले पुरोहित भी घाटों पर श्रद्धालुओं की कम आवाजाही के कारण परेशान हैं। दिन चढ़ने के साथ घाटों पर पर्यटक और श्रद्धालुओं की आवक कम हो जाती है।

आधी हुई होम स्टे और गेस्ट हाउस की कमाई

मौसम के तेवर तीखे हो गए हैं, सूरज का ताप बढ़ गया है। इसके चलते रामनगरी में श्रद्धालुओं की संख्या घट गई है। श्रद्धालु घट रहे हैं तो अयोध्या में संचालित हो रहे होम स्टे व गेस्ट हाउस संचालकों की आय में 50 फीसदी तक कमी आई है। महाकुंभ के दौरान उमड़ी भीड़ ने होम स्टे, गेस्ट हाउस, धर्मशाला व होटल संचालकों की चांदी कर दी थी। महाकुंभ मेले के 45 दिन में इन्हें खूब आय हुई। रामनवमी मेले के बाद से अब श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आ रही है, जिससे होम स्टे, गेस्ट हाउस, धर्मशाला व होटल संचालकों की कमाई भी कम हो गई है। होम स्टे संचालक गौरव तिवारी ने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या अब काफी कम हो गई है। आय में 50 से 60 फीसदी की गिरावट आई है। होटल संचालक अनूप गुप्ता ने बताया कि पहले की तुलना में श्रद्धालु कम हुए हैं। होटल के कमरे फुल नहीं हो पा रहे हैं। होम स्टे संचालक अरविंद तिवारी ने बताया कि रखरखाव का खर्चा निकालना मुश्किल हो रहा है। पिछले चार दिनों से एक भी कमरा बुक नहीं हुआ है। बढ़ती गर्मी के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है।

सीमा से बाहर जा रहा सुप्रीम कोर्ट, देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए जिम्मेदार

भाजपा सांसद निशिकांत बोले- अगर कोर्ट कानून बनाएगा तो संसद बंद कर दें

धारा 377, आईटी एक्ट और मंदिर-मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट पर सवाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए एक समय सीमा तय करने का विवाद बढ़ता जा रहा है। इस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ऐतराज जताया है। सांसद ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। ऐसे में सीजेआई किसी अपॉइंटिंग अथॉरिटी को निर्देश कैसे दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसद इस देश का कानून बनाती है। क्या आप उस संसद को निर्देश देंगे। देश में गृह युद्ध के लिए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। वहीं धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हर किसी को सारे मामलों के लिए सर्वोच्च अदालत जाना पड़े तो संसद और विधानसभा बंद कर देनी चाहिए।

किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना है। इसका मतलब है कि आप देश को अराजकता की ओर ले जा रहे हैं।
निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद

आर्टिकल 141: मैंने आर्टिकल 141 का अध्ययन किया है। यह आर्टिकल कहता है कि हम जो कानून बनाते हैं वो लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लागू होता है। आर्टिकल 368 कहता है कि इस देश की संसद को कानून बनाने का अधिकार है और इसकी व्याख्या करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को है।

मंदिर-मस्जिद विवाद: हमारे देश में सनातन की परंपरा रही है। लाखों साल की परंपरा है। जब राम मंदिर का विषय आता है तो आप कहते हैं कि कागज दिखाओ। कृष्ण जन्मभूमि का मामला आएगा तो कहेंगे कि कागज दिखाओ। यही बात ज्ञानवापी केस में कहेंगे। इस देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सिर्फ और सिर्फ सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।

हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए

इधर, सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में दखल नहीं देगा। हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल सरकार न्यायपालिका में दखल देती है तो अच्छा नहीं होगा। शक्तियों का बंटवारा अच्छी तरह से परिभाषित है। वहीं वक्फ पर बनी जेपीसी के अध्यक्ष रहे जगदंबिका पाल ने घोषणा करते हुए कहा कि अगर कानून में एक भी गलती निकली, तो वे अपने सांसदी पद से इस्तीफा दे देंगे।

ब्रीफ न्यूज

सऊदी अरब के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिन की सऊदी अरब की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। वह मंगलवार को सऊदी अरब रवाना होंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद से होगी। पीएम की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते होने की उम्मीद है।

मुंबई में मंदिर तोड़ा, सड़क पर उतरा जैन समुदाय

मुंबई। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट के कांबलीवाड़ी में 30 साल पुराना पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को बीएमसी की टीम ने तोड़ दिया। जैन समाज ने एक याचिका भी दायर की थी। इस पर 17 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। शनिवार को अहिंसक तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया।

कर्नाटक में जनेऊधारी छात्र को परीक्षा से रोका

बेंगलुरु। कर्नाटक में दो कॉलेजों में छात्र के जनेऊ पहनने पर विवाद हो गया। पहला मामला शिवमोगा जिले के स्कूल का है। जहां कॉमन इंट्रेंस टेस्ट एग्जाम देने आए तीन स्टूडेंट का जनेऊ उतरवाया गया। वहीं दूसरा मामला बीदर जिले के कॉलेज का है। यहां एक छात्र ने जनेऊ उतारने से मना कर दिया तो उसे परीक्षा में बैठने नहीं दिया गया।

लैंडिंग के दौरान प्लेन का पहिया टूटा, लगी आग

वॉशिंगटन। अमेरिकी विमान कंपनी फ्रंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया लैंडिंग के दौरान टूट गया। वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं दिखाई देता है, जबकि प्लेन के अंदर से यात्रियों के रोने और प्रार्थना करने की आवाज सुनाई देता है।

इलॉन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क ने शनिवार यह घोषणा पीएम मोदी के साथ हुई फोन पर बातचीत के एक दिन बाद की है। मस्क ने एक्स पर लिखा-मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

जरूरत पड़ी तो नीतिगत कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे

टैरिफ वार के बीच आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले

भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली पर वैश्विक जोखिम भी

नई दिल्ली। टैरिफ वार के बीच आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक तेजी से बदल रही वैश्विक परिस्थितियों पर नजर रखे हुए और वह जरूरत पड़ने पर नीतिगत कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। उन्होंने आगाह किया कि अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजार अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। मल्होत्रा ने कहा कि तेजी से बदल रही वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए हम लगातार आर्थिक परिदृश्य की निगरानी और आकलन कर रहे हैं। हम हमेशा की तरह नीतिगत मोर्चे पर अपनी कार्रवाई में सक्रिय और तत्पर रहेंगे। विकास दर और मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और मुद्रास्फीति भी सहनशील दायरे के भीतर है।

माफिया मुक्त, गुंडा मुक्त और दंगा मुक्त हुआ यूपी, अब सिर्फ विकास की चर्चा

सीएम योगी ने कहा- सुरक्षा की गारंटी में नई आभा बिखेर रहा उत्तर प्रदेश

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर के विकास को और ऊंचाई देते हुए करीब 1500 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में योगी ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति,

मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। सीएम ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। 2017 के पूर्व के यूपी की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, नौजवान किंकर्तव्यविमूढ़ थे। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद-आतंकवाद की चुनौती थी।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत गिरी, 11 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 10 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हादसे के बाद 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने चार को मृत घोषित कर दिया। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि देर रात एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढह गई है और लोग मलबे में फंस गए। पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया गया। दरअसल, रात दिल्ली में मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि इसी वजह से मुस्तफाबाद की इमारत भी ढह गई।

10 से ज्यादा लोग मलबे में फंसे

शरीर के लिए दो और दिमाग के लिए छह घंटे की नींद करें रिजर्व

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं को दिया फिटनेस मंत्र

कहा-मैंने रूटीन बदला, सभी दवाओं से मुक्त होकर खड़ा हूं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व लिवर दिवस पर इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहली बार अपनी फिटनेस के राज खोले हैं और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली का मंत्र भी साझा किया है। शाह ने कहा, मेरे जीवन में मैंने बहुत बड़ा परिवर्तन किया है। शरीर को जितनी चाहिए- उतनी नींद। शरीर को जितनी चाहिए- उतना पानी और शरीर को जैसा चाहिए, वैसा आहार और नियमित व्यायाम से मैंने मेरे जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। हमारे देश के युवाओं को अभी अगले 40-50 वर्षों तक जीना है और देश के विकास में योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे प्रतिदिन अपने शरीर के लिए दो घंटे और अपने दिमाग के लिए छह घंटे की नींद जरूर दें। यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। यह मेरा स्वयं का अनुभव है। मैं बता सकता हूं कि ये साढ़े चार साल के समय में मैं आज करीब करीब सभी एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर आपके सामने खड़ा हूं।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या

भारत बोला-बिना भेदभाव सबकी करो रक्षा, दो बाइक पर चार लोग आए, उठा ले गए

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी। भाबेश चंद्र रॉय (58) को गुरुवार दोपहर को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। वे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। हिंदू समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ थी। पुलिस ने बताया कि वे ढाका से 330 किमी दूर दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के रहने वाले थे। इधर, भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस मामले में कहा कि हमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय की किडनैपिंग और हत्या के बारे में जानकारी मिली है। यह हत्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का एक पैटर्न दिखती है। पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें आरोपी बिना सजा पाए आजादी से घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना कोई बहाना बनाए या भेदभाव किए हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाए।

पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया

बीराल थाने के प्रभारी अधिकारी अब्दुस सबूर ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है। भाबेश की पत्नी शांतना ने कहा कि वह हमलावरों में से दो को पहचान सकती हैं।

मिलाप! राज ने कहा-मतभेद छोटी, महाराष्ट्र बड़ी बात...उद्धव बोले- मेरी तरफ से कोई झगड़ा नहीं

दो दशक बाद फिर साथ नजर आएंगे ठाकरे बंधु

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आ सकते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिया। राज ठाकरे ने कहा कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं।

महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर के यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। महेश मांजरेकर ने राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया था। इस पर राज ठाकरे ने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। इधर, उद्धव का भी रिएक्शन आया है, उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा नहीं था।

निजी स्वार्थ की बात नहीं

मुझे नहीं लगता कि एक साथ आना और एक साथ रहना कोई बहुत कठिन बात है। सवाल केवल इच्छाशक्ति का है। यह मेरी निजी इच्छा या स्वार्थ का मामला नहीं है। मेरा मानना है कि हमें महाराष्ट्र की बड़ी तस्वीर देखनी चाहिए। मेरा मानना है कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों के मराठी लोगों को एक साथ आकर एक पार्टी बनानी चाहिए।
राज ठाकरे, चीफ, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना

उद्धव ठाकरे ने दिया जवाब

मैं भी आह्वान करता हूं कि सभी मराठी लोग मराठी मानुष के हित में एकसाथ आएं, लेकिन एक ही शर्त है। पहले आपने उनका समर्थन किया, अब विरोध, उसके बाद तड़जोड ये ठीक नहीं होगा। जो भी महाराष्ट्र के हित के खिलाफ होगा उसे मैं घर बुलाकर खाना नहीं खिलाऊंगा। पहले ये करो फिर महाराष्ट्र के हित की बात करो।
उद्धव ठाकरे, प्रमुख, शिवसेना यूबीटी

2005 में पड़ी थी दरार

गौरतलब है कि राज ठाकरे ने शिवसेना में उद्धव को उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद 27 नवंबर 2005 को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अपनी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे।

पंजाब में आईएसआई से जुड़े 13 आतंकवादी गिरफ्तार

रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड, आईईडी-आरडीएक्स जब्त

एजेंसी ■ जालंधर

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े 13 आतंकवादी गिरफ्तार किए हैं। इसमें 1 नाबालिग है। 4 दिन से चल रहे पंजाब पुलिस के ऑपरेशन में दो आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया गया है। पुलिस का दावा है कि इनके निशाने पर थाने-प्रमुख लोग थे। पकड़े गए आतंकियों से 2 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड, 1 ग्रेनेड लांचर, ढाई-ढाई किलो की दो इंप्रोवाइस्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, डेटोनेटर, 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल और 2 किलो रॉयल डिमॉलिशन एक्सप्लोसिव, 5 पिस्तौल, 6 मैगजीन, 44 कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन मिले हैं। शनिवार को डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये लोग आईएसआई के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। गिरफ्तार आतंकियों ने कई थानों को भी टारगेट करना था। जल्द सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

पन्ना के हीरा को मिल सकता है जीआई टैग

भोपाल। मध्य प्रदेश का पन्ना जिला हीरों के लिए मशहूर है। ऐसे में पन्ना के हीरा को जीआई टैग मिल सकता है। साल के अंत तक जीआई टैग मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए केंद्र एग्जामिनेशन रिपोर्ट तैयार कर रहा है। दरअसल, पन्ना के डायमंड में हल्का हरा रंग दिखता है, जबकि दुनिया के दूसरे हिस्से में मिलने वाले हीरे में या तो रंग नहीं होता या प्रकाश पड़ने पर बहुत से रंग एक साथ दिखते हैं। साथ ही पन्ना डायमंड में वीक कार्बन लाइन स्पष्ट होती है। इसके सहारे उसमें नक्काशी या डिजाइन करना आसान होता है, जो दुनिया के दूसरे हीरों में उपलब्ध नहीं होती। सघनता और खास चमक भी पन्ना के हीरों को खास बनाती है।

गिद्धों को रास आया गांधी सागर अभयारण्य संख्या हुई 1007

भोपाल। देश भर में जहां गिद्ध विलुप्त होने की स्थिति में हैं। वहीं मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य का वातावरण गिद्धों को रास आ गया। एक साल में ही गिद्धों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है। वन विभाग द्वारा करवाई गई वार्षिक गणना में गांधी सागर अभ्यारण में अब गिद्धों की संख्या 850 से बढ़कर 1007 हो गई है। वहीं, गिद्धों की 7 प्रजाति यहां निवास कर रही हैं। गिद्धों को बचाने के लिए वन विभाग विशेष प्रोजेक्ट चला रहा है। इसके लिए हर वर्ष शीतकाल और ग्रीष्मकाल में गिद्धों की गणना की जाती है। साल 2024 में पन्ना जिले में सर्वाधिक गिद्ध गणना में मिले थे। वहीं 2025 के सभी जगह पर गणना के बाद इसके आंकड़े जारी किए जाएंगे।

ज्ञान प्रणाली की वन संरक्षण में अहम भूमिका

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जन-समुदाय की पारम्परिक ज्ञान प्रणाली की वन संरक्षण में अहम भूमिका है। मंत्री पटेल आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में समुदाय आधारित वन पुनर्स्थापन एवं जलवायु परिवर्तन-अनुकूलन आजीविका कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सहयोग से वनों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के कार्य अधिक प्रभावी ढंग से किये जा सकते हैं। समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देने और सतत विकास के लिये प्रशिक्षण एवं जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया।

हम फैक्ट फाइल लेकर जनता के बीच जाएंगे : वीडी शर्मा

भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में वक्फ संशोधन बिल को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अनुसूचित जनजाति मोर्चे के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि वक्फ बिल से सभी वर्ग प्रभावित हो रहे थे। वक्फ ने तो संसद को भी अपनी संपति का दावा कर दिया था। कभी भी अपना दावा ठोक देते हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि हम फैक्ट फाइल लेकर जनता के बीच जाएंगे। पन्ना में मदरसा की शिकायत आई। मैंने कलेक्टर से भी रिपोर्ट मांगी। वक्फ बोर्ड से आने वाली इनकम का कोई हिसाब-किताब तक नहीं है।

'चीता प्रोजेक्ट' मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ेंगे दो चीते

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ेंगे। 'चीता प्रोजेक्ट' मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इस परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क के साथ अब गांधी सागर अभयारण्य में चीतों का आशियाना बनाया जा रहा है। गांधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान होगा, जहां चीतों को बसाया जा रहा है। यह वन्य-जीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। साथ ही वन्य-जीव संरक्षण प्रेमियों और देशी-विदेशी पर्यटकों के लिये भी यह उत्साह का अवसर होगा। प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़ाने के लक्ष्य के तहत दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीते लाकर उन्हें मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। बोत्सवाना से 8 चीते लाने की योजना है। मई-2025 तक 4 चीते लाये जाएंगे। इसके बाद 4 चीते और लाये जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका और केन्या से भी चीते लाने की योजना प्रस्तावित है।

अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर की स्थापना के लिये मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच सैद्धांतिक सहमति हो चुकी है। दोनों राज्य मिलकर अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर बनायेंगे। चीता परियोजना पर 112 करोड़ रुपए व्यय किये जा चुके हैं, जिसमें से 67 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश में चीता पुनर्वास पर व्यय हुई है। भारत और लगभग सम्पूर्ण एशिया महाद्वीप से विलुप्त हो चुके चीतों का पुनर्वास कर राज्य सरकार प्रकृति से प्रगति और प्रगति से प्रकृति के संरक्षण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। गांधी सागर पूर्वी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य-जीव अभयारण्य है। यह अभयारण्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है। इस अभयारण्य में सलाई, करधई, धौड़ा, तेंदू, पलाश जैसे पेड़ हैं। यह विश्व प्रसिद्ध चतुर्भुज नाला का हिस्सा है। रॉक सेंटर भी इसी अभयारण्य का हिस्सा है।

इस अभयारण्य को वर्ष 1974 में अधिसूचित किया गया था और वर्ष 1984 में अभयारण्य बनाया गया। अभयारण्य में वन शैल चित्रकला स्थलों और चतुर्भुजनाथ मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के होने से इसका पुरातात्विक और धार्मिक महत्व है। अभयारण्य गांधी सागर के बैक वाटर के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो जंगली कुत्ते, चिंकारा, तेंदुआ, ऊदबिलाव, मगरमच्छ जैसे कुछ दुर्लभ प्रजातियों के लिये जाना जाता है। इसके अलावा यहां चित्तीदार हिरण, सांभर, ग्रे लंगूर जैसे जानवर भी पाये जाते हैं।

एयर-कूल्ड वाहनों से शिफ्टिंग

दोनों चीतों को ऐसे वाहनों में ले जाया जा रहा है जो पूरी तरह वातानुकूलित हैं। इनके साथ पशु चिकित्सकों और वन अधिकारियों की एक विशेष टीम भी जा रही है, जो ट्रांजिट के दौरान हर पल निगरानी रखेगी। करीब आठ घंटे के सफर के बाद दोनों को विशेष बाड़े में छोड़ा जाएगा। वहां पहुंचने के बाद भी सात दिन तक चीतों की देखरेख करेगी। दो चीतों के स्थानांतरण के बाद कूनो नेशनल पार्क में अब 24 चीते रह जाएंगे, जिनमें से 17 जंगल में खुले में घूम रहे हैं। इनमें 13 भारत में जन्मे और 11 विदेशी मूल के चीते शामिल हैं।

पीएम के डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने के लिए करें प्रयास

इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव 27 अप्रैल को, मुरैना में आयोजित स्वास्थ्य शिविर आदर्श उदाहरण

■ स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से जिलों में लगाएं स्वास्थ्य शिविर

■ विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने छात्रों को स्पर्धाओं से जोड़ें

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव में शामिल होंगे। इस अवसर पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा 55 जिलों की जल संरचनाओं पर केंद्रित डिजिटल डाटाबेस प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में प्रदेश में निकट भविष्य में होने वाले जनकल्याण कार्यक्रमों और निर्माण कार्यों के लोकार्पण के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति के अनुसार दो भिन्न ऋतुओं (प्री एवं पोस्ट मानसून) की सैटेलाइट के माध्यम से डिजिटल मैपिंग करना संभव हुआ है। नदियों और प्राचीन जल संरचनाओं का वर्गीकरण भी आसान हुआ है। इससे जल संरचनाओं के नाम, उनकी जियो टैगिंग से कर लोकेशन सुनिश्चित करने का कार्य भी हो रहा है। निश्चित ही यह सराहनीय प्रयास है। इंदौर में 27 अप्रैल को कॉन्क्लेव के साथ राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के स्वप्न को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश में अनेक कार्य हो रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्साहजनक वातावरण निर्मित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्हें विभिन्न स्पर्धाओं से जोड़ा जाए। उज्जैन स्थित साइंस सिटी, वैधशाला और प्लेनेटोरियम का भ्रमण करवाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने प्रदेश के सात सौ से अधिक विद्यार्थियों को नई दिल्ली और चंडीगढ़ के प्रमुख संस्थानों के भ्रमण के लिए वंदे भारत ट्रेन से भेजने की व्यवस्था की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से जिलों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों के साथ दिव्यांगजन के हित में भी स्वास्थ्य परीक्षण और दिव्यांगजन के लिए उपयोगी उपकरणों के वितरण का कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में मुरैना में हुआ स्वास्थ्य शिविर एक आदर्श उदाहरण है, जहां बड़ी संख्या में नागरिकों को लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ .यादव ने प्रदेश में आगामी तीन माह में हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निकट भविष्य में हर घर जल के अंतर्गत लक्ष्य पूर्ण करने वाले जिलों में हो रहे कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सहकारिता और पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित गोपाल सम्मेलनों, डा. अम्बेडकर कामधेनु योजना, विद्यार्थियों को लेपटॉप और ई-स्कूटी प्रदाय करने, मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, पिछड़ी जनजाति वर्ग के सम्मेलनों, पेसा प्रतिनिधियों के सम्मेलन, प्रदेश में 70 बहुउद्देशीय केंद्रों के शुभारंभ, आवास योजना, श्रमिक कल्याण कार्यक्रम, मत्स्य कल्याण कार्यक्रमों में भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहभागिता करेंगे। इन कार्यक्रमों के लिए संबंधित विभाग आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर चुके हैं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन समेत विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव मौजूद थे।

भोपाल गौरव दिवस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भोपाल गौरव दिवस पर ड्रोन शो जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएं।

डिजिटल इंडिया में मप्र विस ऑफलाइन क्यों?: सिंघार

विधानसभा कार्यवाही लाइव दिखाने को लेकर हाईकोर्ट का सरकार को नोटिस

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही लाइव दिखाने की मांग कांग्रेस पार्टी लगातार कर रही है। हर सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सरकार से यह मांग उठाते हैं। बावजूद इसके अभी तक कार्यवाही को लाइव टेलीकास्ट करने का निर्णय नहीं लिया गया। तो वही दूसरी तरफ मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने विधानसभा की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग न करने को लेकर सरकार को नोटिस जारी किया है। जिसको लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूछा है कि डिजिटल इंडिया में मध्यप्रदेश विधानसभा ऑफलाइन क्यों? दरअसल यह नोटिस कांग्रेस विधायक सचिन यादव की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने दिया है।

विधानसभा की कार्यवाही लाइव नहीं करने को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाते हुए कहा कि हर साल 21 करोड़ रुपए सिर्फ विधानसभा की कार्यवाही दिखाने को मिलते हैं। बावजूद इसके सरकार लाइव प्रसारण नहीं करवाती। देश की सभी विधानसभाएं नेशनल ई-विधान ऐप्लिकेशन के तहत डिजिटल हो रही हैं। लेकिन डिजिटल इंडिया में मध्यप्रदेश विधानसभा ऑफलाइन क्यों?

जनता भी जाने विधानसभा में क्या हो रहा है

पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीसी शर्मा ने कहा कि लाइव स्ट्रीमिंग करना चाहिए। अलग-अलग विधानसभा में किस तरह से ई विधानसभा पर काम होता है। जनता को पता होना चाहिए कि विधानसभा में क्या हो रहा है। कहा कि- केरल में लाइव स्ट्रीमिंग होती है, विधायकों की शिकायत पर सीधे विभाग में मामला जाता है। केरल की तर्ज पर एमपी में ई विधानसभा बने और अगले विधानसभा सेशन से ये व्यवस्था लागू की जाए।

अगली सुनवाई 16 जून को

बता दें कि हाईकोर्ट में याचिका अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने दायर की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सरकार ने नोटिस जारी कर प्रदेश सरकार को 4 सप्ताह के अंदर जबाव देने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 16 जून को होगी। बता दें कि ई-विधान की कार्यवाही फिलहाल गुजरात, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में की जा रही है।

हमने पीएम मोदी ने दृढ़ संकल्प को कार्यसिद्धि का मंत्र बनाया

मिशन मोड में होगा मध्यप्रदेश के सर्वागीण विकास का संकल्प

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमने पीएम मोदी ने दृढ़ संकल्प को ही कार्यसिद्धि का मंत्र बनाया है। उन्होंने देश के सर्वागीण विकास के लिए समाज के सभी वर्गों के एक साथ और एक समान सशक्तिकरण को आवश्यक बताया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए मध्यप्रदेश सरकार लगातार मिशन मोड में कार्य कर रही है। मिशन मोड में विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के लिये प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण मिशन, युवा शक्ति मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन लागू किये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उन्हें पीएम मोदी के देश के सर्वागीण विकास के संकल्प ने प्रेरित किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि समाज के सभी वर्गों के मिशन मोड में सशक्तिकरण से मध्यप्रदेश विकास की नई ऊचाइयों को स्पर्श करेगा।

गरीब कल्याण मिशन का मुख्य उद्देश्य गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत करना है, ताकि वंचित वर्ग को कठिन समय में आवश्यक सहायता मिल सके। इसके अतिरिक्त, मिशन इस वर्ग को रोजगार से संबंधित चुनौतियों से निपटने में सक्षम योजनाओं का लाभ दिलाएगा। आर्थिक रूप से पिछड़े, जरूरतमंदों को मिशन में वित्तीय सहायता प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण में मदद करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास है कि 'स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन' प्रदेश के युवाओं के सशक्तिकरण का सक्सेस मंत्र सिद्ध होगा। युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी 2025 को लाँच किया गया यह मिशन युवा पीढ़ी को आधुनिकतम तकनीकों, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में उच्च कौशल से सशक्त बनाएगा।

यह मिशन से प्रदेश के युवाओं को बदलते दौर में स्वयं को विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के लिये सशक्त बनायेगा। 'युवा शक्ति मिशन' के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि और कृषक देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए मध्यप्रदेश की मंत्रि-परिषद ने 15 अप्रैल को कृषक कल्याण मिशन को हरी झंडी दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में इस मिशन का उद्देश्य है कि अन्नदाता समृद्ध हों और कृषि क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता आए। इस मिशन का उद्देश्य फसल-विविधीकरण के साथ ही पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को एकीकृत कर समावेशी कृषि को बढ़ावा देना है। मिशन में कृषि-आधारित उद्यमिता जैसे प्रगतिशील उपायों को वित्तीय सहायता और तकनीकी परामर्श देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन

महेश्वर में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में देवी अहिल्या बाई नारी सशक्तिकरण मिशन का शुभारंभ किया गया। मिशन महिला उद्यमिता को भी बढ़ावा देगा, उन्हें अपने व्यवसाय शुरू करने और उसके सुचारु संचालन के संसाधन, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसमें महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण के लिए घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न जैसी लैंगिक समस्याओं से निपटने के कार्यक्रम भी शामिल होंगे। इससे प्रदेश में समावेशी समाज की स्थापना हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने भगवान शनिदेव के किए दर्शन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अल्प प्रवास में मुरैना जिले के ऐंती पर्वत स्थित शनि मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति के लिए भगवान शनिदेव के दर्शन किए और प्रार्थना की। उन्होंने भगवान शनिदेव का तेल, तिली, गुड़ और उड़द से अभिषेक किया।

पहचान उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण हब के रूप में उभरा मध्यप्रदेश

किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी उद्यानिकी फसलें

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में जिस गति से मध्यप्रदेश ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनाई है, उससे प्रदेश की उद्यानिकी फसलों के प्रति देश और विदेशों में खासी मांग भी बढ़ रही है। इससे प्रदेश के किसानों को आर्थिक संबल भी मिल रहा है। मध्यप्रदेश उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मुख्य हब बन कर उभरा है। गत फरवरी माह में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों से उद्यानिकी क्षेत्र में 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश के उद्यानिकी क्षेत्री में हुए नवाचारों और बड़े पैमाने पर हो रहे उत्पादन को दर्शाता हैं।

मध्यप्रदेश की जलवायु उद्यानिकी फसलों के लिये अनुकूल होने के साथ सिंचाई सुविधाएं भी अन्य राज्यों से बेहतर है। प्रदेश का कुल उद्यानिकी रकबा का 5 लाख 54 हजार हैक्टेयर मध्यप्रदेश में उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता 15.02 टन प्रति हैक्टयर है, जो देश की उद्यानिकी फसलों की औसत उत्पादकता 12.19 टन प्रति हैक्टेयर से 23.21 प्रतिशत अधिक है। खाद्यान फसलों की उत्पादकता 2.82 टन प्रति हैक्टेयर की तुलना में उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता 15.02 टन प्रति हैक्टेयर है, जो 5 गुनी से अधिक है।

आने वाले सालों में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी (बागवानी) प्रदेश के किसान भाइयों की आय का मुख्य घटक बनकर उभरेगा। मोहन सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो सपने को सकार करने के लिये परियोजनाओं को धरातल पर लाने का प्रयास प्रारंभ किया गया है। पीएम मोदी की पहल मिले जल हमारा तुम्हारा के प्रयास पर मध्यप्रदेश में 24 हजार 293 करोड़ की अनुमानित लागतसे केन-बेतवा लिंक परियोजना, 35 हजार करोड़ की लागत से पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अन्तर्राज्यीय नदी लिंक परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

मध्यप्रदेश संतरा, मसाले लहसुन, अदरक और धनिया के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। मटर, प्याज, मिर्च, अदरक में दूसरे तथा फूल, औषधियों एवं सुगंधित पौधों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में फसलों का रकबा भागीदरी फल 4.61 लाख हैक्टेयर, सब्जी 12.40 लाख हैक्टेयर, मसालें 8.99 लाख हैक्टेयर, पुष्प 14 हजार हैक्टेयर तथा औषधी एवं सुगंधित पौधे 48 हजार हैक्टेयर में पैदा किये जा रहे है।

उद्यानिकी और प्र-संस्करण समिट आयोजित की जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी खाद्य प्र-संस्करण पर केन्द्रित मेले और वर्कशॉप आयोजित करने, प्रदेश में एक विशेष उद्यानिकी और प्र-संस्करण समिट आयोजित किये जाने पर जोर दिया है जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के साथ उद्यानिकी के बढ़ते हुए महत्व को सिद्ध करती है। प्रदेश के किसानों की खुशहाली और राज्य का आर्थिक स्वंलम्बन उद्यानिकी में छिपा हुआ है। सरकार और किसान दोनों इस ओर बढ़ रहे हैं। निश्चित ही इसके अच्छे परिणाम आयेंगे।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' लोकतंत्र को सशक्त बनाने का क्रांतिकारी कदम

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने शनिवार को भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित बैठक में शामिल होकर वन नेशन वन इलेक्शन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम समर्थन प्रस्ताव भेजा। इस अवसर पर जिला मंत्री राजकुमार विश्वकर्मा ने भी विस्तार से चर्चा की। भोपाल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा कोचिंग, कॉलेज एवं अन्य संस्थाओं में पहुंचकर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने संबोधित करते हुए कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' भारत के लोकतंत्र को और अधिक सशक्त, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह विचार न केवल हमारे देश की राजनीतिक प्रणाली को सरल बनाता है।

नमामि गंगे योजना : कागजों और बैठकों में पहुंच रहा घर-घर पानी

पाइपलाइन डालकर कर ली खानापूर्ति लेकिन पानी लेने के लिए आज भी कुओं और हैंडपंपों का लेना पड़ता है सहारा

मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर ग्राम में नहीं पहुंचा पाए एक बूंद पानी

शिवम अग्निहोत्री ■ ललितपुर

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अंतर्गत जल जीवन मिशन की योजना अधूरी पड़ी हुई है लगभग एक वर्ष से अधिक समय बीतने को है ठेकेदार के द्वारा पाइप लाइन तो डाल दी गई है लेकिन कई जगह ना ही कनेक्शन दिया गया और ना ही स्टैंड पाइप खड़े किये गए हैं और स्थानीय लोगों की माने तो कनेक्शन पाइप भी घटिया क्वालिटी के डाले गए हैं जो कनेक्शन करते समय ही चटक रहे और टूट रहे थे इस योजना का सच अधिकारियों के द्वारा होर्डिंग्स और सरकारी कागजों और बैठकों के जरिये अपनी पीठ थप थपाई जा रही है मजे की बात यह है कि अधिकारी सिर्फ उन ग्राम पंचायत का दौरा प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधियों को कराते हैं जहां कुछ हद तक व्यवस्था ठीक है और जन प्रतिनिधि योजना का बखान जोर-जोर से करते हैं हालांकि धरातल पर जाकर कोई जमीनी हकीकत जानने को तैयार नहीं है मामला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर ग्राम बैरवारा और 6किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत कुआँतला का है। इस ग्राम पंचायत में घर के बाहर नालों के पाइप तो लगे हैं और लोगों का कहना है कि पाइप लाइन कि जांच करने के लिए नालों से पानी आया था, इसके बाद से अब तक इस पाइप से पानी कि बूँद तक लोगों को देखने नहीं मिली। आलम यह है कि गांव कि महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा दैनिक जीवन यापन के लिए गांव में लगे हैंडपम्प और कुआं से से पानी लाने को विवश हैं। गर्मी के दिन व दिन विकराल होते जा रहे स्वरुप के चलते अब प्राकृतिक स्रोत सूखने लगे हैं तो वहीं हैंडपम्प ने भी पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं गांव में सुबह से ही हैण्डपम्पों पर महिलाओं की लम्बी लाइनें लग जाती हैं, ताकि वह समय से पानी भर सकें। इधर दूसरी ओर जिला प्रशासन की बात करें तो नमामि गंगे से सम्बन्धित अधिकारी कार्यालय में बैठकर योजना को धरातल पर फलीभूत होने का दावा करते हुये नजर आ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को गांव-गांव ले जाकर नलों के पाइप चैक करते समय आये हुये पानी के साथ फोटो खींच कर सोशल मीडिया और पोर्टलों पर भी खूब वायरल हुयी, लेकिन उसके बाद से मामला सिफर रहा है। यहां पाइप में टोटियां भी नहीं लगायी गयी हैं। इसके अलावा गांव में पेयजल आपूर्ति न होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार के द्वारा स्लोगन दिया जा रहा है खुशहाली से सुरक्षित हुआ सबका आने वाला कल, अब भारत के गांव गांव पहुंच रहा नल से जल लेकिन इसकी उलट लोगों का कहना है कि हमें तो हैण्डपम्प सही है, नल से नहीं आता पानी।

गांव में रहने वाली मुन्नीबाई ने बताया कि उनके गांव में शुरू से ही हैण्डपम्प और कुंए के पानी का इस्तेमाल होता आया है। लेकिन धीरे-धीरे आवादी बढने् के साथ ही लोगों की दैनिक आवश्यकता बढ़ गयी और अब आलम यह है कि पेयजल के लिए समस्याएं विकराल होने लगी हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा गांव में लाइन बिछाकर पाइप घर-घर लगाये गये हैं, बावजूद इसके आज तक एक बूंद पानी भी नसीब नहीं हो सका है।

सड़के खोदकर नई समस्या कर दी उत्पन्न

ग्रामीणों के अनुसार लगभग 1 वर्ष होने के पश्चात भी पाइपलाइन डालने के लिए जो सड़क जेसीबी से खोद दी गई थी उसको ठीक करने का काम भी ठेकेदार के द्वारा नहीं कराया गया जिस कारण नाली का पानी उन गड्ढे में भर जाता है और वाहन के साथ-साथ पैदल चलने में भी असुविधा होती है ग्रामीणों का कहना है कि पानी तो आया ही नहीं साथ में सड़के खोद कर नई समस्या उत्पन्न कर दी कई बार शिकायत करने की बावजूद भी सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है।

लाइन तो डाली गयी, लेकिन नहीं लगे पेयजल के पाइप

वहीं मोहल्ला खुशीपुरा में रहने वाले लालसिंह ने बताया कि उसके मोहल्ले में पाइप लाइन तो डाली गयी, लेकिन नलों के पाइप नहीं लगाये गये हैं। जिस कारण यहां के लोगों को यह भी पता नहीं है कि नलों से पानी आता भी है या नहीं। यहां के लोग गांव में दूर स्थानों पर लगे हैण्डपम्पों से पानी भरकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

मीडिएटरों के साथ बैठक सम्पन्न

ललितपुर। जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेन्द्र कुमार झां व प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय नन्द प्रताप ओझा की अध्यक्षता में मध्यस्थगणों के साथ संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्थाई लोक अदालत अध्यक्ष सूबेदार सिंह, एडीजे/सचिव यशवंत कुमार सरोज, मीडियेटर रीता खरे, कु.रमा सक्सेना, राजेन्द्र सिंह, राजकुमार जैन, बृजकिशोर जैन, महिपाल सिंह, रामगोपाल अहिरवार, अरूण कुमार जैन, शादीलाल, रत्नप्रभा जैन, सुरेश कुमार खरे, बृजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार जैन, संतोष कुमार जैन, लोकपाल सिंह, रामपाल सिंह, जमील अहमद मीडिएटर के रूप में मौजूद रहे। बैठक में मध्यस्थगणों को निर्देशित किया गया कि पक्षकारों को सुलह समझौता के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण करायें।

जमीन पर अवैध कब्जा करने का लगाया आरोप

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम दैलवारा में रहने वाली रूकसाना पत्नी युनिस ने पुलिस अधीक्षक के नाम एक शिकायती पत्र भेजा है। बताया कि उसकी गांव में कृषि भूमि है, जो कि उसके देवर गुलजार की जमीन से लगी हुयी है। आरोप है कि उसके देवर द्वारा सिद्धपुरा निवासी एक व्यक्ति को अपनी जमीन बेच दी, जिसके बाद उक्त व्यक्ति बेची गयी जमीन के साथ उसकी जमीन पर भी अवैध रूप से कब्जा कर रहा है। पीड़िता ने बताया कि जब उसने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। बताया कि 16 अप्रैल को रात करीब 9 बजे जब वह घर में थी, तभी उक्त् लोग अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ आये और गालियां देते हुये मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने आये परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी उक्त लोगों ने मारपीट कर दी। इस हमले में उसके पुत्र रानू को चोटें आयीं। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच करायी जाकर निष्पक्ष कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

गौर कालोनी में तीन घरों से लाखों की चोरी

ललितपुर। कैलगुवां तिराहा स्थित गौर कालोनी में रहने वाले दुर्गेश राजपूत पुत्र लक्ष्मन सिंह ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीते गुरूवार को शाम करीब 6 बजे वह झांसी के बबीना में अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया हुआ था। 19 अप्रैल को पड़ौसी द्वारा फोन पर सूचना दी गयी कि उसके घर रात में चोरी हो गयी। पीड़ित ने बताया कि उसने कुछ समय पश्चात अपने घर आकर देखा तो अज्ञात चोरों द्वारा उसके घर का ताला तोड़कर एक मोटर साइकिल अपाचे संख्या यू.पी. 94 वाई 8794 और एक एलईडी टीवी, एमआई के स्पीकर, सोने के टॉप्स, लोकेट, चांदी की पायलें, एक मिक्सी व दो लाख रुपये नकद चोरी कर लिये हैं। दुर्गेश ने बताया कि पड़ौस में रहने वाले अरूण कुमार सिंह ने बताया कि उनके घर भी अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर अलमारी में रखे करीब 2 लाख रुपये चोरी कर लिये। इसके अलावा शिवम मिश्रा ने बताया कि अज्ञात चोरों ने उसकी मोटर साइकिल टीवीएस स्पोर्टस संख्या यू.पी.94 ए.ई. 6172 को चोरी कर लिया है।

विरासत का निर्माण करने वाले चित्रकारों एवं कलाकारों को नमन : डॉ. राजकुमार जैन

विरासत संरक्षण के दिशा में निरन्तर कार्य कर रहा है इन्टैक : सन्तोष शर्मा

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

इन्टैक ललितपुर चैप्टर के तत्वावधान में कला भवन में विरासत संरक्षण दिवस के अवसर पर विरासत संरक्षण संगोष्ठी, विरासत संरक्षरण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिताका आयोजन मुख्य अतिथि डा.राजकुमार जैन के मुख्य आतिथ्य एवं इन्टैक ललितपुर चैप्टर के संयोजक सन्तोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवल एवं माँ सरस्वती पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डा.राजकुमार जैन ने कहा कि विरासत संरक्षण दिवस पर कला भवन में जाने माने चित्रकार बिरथरे की कला साधना की अमूल्य विरासत देखने का मुझे अवसर मिला। कला साधकों को शिविर के माध्यम से प्रशिक्षित कर एक विरासत तैयार कर रहे हैं। हमारे ललितपुर में बड़ी संख्या में विरासत है, इन्हें बनाने वाले कलाकारों, चित्रकारों को हम नमन करते है। जीवन में सत्य और भगवान पर भरोसा लेकर चलना, जिन्दगी में कभी डर नहीं लगेगा, कभी परेशान नहीं होगे।

इन्टैक ललितपुर चैप्टर विरासतों को वचाने, संरक्षित करने, एवं पर्यटन विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह कर रहे, इसके लिए सन्तोष कुमार शर्मा और उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र है। इन्टैक ललितपुर चैप्टर संयोजक सन्तोष कुमार शर्मा ने कहा कि इन्टैक अपने स्थापनाकाल से ही विरासत संरक्षण को लेकर निरन्तर कार्य कर रही है। विरासत संरक्षण की दिशा में इन्टैक ललितपुर चैप्टर ने ललितपुर की विरासत का सूचीकरण किया, डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का निर्माण किया, जिसकी पूरे देश में तारीफ हुई। विरासत संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण ललितपुर चैप्टर द्वारा 1,11,000 वृक्षों का वृक्षारोपण कराया गया गया है। जिसमें 90 प्रतिशत वृक्ष आज भी जीवित है। 19 से 25 नवम्बर तक चलने वाले विरासत सप्ताह के अंतर्गत अमेरिका एवं फ्रांस के सैलानियों को बरुआसागर के महरानी लक्ष्मीबाई के आश्रय स्थल का भ्रमण कराकर उससे अवगत कराने का प्रयास कर रहे है। ललितपुर पर्यटन एवं विरासत के क्षेत्र में काफी समृद्ध है, इसे पर्यटन बनाने के इन्टैक सतत प्रयास कर रहा है। कलाविद् ओमप्रकाश बिरथरे ने बताया कि यूनेस्को ने 1982 में 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस मनाने का निर्णय किया। चित्रकला एक विरासत है, आदिकाल एवं पाषाण काल में चित्रकला एवं मानव ने गुफाओं में रहना सीखा था, तभी से चित्रकला एक विरासत के रूप चली आ रही है। 330 ई.पू. से 600 ईसा तक में गुप्तकाल में 29 गुफाओं में भित्ति चित्र मिले, यह सभी हमारी विरासत है। माइकलो एंजलो, शैजा ने विश्व में अपनी चित्रकला के क्षेत्र में काम किया और अपनी विरासत को छोड़ गये। 17वीं और 18वीं शताब्दी में मुगलकाल में राजपूत शैली से बनाये गये चित्रों का प्रभाव बुन्देलखण्ड में भी पड़ा, यहां विशेष रूप से चितेरी कला, सुआटा, टेसू और ढिंविया का विवाह विरासत के अंग बन गये है। देश के विरासत के शिविर में आये कलासाधकों ने बनाने का बढिया प्रयास किया है।

समाजसेवी मनमोहन जड़िया ने कहा कि विरासत का अर्थ होता है हमारी पूर्व संस्कृति, रीति-रिवाज, हमारे बुजुर्गो ने जो हमको दिया है, उसका संरक्षण करना है। हमारे बुजुर्गो का सम्मान भी हमारी विरासत है। उन्होंने कहा कि बिना संघर्ष के कोई महान नहीं होता है, जो संघर्ष करते है, वह इतिहास बन जाते हैं। इस अवसर पर मनमोहन जड़िया, राजकुमार राठौर, संस्कार भारती संरक्षक गोविन्द नारायण व्यास, सूचना प्रौद्योगिकीविद् विनोद त्रिपाठी, प्रो.राजीव निरंजन, सुरेश साहू, उर्वशी, अनुराधा मोदी, डा.विकास गुप्ता, विनीता मालवीय, मुकेश पटेल, प्रीतम सिंह राजपूत ने पर्यावरण को लेकर अपने विचार रखे। संचालन संस्कार भारती अध्यक्ष ब्रजमोहन संज्ञा ने किया। आभार इन्टैक ललितपुर चैप्टर को-कोआर्डिनेटर रजनीश चड्ढा ने व्यक्त किया।

धर्मपरिवर्तन के मामले में आया नया मोड

ललितपुर। विगत दिनों सुरईघाट कालोनी में रहने वाली महिला ने पड़ौस में रहने वाले कुछ लोगों पर प्रताड़ित करते हुये धर्मपरिवर्तन कराने जैसे गंभीर आरोप लगाये थे। इस मामले में दो दिन बाद अब दूसरा पक्ष सामने आया है। दूसरे पक्ष ने धर्मपरिवर्तन का आरोप लगाने वाली महिला पर पूर्व में हुये विवाद में दर्ज कराये गये मामले का बदला लेने के लिए झूठी शिकायत करने का आरोप लगाया है। दूसरे पक्ष की ओर से सुरईघाट कालोनी निवासी सानू पत्नी हेरिसन डेविड ने शनिवार को सदर तहसील पहुंच कर सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायती पत्र देकर बताया कि विगत दिनों पड़ौस में रहने वाली सुमन नासम की महिला ने अपने परिजनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंच कर उस पर उसके परिजनों पर पुराने विवाद का बदला लेने की नीयत से धर्मपरिवर्तन कराने जैसा गंभीर आरोप लगाया है। सानू डेविड का कहना है कि 25 जनवरी 2025 को भी उक्त लोगों से उसका विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने सुमन व उसके परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसका बदला लेने के उद्देश्य से सुमन ने कुछ लोगों के कहने पर उसके व उसके परिजनों के खिलाफ विगत दिनों धर्मपरिवर्तन का झूठा आरोप लगाया है। पीड़िता ने यह भी बताया कि सुमन और उसका परिवार अब फिर से उसे आये दिन गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी दे रही है और कालोनी खाली करके भाग जाने की धमकी देती है। सानू डेविड ने पुलिस अधीक्षक से मामले में निष्पक्ष जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

दूसरे पक्ष ने लगाया पुराने मामले को लेकर झूठी शिकायत करने का आरोप

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर उठायी निष्पक्ष जांच की मांग

एड. अजीज कुरैशी की स्मृति में हुआ फल एवं मिष्ठान वितरण

ललितपुर। शहर की आवाज कहे जाने वाले महान समाजसेवी मरहूम अजीज कुरैशी की चौथी पुण्यतिथि पर उनके पुत्र एड.अरमान कुरैशी के द्वारा जिला महिला अस्पताल में फल एवं मिष्ठान वितरण किया। इस मौके पर अरमान कुरैशी ने कहा कि मेरे पिता आज भी हम सभी के दिलों में जीवित हैं। वे एक श्रेष्ठ संचालक थे जिनकी आवाज का कोई सानी नहीं था और उतने ही महान मानवता के दूत थे वे हमेशा हर् जरूरत मंद की मदद किया करते थे। जात पात से दूर इंसानियत की मिशाल थे, अरमान ने कहा कि मै पूरी कोशिश करूंगा कि उनके बताएं मार्ग का पूरी लगन से अनुसरण करूं। पत्रकार राजीव शुक्ला ने कहा कि अजीज कुरैशी जिले की अमूल्य निधि थे। वरिष्ठ पत्रकार पूर्व महामंत्री प्रेस क्लब अजय बरया ने कहा कि मरहूम अजीज कुरैशी जो कि नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता भी रहे हैं और साथ ही जनपद के कुशल संचालक भी रहे हैं। उनकी आवाज आज भी हमारे कानों में गुजराती है। अजीज कुरैशी जैसे बिरले लोग कई सदियों में पैदा होते हैं। इस मौके पर अजय बरया, अजय जैन, अंकित सोनी, रिक्की पटना, उमर मंसूरी, राजेश कुमार, अरविंद कुमार, अमित एवं निलेश आदि उपस्थित रहे।

न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक में हुआ विचार-विमर्श

ललितपुर। राज्य सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त निर्देश के अनुसार जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेन्द्र कुमार झां के निर्देशन में आगामी 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के लिए एडीजे/सचिव यशवन्त कुमार सरोज की अध्यक्षता में न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीजेएम विभान्शु सुधीर, सिविल जज सी.डि. एफ.टी.सी. रविशंकर गुप्ता, अपर सिविल जज जू.डि. अदिति जैन, सिविल जज जू.डि. देवप्रिय सारस्वत, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बहादुर सिंह मौजूद रहे। बैठक में विगत राष्ट्रीय लोक अदालत में निर्णीत वादों पर चर्चा कर आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के संबंध में विस्तार पूर्वक विचार–विमर्श किया गया। उपस्थित अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि गयी कि वह अपने–अपने स्तर से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु प्रयास करें, जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सकें।

पंजाब नैशनल बैंक में नवागंतुक मंडल प्रमुख ने ग्रहण किया कार्यभार

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

पंजाब नेशनल बैंक के मण्डल स्तर पर प्रमुख के रूप में राजकुमार को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते हुये कहा कि बैंकिग यात्रा की शुरुआत प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में सन 2000 में की और अपने लगभग 25 वर्षो के कार्यकाल में देश में स्थित विभिन्न कार्यालयों सहित, बैंक के लन्दन स्थित अन्तर्राष्ट्रीय पंजाब नेशनल बैंक लि. कार्यालय में भी लगभग 5 वर्षो तक जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। प्राथमिकताओं को लेकर कहा कि हमारा प्रमुख ध्येय बैंक के कारोबार में प्रगति करना है और इस कारोबार में झांसी मंडल का उल्लेख आकंड़ों के आधार पर सम्मानजनक स्थिति में होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में बैंक द्वारा अपने स्थापना दिवस पर अपने ग्राहकों को उत्पादों के माध्यम से दी जाने वाली सौगातों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंक ने एग्जीक्यूटिव बचत खाता योजना में विभिन्न लाभों के साथ 30 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 60 लाख के एयर दुर्घटना बीमा के साथ ही पूर्ण स्थायी विकलांगता में 60 लाख और आंशिक स्थायी विकलांगता में 30 लाख तक का बीमा कवर दिया गया है। महिलाओं के लिए पीएनबी महिला शक्ति बचत खाता योजना में कैंसर जैसी बीमारियों के लिए भी 5 लाख तक का सुरक्षा कवर दिया गया है तथा आर.टी.जी.एस. जैसी सुविधाओं के लिए ऑनलाईन व्यवहार करने पर शून्य तथा शाखा से दो आर.टी.जी.एस. करने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। पीएनबी ग्रो बचत योजना में 10 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चो के लिए खातों में शून्य राशि से खाता खोल कर लोयलटी रिवार्ड जैसी आकर्षक सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि हमारा बैंक सभी ग्राहकों के साथ-साथ किसान भाईयों के लिए भी बचत खाते के हरित-वैरिएंट को लेकर आया है जिसमें विभिन्न लाभों के साथ 10 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, पूर्ण स्थायी विकलांगता में 10 लाख और आंशिक स्थायी विकलांगता में 05 लाख तक के बीमा कवर सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। इस सभी योजनाओं के साथ ही महिलाओं के लिए पीएनबी पर्ल, पीएनबी सोलिटायर, वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए पीएनबी एक्सेल, पीएनबी इम्पीरियल, पीएनबी नियो, किसानों के लिए पीएनबी समृद्धि, आदि शामिल हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी पीएनबी वैभव, पीएनबी वरिष्ठ, वरिष्ठ महिलाओं के लिए पीएनबी विश्वास तथा सभी के पीएनबी सेलेक्ट, पीएनबी राइज आदि बचत खाता योजनाएं लाई गई हैं। इस दौरान उप मंडल प्रमुख धीरेन्द्र कुमार शशि और रैम प्रभारी मनीष राय, सहायक महाप्रबंधक और सभी मुख्य प्रबंधक मौजूद रहे।

लोगों को भयमुक्त वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी, अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के निर्देश, शासन द्वारा निर्धारित समय में अपने अपने कार्यालयों में जनसुनवाई करेंगे समस्त अधिकारी

गरीब की जमीन पर न होने पाए अवैध कब्जा, त्वरित कार्यवाही कर पीड़ित को न्याय दिलाएंः डीएम

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

सभी को उचित, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण न्याय दिलाए जाने के लिए शासन के निर्देशानुसार आज माह के तृतीय शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारियों ने मौजूद रहकर फरियादियों को सुना और उनकी समस्याओं का मौके पर निस्तारण कराया। इसी क्रम में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने जनपद की दूरस्थ तहसील मड़ावरा पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने बारी बारी शिकायतकर्ताओं को अपने समीप बुलाकर उनकी समस्या सुनी और सम्बंधित अधिकारियों से कई मामलों में तत्काल समाधान कराया और शेष शिकायती पत्रों पर स्वयं स्थलीय स्तर पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को गुड गवर्नेंस मुहैया कराना हमारी जिम्मेदारी है, सभी को भयमुक्त वातावरण में रहकर सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकारी है, पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी व्यक्ति को कोई दबंग व्यक्ति परेशान न कर पाए, अवैध कब्जों के मामलों में तत्काल प्रभावी कार्यवाही कर पीड़ित को न्याय दिलाए। अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाएं। इसके साथ ही प्रशासनिक अधिकारी शासन द्वारा निर्धारित समय में अपने अपने कार्यालय में जनसुनवाई करेंगे और शिकायतों का शिकायतकर्ता की संतुष्टि के आधार पर निस्तारित सुनिश्चित कराएंगे। उक्त निर्देशों का पालन न होने पर संबंधित अधिकारी उचित कार्यवाही के लिए तैयार रहें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील मड़ावरा में कुल 68 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 21, विकास के 06, पुलिस के 11, पूर्ति के 11, जल निगम के 05, विद्युत के 02, सिंचाई के 03, समाज कल्याण के 03 तथा अन्य विभागों के 06 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 08 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया। तहसील ललितपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 12 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 04, पुलिस का 01, विद्युत का 01 तथा अन्य विभागों के 06 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 04 प्रकरण का मौके पर निस्तारण कराया गया। तहसील तालबेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 85 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 19, विकास के 06, पुलिस के 16, पूर्ति के 25, विद्युत के 03, नगर पंचायत के 02, तथा अन्य विभागों के 14 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 09 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया। तहसील महरौनी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 05 तथा विकास विभाग के 02 प्रार्थना पत्र शामिल है।

तहसील पाली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 12, पुलिस के 05, चकबंदी का 01, विद्युत का 01 तथा नगर पंचायत का 01 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 04 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया। इस दौरान सीडीओ के.के. पाण्डेय, डीएफओ गौतम सिंह, सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, एसडीएम मड़ावरा रोशनी यादव सहित अन्य जनपदस्तरीय व तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

बृहद ब्राम्हण परिषद की बैठक 21 को

गुरसरांय झाँसी। परशुराम जयंती को लेकर बृहद ब्राम्हण परिषद की एक आवश्यक बैठक 21 अप्रैल को रेंज चौराहा स्थित अरजरिया के हॉल में सम्पन्न होगी,जिसमें परशुराम जयंती की रूपरेखा तय की जाएगी। उक्त जानकारी बृहद ब्राम्हण परिषद के अध्यक्ष पं राम प्रकाश अरजरिया ने दी।

कांग्रेस की नीतियाँ गाँवों के हर घर तक पहुँचाना है : देशराज

बबीना। कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक इंदिरा गांधी पार्क में सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष देशराज अहिरवार उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष श्री प्रकाशचंद्र जैन ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं माल्यार्पण के साथ हुई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष देशराज अहिरवार ने कहा, ÷कांग्रेस पार्टी की नीतियाँ गाँव-गाँव, घर-घर तक पहुँचाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। कांग्रेस हमेशा गाँव, गरीब, किसान और मजदूरों के हित में कार्य करती रही है। हमारी सरकार आने पर जिले में पुनः विकास कार्यों को गति दी जाएगी।÷ बैठक में वक्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने पर जोर दिया। इस अवसर पर अमित करोसिया, हरीशंकर वाल्मीकि, मनीष गौतम, सुजीत, मेहताब यादव, रवि जैन, मुलायम सिंह रजक, राजेन्द्र यादव, सोनू यादव, दारा जैन, सुरेन्द्र साहू, प्रमोद बाबूलाल रजक, सुशील जैन, रामनाथ कब्बाल सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी का आभार प्रवीण कोतवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

डॉ. संदीप के मुख्य आतिथ्य में हुई भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा

झाँसी। जनपद के पंचवटी स्थित शिव परिवार कॉलोनी में अंजनी माता मंदिर पर भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व स्थापना के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में कथा परीक्षित के रूप में श्रीमती रानी एवं लखनलाल सक्सेना द्वारा सपरिवार यह कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। सात दिवसीय इस कार्यक्रम में संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉक्टर संदीप सरावगी मुख्य अतिथि के रूप में कलश यात्रा एवं मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा व स्थापना कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में डॉ0 संदीप के आगमन पर कथा परीक्षित परिवार द्वारा तिलक व माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी के रूप में डॉक्टर प्रभाकर शास्त्री एवं कार्यक्रम प्रमुख के रूप में प्रशांत सक्सैना सहयोग कर रहे हैं। कार्यक्रम में अंजनी माता मंदिर के पुजारी आनंद कुमार द्वारा कार्यक्रम की विधिवत संचालन में विशेष रूप से सहयोग दिया गया। कार्यक्रम में कथा वाचक के रूप में बांके बिहारी मंदिर चरखारी से कथा व्यास श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ0 संदीप ने कहा भागवत में ज्ञानयोग, कर्मयोग, समाजधर्म, स्त्रीधर्म, आपद्धर्म, राजनीती आदि का ज्ञान भरा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती कृष्णकांति-अंजनी कुमार सक्सेना, श्रीमती अंकिता-चित्रांश सक्सेना, प्रियंका आनंद सक्सेना आदि का भी सहयोग रहा।

सावधान: गन्ना रस या जूस में डाला जाने वाला बर्फ हो सकता है हानिकारक

खाद्य एवं औषधि विभाग नहीं कर रहा जांच

मुश्ताक अली ■ झाँसी

गर्मी का मौसम शुरू होते ही नगर के कोने-कोने में गन्ना रस, जूस, लस्सी, बर्फ के गोले वाले ठेले सज गए हैं। तेज धूप और गर्मी से राहत के लिए राहगीरों के कदम सहसा इन ठेलों में रुक जा रहे और फिर शीतलता के लिए बर्फ डले पेय पदार्थ से गला तर करने के बाद ही कदम आगे बढ़ रहे। इधर बर्फ के रूप में अनजान खतरा हमारे स्वास्थ्य पर अटैक कर रहा है। क्योंकि साल भर मांस, मछली को सुरक्षित रखने वाले बर्फ का ही इन पेय पदार्थों में इस्तेमाल हो रहा है। पेय पदार्थों के लिए अलग से बर्फ नहीं बनने पर इसमें स्वच्छता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा। इसकी परख के लिए जिम्मेदार खाद्य एवं औषधि प्रशासन के

अधिकारी गहरी नींद में हैं। इसे लेकर जांच ही नहीं की जा रही है। नगर में यहां-वहां सजे शीतल पेय गन्ने और लस्सी, बर्फ के गोले की दुकानों पर मिल रही शीतलता किस कदर हमारे स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकती है, इसका अंदाजा बीमार पडने के बाद ही लगाया जा सकता है। पेय पदार्थों में इस्तेमाल हो रही बर्फ खाने के लिए बनाई ही नहीं गई। दरअसल इन पदार्थों को ठंडा करने में जिस बर्फ का इस्तेमाल हो रहा है, वह शव को सडने से बचाने एवं मांस-मछली को ताजा बनाए रखने में काम आने वाली है। अमूमन बर्फ फैक्ट्रियों में नल या बोर के पानी का उपयोग हो रहा है। इसमें कितनी स्वच्छता बरती जा रही है, इसे देखने वाला स्वास्थ्य एवं औषधि प्रशासन लगातार अनदेखी कर रहा है। गर्मी में बर्फ की खपत बढ़ जाने के बाद भी अब तक न तो जिला प्रशासन ने इसकी जांच के निर्देश दिए और न ही खाद्य एवं औषधि विभाग इस ओर ध्यान दे रहा है।दूषित बर्फ के कई हानिकारक प्रभाव होते हैं, जिसमें डायरिया और पेट में संक्रमण प्रमुख है। स्वच्छता पर ध्यान न देने से हानिकारक बैक्टीरिया या वायरस स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकते हैं। यह दूषित बर्फ शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकती है, जिससे व्यक्ति विभिन्न बीमारियों का शिकार बन सकता है।

गर्मी में हर साल बढ़ जाते हैं पीलिया, डायरिया के मरीज

शहर में हर साल गर्मी के दौरान पीलिया, डायरिया और पेट से जुड़े अन्य संक्रमण के मामले बढ़ जाते हैं। इनमें से एक बड़ा कारण दूषित बर्फ भी है, जिसे शुद्धता का ध्यान रखे बिना ही बनाया जा रहा है। ठेले वाले भी बर्फ को गंदी बोरियों या लकड़ी की पेटी में रख रहे हैं, उसी को सीधे पेय पदार्थो में डाल दिए जा रहे हैं।

शहर में खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थो की भी अनदेखी हो रही है। दरअसल खाद्य एवं औषधि प्रशासन दिखावे के लिए महज तीज-त्योहारों में ही छिट-पुट सैंपलिंग लेकर औपचारिक रूप से खानापूर्ति कर रहा है। इसका खामियाजा लोगों को विभिन्न प्रकार की बामारियों के जकड़ में आने के रूप में भुगतना पड़ रहा है। खासकर बच्चे और युवा खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की अनदेखी करते हुए सेवन कर रही, नतीजतन बीमार पड़ रहे।

बर्फ बनाने में होना है पीएचई सर्टिफाइड पानी का उपयोग

बिना पीएचई के सर्टिफाइट पानी का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जबकि नियमानुसार पीएचई से सर्टिफाइट पानी का ही उपयोग बर्फ बनाने के लिए किया जाना है। पीएचई विभाग भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

जीवात्मा एवं परमात्मा का मिलन है महारास : ब्रजेश त्रिपाठी

सत्ता सुधार ■ गुरसराय झाँसी

गरौठा रोड स्थित विरारी के सिद्ध सरकार पर चल रहे श्री विष्णु महायज्ञ में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन भगवान कृष्ण की महारास लीला का वर्णन किया गया। राष्ट्रीय भागवत आचार्य पंडित बृजेश त्रिपाठी महाराज ने कहा कि भगवान ने अपनी व्यापकता का बोध कराने को चीर हरण लीला की।जीव एवं परमात्मा के बीच मे माया रूपी आवरण पड़ा रहता है,जिससे जीव के निकट रहते हुए भी वह परमात्मा

को नहीं जान पाता।इसलिए भगवान ने माया रूपी आवरण का हरण किया और अपनी व्यापकता का ज्ञान गोपियों को कराया। भागवत का मूल पाठ आचार्य हरेन्द्र शास्त्री कर रहे हैं। संगीतमय कथा में ऑर्गन एवं सह गायन पर बीरेन्द्र यादव,तबला पर धर्मेंद्र कौशिक,पैड पर नीलू ने संगत की। कथा की आरती परीक्षित पूरनलाल भगत ने की। प्रातः काल मे यज्ञाचार्य डॉक्टर रमाकांत पटेरिया के नेतृत्व में विष्णु महायज्ञ किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम 21 अप्रैल तक चलेगा।

इस मौके पर संगीतगुरु पं परशुराम पाठक,मेजर अखिलेश पिपरैया, पी सी सी सदस्य रमेश मौर्य, पूर्व पार्षद द्वारिका प्रसाद भगत, कैलाश प्रकाश गुप्ता,पं नितुल व्यास,अरविंद निरंजन,देवेन्द्र सिंह घोष,हरी प्रकाश यादव जय सिंह यादव,सुरेन्द्र सिंह भगत,रामप्रकाश निरंजन,श्रीधर पस्तोर, प्रसिद्ध नारायण यादव,मनोज शर्मा, सरमन लाल,महेश पप्पू सोनी,विनोद पटेल,महावीर पटेल,सत्यप्रकाश चतुर्वेदी, नृसिंह घोष,धनीराम ठेकेदार,सुरेश अग्रवाल,अनिल कुमार सोनी पुरुषोत्तम कुचवार आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकारिता के दिग्गज नेताओं का झांसी दौरा: भव्य स्वागत और सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी

बबीना झांसी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के नव-निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रनाथ सिंह और निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सौषभ कुमार का 20 अप्रैल को झांसी दौरा निश्चित हुआ है। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और वे विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। दोपहर 8ः00 बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस से झांसी पहुंचने पर इन वरिष्ठ पत्रकारों का ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद, वे एसोसिएशन के झांसी जिला अध्यक्ष अभिनंदन जैन के निवास पर विश्राम करेंगे और फिर सड़क मार्ग से चिरगांव के इटोरा गांव जाएंगे। वहां, ग्राम प्रधान प्रमोद सिंह दांगी द्वारा आयोजित निःशुल्क कन्या विवाह महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बबीना नगर से एसोसिएशन के नगर अध्यक्ष शैलेश सोनू शिवहरे के नेतृत्व में पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल उनका स्वागत करेगा और उनके साथ उरई के लिए रवाना होगा। वहां, वे स्वर्गीय श्रवण कुमार त्रिवेदी जी की त्रयोदशी सभा में भाग लेकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रमों के बाद, ये दोनों नेता झांसी लौटेंगे और उसी रात 9ः00 बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस से वाराणसी के लिए रवाना होंगे। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन झांसी के जिला अध्यक्ष अभिनंदन जैन ने इस दौरे को संगठन और समाज के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह दौरा न केवल प्रेरणादायक होगा।

ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, दो गंभीर, बारात से लौट रहे थे बाइक सवार

मऊरानीपुर झांसी। जनपद के मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घाटकोटरा से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बारात से लौट रहे बाइक सवार तीन युवकों की बाइक तरबूज से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के टोरिया गांव निवासी अभिषेक, अमित और अनिकेत एक ही बाइक पर सवार होकर ग्राम चौका में एक बारात में शामिल होने आए थे। शुक्रवार सुबह जब वे बारात से लौट रहे थे, तभी घाटकोटरा गांव के पास तेज रफ्तार में आ रही एक तरबूज से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अनिकेत की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अभिषेक और अमित गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर लाया गया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मृतक के चाचा ने बताया कि ÷बिलकुल नहीं समझ पाए हम लोग कि ऐसा अचानक क्या हो गया। तीनों बच्चे बारात में खुशी-खुशी गए थे। सुबह लौटते समय ये हादसा हो गया। अनिकेत तो बहुत होशियार और मिलनसार था। अभी तो उसकी उम्र ही क्या थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना से गांव में शोक की लहर है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बबीना के नए प्रभारी बने अजमेर सिंह भदौरिया, अपराध पर लगाम और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्राथमिकता

बबीना (झाँसी)। थाना बबीना में नवागत थाना प्रभारी के रूप में अजमेर सिंह भदौरिया ने चार्ज ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों को दण्ड और पीड़ितों को न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप थाना क्षेत्र में आईपीएल सट्टा, जुआ, सट्टा, गांजा, अवैध खनन, अवैध शराब के कारोबार और महिला संबंधी अपराधों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए ठोस रणनीति तैयार की जा रही है। थानाध्यक्ष भदौरिया ने भरोसा दिलाया कि थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। कोई भी व्यक्ति बिना किसी बिचौलिये के सीधे अपनी समस्या उनसे साझा कर सकता है। उनका विशेष जोर इस बात पर रहेगा कि पुलिस आमजन से अच्छा व्यवहार करे, हर पीड़ित की बात सुने और उसे न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना उनका कर्तव्य है।

बबीना में सोलर प्लांट लोन में धोखाधड़ी का मामला, लाभार्थी ने की बैंक से न्याय की मांग

बबीना (झाँसी)। झाँसी जिले के बबीना थाना क्षेत्र के ग्राम गुवावली निवासी अशोक पुरी ने भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा झाँसी को एक पत्र लिखकर सोलर चक्की मिल्स लगाने हेतु स्वीकृत लोन की राशि को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि झाँसी स्थित एक निजी कंपनी – मेसर्स अटल इंटरप्राइजेज – द्वारा प्लांट की लागत अधिक बताकर उन्हें गुमराह किया गया है।

अशोक पुरी ने बैंक को दिए गए आवेदन में बताया कि उन्होंने मेसर्स अटल इंटरप्राइजेज से ?65.84 लाख की लागत का कुटेशन लेकर बैंक से लोन के लिए आवेदन किया था, जिसे बैंक ने स्वीकृत कर उक्त राशि संबंधित कंपनी के खाते में स्थानांतरित कर दी।

हालांकि, बाद में जब उन्होंने अन्य कंपनियों से संपर्क किया, तो उन्हें ज्ञात हुआ कि वही प्लांट किसी अन्य प्रतिष्ठित कंपनी द्वारा ?1.84 लाख कम कीमत में उपलब्ध कराया जा सकता है। इस जानकारी के आधार पर जब उन्होंने मेसर्स अटल इंटरप्राइजेज से कीमत कम करने या लोन राशि वापस करने की बात की, तो कंपनी ने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि समझौता करने का दबाव भी बनाया। अशोक पुरी ने अब बैंक से गुहार लगाई है कि उक्त कंपनी द्वारा लिए गए लोन की राशि को बैंक के पक्ष में वापस लाने हेतु कानूनी कार्यवाही की जाए, क्योंकि वह अब उस कंपनी से प्लांट नहीं लगवाना चाहते।

यह मामला अब बैंक प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की जांच का विषय बन गया है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह वित्तीय अनुशासन और लाभार्थियों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी हो सकती है।

पत्रकार के भतीजे के निधन पर शोक सभा का आयोजन

सत्ता सुधार ■ गरौठा झांसी

पूर्व अध्यापक किशोरी भाई यदुवंशी के पुत्र सुरजन भाई यदुवंशी अध्यापक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर आज कस्बा की बजरंग धर्मशाला में शोक सभा आयोजित की गयी। जिसमें उपस्थित लोगों ने मृतक की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर भगवान से प्रार्थना की। इस मौके पर बालादीन राठौर शशिकांत तिवारी राजेश परिहार रिंकू सेंगर राजेंद्र बुंदेला सलीम मंसूरी

राजकुमार मिश्रा मिलन सिंह परिहार रिंकू यादव विमल तिवारी मुबीन खान सुरेंद्र तिवारी सोम मिश्रा राजीव परमार अरविंद दाऊ प्रदीप शर्मा कल्लू वर्मा राजकुमार तिवारी कृष्णचंद्र पाठक मुकेश पाठक मुन्ना यादव वीरू यादव विपिन कुमार दीपक यादव निर्दोष राजपूत महेंद्र रैकवार राजेश घटियारी गुलाब यादव संजय रिछारिया विवेक अग्रवाल सुनील तिवारी प्रमोद गुप्ता सहित पत्रकार मौजूद रहे।

बाइक सवार युवक से टप्पेबाजी, 40 हजार रुपये से भरा थैला गायब

झांसी। मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के गरौठा चौराहा पर एक युवक टप्पेबाजी का शिकार हो गया। बदमाश युवक की बाइक से रुपयों से भरा थैला चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस में की है और अज्ञात टप्पेबाजों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी रोरा, थाना लहचुरा ने बताया कि वह सोमवार शाम करीब 5 बजे एचडीएफसी बैंक से 40,000 रुपये निकालकर अपने बैग में रखे थे। बैग में मोबाइल भी रखा था। इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से गरौठा चौराहा पहुंचे और गाड़ी खड़ी कर पानी पीने लगे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बाइक पर रखा बैग चुपचाप चुरा लिया और फरार हो गया। राज सिंह ने इस घटना की शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस में दी है। उन्होंने प्रशासन से अज्ञात चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस तरह की घटनाएं इलाके में अपराधियों के हौसले बुलंद होने का संकेत देती हैं। पुलिस प्रशासन से क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाएगा।

शादी समारोह में खूनी संघर्ष: चार युवकों ने दो भाइयों पर किया जानलेवा हमला

बबीना (झाँसी)। थाना बबीना क्षेत्र की लवकुश वाटिका में एक शादी समारोह उस समय हिंसक हो गया जब झाँसी के भोजला निवासी विशाल पाल और उनके भाई इन्द्रपाल पर चार युवकों ने लाठी-डंडों और बोतल से हमला कर दिया।पीड़ित विशाल पाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह शादी समारोह में शामिल होने लवकुश वाटिका आरामशीन भेल आए थे। इसी दौरान ग्राम बुडैरा, थाना ओरछा, जिला निवाड़ी (मध्य प्रदेश) के निवासी सुन्दर राजपूत, राहुल राजपूत (पुत्रगण जान सिंह राजपूत), आनन्द सिंह दांगी उर्फ आशिक एवं प्रिन्स राजपूत (अज्ञात) ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया।हमले में विशाल पाल की गर्दन से चेन टूटकर गिर गई और उनके सिर पर बीयर की बोतल मारी गई, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। शोर सुनकर उनका भाई इन्द्रपाल बचाने आया तो उस पर भी हमला कर दिया गया। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।विशाल पाल ने बबीना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज आवाज में बज रहे डीजे को बंद कराने पहुंची पुलिस से जमकर अभद्रता, महिलाओं समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया

झांसी। देर रात प्रेमनगर थाना क्षेत्र में तेज आवाज में बज रहे डीजे को बंद कराने पहुंची डायल 112 की टीम पर शादी समारोह में शामिल महिलाओं ओर पुरुषों ने जमकर अभद्रता करते हुए पथराव किया और उपनिरीक्षक समेत पुलिस कर्मियों की मारपीट कर बॉडी वॉर्न कैमरा छीन कर बधक बना कर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी प्रकार उपद्रवियों के चंगुल से डायल 112 के पुलिस कर्मियों को बचाते हुए दर्जन भर लोग महिलाओं ओर पुरुषों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक देर रात प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम खैरा में एक शादी समारोह में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। इसकी सूचना पड़ोसी ने डायल 112 को दी। इस सूचना पर पहुंची डायल 112 के उपनिरीक्षक शिरोमण सिंह, कांस्टेबल सत्येंद्र, शेर बलि सिंह मौके पर पहुंचे। जहां खैरा गांव के आंबेडकर नगर कॉलोनी में शादी समारोह आयोजन चल रहा था। उपनिरीक्षक शिरोमण सिंह ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि जैसे ही वह लोग वहां पहुंचे तभी ऋतिक बगगन, ओर उसके घर की।महिलाएं श्रीमती करीना, सहित कई पुरुष महिलाएं आ गई और उनके साथ धक्का मुक्की करते हुए गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया जब वह इस घटना की वीडियो बॉडी वॉर्न कैमरे से ओर सरकारी मोबाइल से बनाने लगे तो सभी ने उनका कैमरा छीन लिया ओर मोबाइल छीन कर बंधक बनाकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही।महिला ने अपने कपड़े फाड़ कर सर दिवाल में मार लिया और हत्या करने आत्महत्या करने जैसी धमकियां दी। सूचना पर पहुंची प्रेमनगर पुलिस ने उन्हें बंधक से मुक्त कराते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा ऋतिक, करीना, अर्जुन, अमन सहित दस से बारह नामजद और बीस अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अर्थदण्ड के एवज में सजा काट रहे निर्धन गरीब सिद्धदोष बंदी का जुर्माना अदा किया

ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम झांसी यूनिट द्वारा बंदी का जुर्माना भरा गया

सत्ता सुधार ■ झाँसी

समाजसेवी संस्था, आल इण्डिया पयाम ए इंसानियत फोरम, झाँसी यूनिट द्वारा समाज के हित में सहयोग का कार्य किया जाता है जिसके क्रम में जिला कारागार, झाँसी में निरूद्ध मात्र अर्थदण्ड के एवज में सजा काट रहे निर्धन गरीब सिद्धदोष बंदी उमा कांत पुत्र भगवत लोधी निवासी ग्राम नरोल पोस्ट धर्मपुरा थाना रावतपुरा सरकार तहसील लहार जिला भिंड

म. प्र. के रहने वाले हैं। जिनके मुकदमे की अर्थदण्ड धनराशि रू. 12000/- कारागार स्तर पर जमा करायी गयी जिससे कि उक्त बंदी कारागार से मुक्त हो सके। इस अवसर पर कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक विनोद कुमार व जेलर प्रदीप कश्यप एवं उप कारापाल प्रकाश बंसल तथा उप कारापाल मोनिका सचान सहित समाजसेवी संस्था, आल इण्डिया पयाम ए इंसानियत फोरम, झाँसी के पदाधिकारीगण मुफ्ती इमरान नदवी, हाजी मुजाहिद, एवं अफजाल खान जिला कारागार, झाँसी पर उपस्थित रहे।

रानी झांसी को नमन कर दी उन्नीस की सलामी

सत्ता सुधार ■ झाँसी

मानव विकास संस्थान के तत्वावधान में इंजी. पी एन गुप्ता की अध्यक्षता , राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी की महिला संयोजिका संध्या टोकसे के मुख्य आतिथ्य , राष्ट्रीय कन्वीनर अशोक अग्रवाल काका के सानिध्य एवम पूर्व अध्यक्ष सुनील सक्सेना के संयोजन में रानी झांसी की प्रतिमा तले उन्हें नमन करते हुए सलामी दी गयी। आरम्भ में अतिथियों का

स्वागत बैज अलंकरण कर किया गया। रानी झांसी के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए आज के अतिथियों ने आगामी पीढ़ी के बच्चों को उनके जीवन से प्रेरित होने का आवाहन किया। मुख्य अतिथि ने कहा सलामी कार्यक्रम को निरन्तर मानव विकास संस्थान रानी की जन्म की तिथि के दिन माह की प्रत्येक उन्नीस तारीख को सलामी देते हुए उन्हें नमन करता आया है। आगामी पीढ़ी की लिए रानी झांसी के बलिदान की गाथा हेतु वे साधुवाद के पात्र हैं। सभी ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा को नमन करते हुए सलामी दी। सभी ने रानी झांसी अमर रहें अमर रहें व रानी तेरा वो बलिदान - याद करेगा हिन्दुस्तान के नारे लगाए। वन्देमातरम् व भारत माता की जय से वातावरण गुंजायमान हुआ। इस अवसर पर इंजी. पुरूषोत्तम गुप्ता , अजय सिंह राठौर , प्रकाश गुप्ता , गोपाल साहू , मनोज सेठ , रा. युवा हि. वाहिनी के कुणाल सिंघल , मोहित राय , आलोक शुक्ला , सचिन अग्रवाल के अतिरिक्त नगर के गण मान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी के प्रति आभार संस्थान सचिव अनिल कुमार साहू ने व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी।

इजरायल के हवाई हमलों में 45 फिलीस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में शुक्रवार को हुए इजरायली हवाई हमलों में करीब 45 फिलीस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक और हवाई हमले में 10 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा अन्य कई स्थानों पर भी हमले हुए, जिसने जानें और मालकिन्यां दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। सिविल डिफेंस ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में उनकी आपात सेवाएं बंद हो सकती हैं और ईंधन की कमी है। इजरायली सेना ने बोम्बार्डमेंट में 40 ठिकानों पर हमला किया, सैन्य ढांचे और हथियारों के गोदामों को भी नष्ट कर दिया। सिविल डिफेंस ने चेतावनी दी है कि ईंधन की कमी के कारण आने वाले दिनों में उनकी आपात सेवाएं बंद हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि इजरायल की ओर से मानवीय सहायता और ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिससे राहत कार्यों में मुश्किलें आ रही हैं।

खाना बनाते वक्त नाव में हुआ धमाका 143 की मौत, कई दर्जन हो गए लापता

मबंडाका। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में ईंधन ले जा रही एक बड़ी नाव में खाना बनाते वक्त धमाका हो गया। इसके बाद लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई। इससे नाव असंतुलित होकर पलट गई। जिसके कारण 143 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई दर्जन लापता हो गए। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम के पास हुई। इस जगह पर यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है। नाव तय सीमा से ज्यादा लोगों को लेकर यात्रा कर रही थी, तभी अचानक हुए विस्फोट से उस पर आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और नाव पलट गई। स्थानीय नागरिक समाज के नेता जोसेफ लोकोंडो ने कहा कि हमारी टीम ने शवों को दफनाने में मदद की है।

अमेरिका छोड़ने का दिया आदेश, इसमें 50 फीसदी से ज्यादा भारतीय

ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों को भेजा वीजा रद्द होने का ईमेल

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी सरकार ने कई विदेशी छात्रों को वीजा रद्द होने का मेल भेजा था। इस मेल के जरिए छात्रों को अमेरिका छोड़ने के लिए कहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से 50 फीसदी छात्र भारतीय हैं। अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन (एआईएलए) ने 327 छात्रों की जानकारी एकत्र की है। इनमें से 50 फीसदी से ज्यादा छात्र भारतीय हैं। भारत के बाद दूसरा नंबर चीन का है। इस सूची में शामिल 14 फीसदी छात्र चीनी हैं। अमेरिकी विदेश विभाग पिछले चार महीनों से विदेशी छात्रों के डेटा की जांच कर रहा है। इसके जरिए

इजराइल के खिलाफ और हमास के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले विदेशी छात्रों का वीजा रद्द किया जा रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा हमास समर्थक छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द कर चुके हैं। इसमें कई भारतीय छात्र भी हैं। अमेरिकी सरकार एआई ऐप 'कैच एंड रिवोक' की मदद से ऐसे छात्रों की पहचान कर रही है। विदेश मंत्री रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा हमास समर्थक छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द किया जा चुका है। इसमें कई भारतीय छात्र भी शामिल हैं। इस ऐप की मदद से सबसे पहले 5 मार्च को तुर्किये की एक छात्रा की पहचान की गई थी। उसने सोशल मीडिया पर फिलिस्तीन के समर्थन में पोस्ट किया था, जिसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उसका वीजा रद्द कर दिया था। यह मेल कई यूनिवर्सिटी के छात्रों को भेजा गया है। इसमें हार्वर्ड, कोलंबिया, येल, कैलिफोर्निया और मिशिगन यूनिवर्सिटी जैसे मशहूर संस्थान हैं। हालांकि कितनी यूनिवर्सिटीज के कितने छात्रों को यह मेल भेजा गया है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ईमेल में छात्रों से कहा गया कि उनका एफ-1 वीजा अमेरिका के इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत रद्द कर दिया है। अब अगर वे अमेरिका में रहते हैं तो उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है, उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है या उन्हें डिपोर्ट किया जा सकता है।

भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों के निर्वासन की आशंका

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है। मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। मीडिया रिपोर्ट की माने तो अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया।

चला रहे शरिया अदालतें, कहते हैं धर्म बदलो या मार खाओ

जेलों में सक्रिए इस्लामी गिरोह....

एजेंसी ■ लंदन

ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों में इस्लामी कट्टरपंथी गिरोहों ने आतंक का माहौल बना रखा है। एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह जेल कर्मचारियों को डराने-धमकाने के साथ-साथ गैर-मुस्लिम कैदियों को जबरन इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों की बात नहीं मानते, उन्हें हिंसा और धमकियों का सामना करना पड़ता है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जेल प्रशासन का नियंत्रण कमजोर पड़ता दिख रहा है। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों, जैसे कि एचएमपी फ्रैंकलैंड, व्हाइटमूर, और फुल सटन, में इस्लामी गिरोहों ने पूरे विंग पर कब्जा जमा लिया है। इस गिरोह को ब्रदरहुड के नाम से जाना जाता है और यह गैर-मुस्लिम कैदियों को धर्म परिवर्तन करो या मार खाओ का अल्टीमेटम दे रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों में शामिल होने या इस्लाम अपनाने से इनकार करते

हैं, उन्हें हिंसक हमलों, धमकियों, या अलग-थलग यूनिट में भेजे जाने का खतरा रहता है। 2022 में आतंकवाद संबंधी कानून के स्वतंत्र समीक्षक जोनाथन हॉल केसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि जेल प्रशासन इस्लामी समूहों के प्रभाव को लंबे समय तक कम करके आंकता रहा है। उन्होंने कहा, जेलों में धार्मिक आधार पर स्व-विभाजन ने हिंसक इस्लामवादी गतिविधियों के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। कुछ जेलों में तो शरिया अदालतें स्थापित की गई हैं, जो इस्लामी कानून के उल्लंघन पर कोड़े मारने जैसी सजा देती हैं। इस्लामी गिरोहों का आतंक केवल कैदियों तक सीमित नहीं है। हाल ही में, मैनचेस्टर एरेना बम विस्फोट (2017) के दोषी हाशेम अबेदी ने एचएमपी फ्रैंकलैंड में तीन जेल अधिकारियों पर घरेलू हथियारों और गर्म तेल से हमला किया, जिसमें दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने जेलों में बढ़ते खतरे को उजागर किया है। जेल अधिकारियों का कहना है कि इस्लामी गिरोहों के प्रभाव को रोकने के लिए बनाए गए सेपरेशन सेंटर्स अब अप्रभावी हो चुके हैं। इन केंद्रों में केवल 28 जगहें हैं, लेकिन इनका उपयोग पूरी तरह नहीं हो रहा, क्योंकि कैदियों को वहां भेजने की प्रक्रिया जटिल है और मानवाधिकार कानूनों के उल्लंघन का डर रहता है।

मुस्लिम कैदियों की संख्या में वृद्धि

न्याय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में मुस्लिम कैदियों की संख्या 2002 में 5,500 से बढ़कर 2024 में लगभग 16,000 हो गई है, जो कुल जेल आबादी का 18 प्रतिशत है। यह संख्या सामान्य आबादी में मुस्लिमों के अनुपात (6.5 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। इनमें से 99 प्रतिशत कैदी गैर-आतंकवादी अपराधों के लिए सजा काट रहे हैं, लेकिन वे इस्लामवादी गिरोहों में शामिल होकर जेल के भीतर शक्ति हासिल कर रहे हैं।

कनाडा में बस स्टाप पर खड़ी भारतीय मूल की छात्रा को गोली मारी, मौके पर ही मौत

एजेंसी ■ ओंटारियो

हैमिल्टन, ओंटारियो में मोहॉक कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा भारतीय मूल की हरसिमरत रंधावा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान छात्रा बस स्टॉप पर खड़ी थी और बस का इंतजार कर रही थी। तभी एक कार सवार ने गोली चला दी। हैमिल्टन पुलिस हत्या की जांच कर रही है। उसका कहना है कि रंधावा निर्दोष थीं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, 'हैमिल्टन, ओंटारियो में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं।

टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, हम ओंटारियो के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह एक मासूम थी। वह दो गाड़ियों के बीच हुई गोलीबारी में आवारा गोली से मारी गई। हत्या की जांच चल रही है। हम उनके परिवार के संपर्क में हैं। हर संभव सहायता दे रहे हैं। इस मुश्किल समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं। हैमिल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा कि स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7.30 बजे उसे हैमिल्टन में अपर

जेम्स और साउथ बेंड रोड के पास गोलीबारी की सूचना मिली। जब पुलिस वहां पहुंची तो उसने रंधावा को सीने में गोली लगने का घाव था। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना की जांच कर रहे अधिकारियों को एक वीडियो के जरिए पता चला कि एक काली कार से एक शख्स ने एक सफेद सेडान पर गोली चलाई। गोलीबारी के तुरंत बाद, वाहन घटनास्थल से चले गए। मगर गोलीबारी के दौरान गोली एक घर की पिछली खिड़की में भी घुस गई।

घर में मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने कहा कि घर में कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारी अपराधियों को पकड़ने की कोशिश में लगी हुई।

अमेरिका ने कोविड लैब लीक के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार

व्हाइट हाउस ने चीन को कोरोना उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार बताया

एजेंसी ■ वाशिंगटन

विश्वभर में कोरोना वायरस के मुद्दे पर तनाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा व्हाइट हाउस की एक नई साइट के नए दावों ने सियासी तबाही मचा दी है। व्हाइट हाउस ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें उन्होंने चीन को कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार ठहराने के आरोप लगाए हैं। साइट के मुताबिक व्हाइट हाउस का दावा है कि वुहान के एक लैब से कोरोना वायरस की उत्पत्ति हुई थी, जिसे उन्होंने लीक किया गया। इस बड़े दावे के साथ, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिकी तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी भी इस विवाद में प्रामुख भूमिका निभा रहे हैं। इस घटना के पीछे की कहानी को स्पष्ट करने के लिए व्हाइट हाउस की नई वेबसाइट ने एक पूरे पेज को कोविड-19

लैब-लीक थ्योरी के समर्पित किया है। इसके साथ ही, व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि पूर्व सरकार ने सत्य को छुपाने के लिए विभिन्न तरीकों का सहारा लिया था। व्हाइट हाउस की वेबसाइट ने पांच मुख्य बिंदुओं को सूचीबद्ध किया है, जो कोविड-19 की उत्पत्ति पर नए संदर्भ और विचार प्रस्तुत करते हैं। इसके साथ ही, इस नई साइट ने डॉ. फाउसी और बाइडेन के ऊपर उठे गए आरोपों के बारे में भी जोर दिया है। यह बात दिलचस्प है कि इस नई वेबसाइट के द्वारा प्रस्तुत किए गए दावे पर कितनी सच्चाई है और क्या यह एक नया सियासी खेल है, इसका हवाला की जा रहा है। इस विवाद से जुड़े सभी पक्षों की बयानबाज़ी तेजी से चल रही है और यह दिखता है कि कोरोना के रोग निरोधन के बाद अब राजनीतिक मुद्दों से भी जुड़ी लड़ाई तेज हो रही है।

उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 4 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस महीने की शुरुआत में 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मृत्यु हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए।

रोम में इटली के प्रधानमंत्री गियोरगिया मिलोनी व अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के बीच मुलाकात हुई।

चेतावनी शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने

लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है। हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं,।

अबू सईद की मौत पर सनसनीखेज खुलासा

संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस मौत को पुलिस द्वारा जानबूझकर हत्या बताया गया था, लेकिन हसीना ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस ने केवल रबर बुलेट का इस्तेमाल किया था। सईद की मौत पत्थर से सिर कुचले जाने से हुई थी। लेकिन फिर 7.62 एमएम की असली गोली वहां कैसे पहुंची यह साबित करता है कि यह सब पूर्व नियोजित साजिश थी। हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि जब इस हत्या की जांच शुरू हुई, तब यूनुस ने संबंधित अधिकारी को पद से हटा दिया। उन्होंने मांग की कि अबू सईद के शव का दोबारा परीक्षण किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असली दोषियों को इनाम मिल रहा है और निर्दोषों को सजा दी जा रही है। जो पुलिसवाले हिंसा में घायल हुए, उन्हें भुला दिया गया और हिंसा करने वालों को मुआवजा दिया गया।

आज रोम में होगी ईरान और अमेरिका की न्यूक्लियर डील पर बात

ईरानी विदेश में कहा था- हमें अमेरिका पर भरोसा नहीं, फिर भी करेंगे बात

रोम। अमेरिका और ईरान के बीच आज यानी शनिवार को इटली की राजधानी रोम में न्यूक्लियर डील पर बात होने वाली है। यह बातचीत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची के बीच होगी। दोनों के बीच डील पर बातचीत का यह दूसरा दौर है। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अराकची ने गुरुवार को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका पर भरोसा नहीं है लेकिन फिर भी बातचीत करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच 12 अप्रैल को दोनों देशों के ओमान में बीच पहली बातचीत हुई थी। इसकी मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी ने की थी। यह दोनों देशों में एक दशक के बाद न्यूक्लियर डील पर होने वाली पहली बातचीत थी। डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ने पर धमकी दे चुके हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के मुताबिक ट्रम्प की प्राथमिकता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं।

ताकि मानसिक गुलाम न बनें

दुनिया का सबसे खूबसूरत शब्दों में से एक है आज़ादी। जब से होश संभाला है, इस शब्द ने बहुत प्रभावित किया है। स्कूल के दिनों में अक्सर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाषण देने का मौका मिलता था, शायद उस समय इस शब्द की खूबसूरती को इतनी गहराई से नहीं समझ पाए थे। तब तो अच्छे-अच्छे शब्दों को वीर-रस का चासनी में घोलकर बोलने में बड़ा मजा आता था।

एक वाकया याद आ रहा है। शायद मैं 6-7 साल का था। हमारे गांव के बगल में एक गांव है मधवापुर। वहीं पर एक मॉटेशरी स्कूल खुला था। जिसका नाम था सरस्वती शिशु सदन। मेरे बड़े भैया उसमें पढ़ाते थे और मेरा नाम भी उसी स्कूल में लिखवा दिया गया था। वैसे बचपन में मुझे पढ़ने में बहुत ज्यादा मन लगता नहीं था लेकिन बातूनी तो था ही। मेरा एडमिशन जून-जुलाई में हुआ था और अगले महीने ही 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस। मॉटेशरी स्कूल भी नया-नया ही खुला था, सो वहां के शिक्षक अपने यहां पढने वाले बच्चों को अंग्रेजी में भाषण की तैयारी कराने लगे। अंग्रेजी में भाषण बोलने वालों की सूची में मुझे भी रखा गया। ऑनरेबल प्रेसिडेंट, टीचर एंड माई डियर ब्रदर्स एंड सिस्टस...टूडे इज इंडीपेंडेंस डे...इस तरह की 10-15 पंक्तियों का भाषण मुझे याद करना था। 15 दिनों की तैयारी के बाद मैंने अपना भाषण पूरी तरह तैयार कर लिया। अंग्रेजी में भाषण देने वालों की सूची में से मैं ही भाषण याद कर पाया था बाकी किसी का भाषण ठीक से तैयार नहीं हुआ था। 15 अगस्त को सरस्वती शिशु सदन के प्रागण में झंडातोलन हुआ। और शुरू हुआ भाषण एवं गीत-संगीत का दौर। मेरा भी नंबर आया। मैं निडरता पूर्वक अपना रटा-रटाया भाषण वह भी माइक के माध्यम से जाकर सुना आया। भाषण खत्म होने के बाद सभी बच्चों के साथ आस-पास के दो-तीन गांवों में बच्चों से प्रभातफेरी कराई गई। अंग्रेजी में भाषण देने के कारण उस दिन मैं आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बन चुका था। जहां भी जाता था, कोई न कोई मुझसे मेरा भाषण सुनाने को कहता। और मैं भी बहुत ही आनंद के साथ तोते की तरह अपना रटा-रटाया भाषण सुना देता।

समय बितता गया। प्रत्येक साल 15 अगस्त, 26 जनवरी को मैं अपना विशेष भाषण तैयार करता और जबतक स्कूल में रहा हमेशा भाषण में

प्रथम स्थान प्राप्त किया। बचपन में दिए गए भाषण में कही कई अपनी बातों को जब वर्तमान में तर्क की कसौटी पर कसता हूं तो लगता है कि आज़ादी अभी भी कोसो दूर है। हम भौगोलिक रूप से आज़ाद हुए हैं। मानसिक रूप से अभी भी गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए है। इतना ही नहीं आज हम कुसंस्कारों के गुलाम होते जा रहे हैं। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में हमने अपनी जिंदगी को मशीन बना लिया है। शारीरिक श्रम से हमारा नाता टूट-सा गया है। जिसका परिणाम है कि हम लगातार बीमारियों के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं।

देश में बढ़ते अग्निकांड राख होते आशियाने, अग्निकांडों को रोकना होगा?

▪ नरेन्द्र भारती

बेशक प्रतिवर्ष देश में 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह मनाया जा रहा हैद्य अग्निशमन सप्ताह पर लोगों को जागरूक किया जाता हैद्य सेमिनार लगाए जाते हैं और रैलियों का आयोजन किया जाता है लाखों रुपये खर्च किये जाते हैंद्य आगजनी की घटनाओं में लोगों की लापरवाही के कारण वृद्धि हो रही हैद्य प्रतिवर्ष लोग आगजनी में जान गंवा रहे हैं जिन्दा जल रहे हैं....

सतर्कता बरती जाये तो इन अग्निकांडो को रोका जा सकता हैद्य देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताज़ा दर्दनाक अग्निकांड 2 फ़रवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफ़ी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिएद्य2019 में राजघानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्थित अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे ।एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी ।यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी।आग लगने का कारण शार्टसर्किट था । भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है।पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी ।लाशों के ढेर लग गए थे ।चीखो पुकार मच गई थी ।मजदूर खाक ह गए थे । कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।2025 के चार महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है।लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था।आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके।दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में

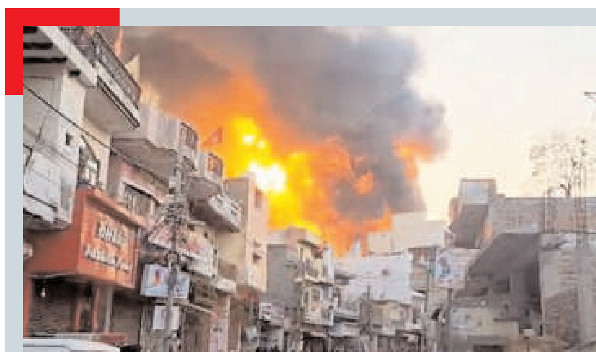

दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। ।बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाऊसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुट्टी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे।

राजकाज

योगी बाबा और हरिशंकर तिवारी में ठनी, हाता बनाम मठ

पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाबा आदित्यनाथ और हरिशंकर तिवारी के बीच में हाता बनाम मठ की लड़ाई चरम पर पहुंच गई है।दबंग ब्राह्मण नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय तिवारी को ईडी के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। बैंक कर्ज के मामले में ईड़ी ने यह कार्रवाई की है। हरिशंकर तिवारी और योगी आदित्यनाथ के बीच में बहुत पहले से ही प्रतिस्पर्धा है। बाबा इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। राजपूत बनाम ब्राह्मण का नया खेल पूर्वी उत्तर प्रदेश में शुरू हो गया है। हरिशंकर तिवारी इस समय अखिलेश तिवारी के साथ हैं। जिसके कारण योगी आदित्यनाथ की निशाने पर हैं।उत्तर प्रदेश में दलित और ब्राह्मणों के बीच एक नया सद्भाव देखने को मिल रहा है। राजपूत बाहुबलियों से पंडित और दलित दोनों नाराज हैं।पूर्वी उत्तर प्रदेश में नए जातीय समीकरण देखने को मिल रहे हैं।

शिवराज मामा को मिलेगा बिहार का जिम्मा

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में दो विभागों के केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को जल्द ही बिहार का प्रभार मिलने जा रहा है।अभी उनके पास झारखंड का प्रभार है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले उन्हें बिहार का प्रभारी बनाया जा सकता है। उनकी गतिविधियां बिहार में बढ़ गई हैं। शिवराज मामा की चर्चा इन दिनों बड़े पैमाने पर हो रही है। उनका नाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी चल रहा है। बिहार में गैर यादव पिछड़े समाज को एकजुट करने की जिम्मेदारी भाजपा शिवराज को देने जा रही है। ऐसी चर्चा दिल्ली के राजनीतिक हल्कों में है।

तमिलनाडु में पिता-पुत्र के बीच विवाद

भारत की राजनीति में चाचा-भतीजे, भाई-बहन भाइयों के बीच तरह-तरह के विवाद देखने को मिलते हैं। तमिलनाडु में पट्टाली मक्कल काटची (पीएमके) के संस्थापक रामदास और उनके बेटे अंबुमणि रामदास के बीच में इन दिनों घमासान छिड़ा हुआ है। बाप बेटे के बीच राजनीतिक विचारधारा और संगठन को लेकर बड़े मतभेद हैं।पीएमके बनियार जाति की पार्टी है। इसके चार विधायक हैं। राज्य में यह पार्टी अभी एनडीए के साथ है।इसके पहले मनमोहन सरकार में अम्बुमणि रामदोस मंत्री रह चुके हैं। इनके पिता 87 साल के हो चुके हैं। इन्होंने अम्बुमणि को पार्टी के पदों से हटा दिया था। स्वयं पार्टी के अध्यक्ष बन गए थे। उसके बाद से दोनों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

बिहार में मोदी की गारंटी नहीं इस बार हिंदू मुसलमान

बिहार विधानसभा का चुनाव अगले 6 महीने में होने जा रहा है। इस मौके पर भाजपा और प्रधानमंत्री ने तय कर लिया है। मोदी की गारंटी पर बिहार का चुनाव नहीं लड़ा जाएगा। पहले दो चुनाव में मोदी जी ने जो गारंटी दी थी। वह पूरी नहीं हुई। बिहार में योजनाओं की नीलामी भी नहीं चलेगी। अब यदि गारंटी की बात होगी तो जनता के घाव में नमक छिड़कने जैसे होगा।

फीचर

बच्चे के व्यवहार को इस प्रकार करें नियंत्रित

वैसे तो हर माता-पिता की चाहत होती है कि वे अपने बच्चों को बेहतरीन परवरिश दें और हर माता-पिता ये कोशिश भी करते हैं फिर भी ज्यादातर माता-पिता बच्चों के व्यवहार और प्रदर्शन से खुश नहीं होते है

उन्हें अक्सर शिकायत करते सुना जा सकता है कि बच्चे ने ऐसा कर दिया बच्चे ने वैसा कर दिया लेकिन इसके लिए काफी हद तक अभिभावक ही जिम्मेदार होते हैं क्योंकि अक्सर किस हालात में क्या कदम उठाना है यह वे स्वयं तय ही नहीं कर पाते है कि किस स्थिति में उन्हें क्या करना चाहिये। जब भी आपका बच्चा स्कूल जाने या पढ़ाई करने से बचे तो आप क्या करते हैं अधिकतर माता-पिता अपने बच्चे पर गुस्सा ही करते हैं कोई-कोई मां कहती हैं कि तुमसे बात नहीं करूंगी और पापा कहते हैं कि बाहर खाने खिलाने नहीं ले जाऊंगा तथा खिलौना खरीदकर नहीं दूंगा और जब यही बच्चा जब थोड़ा बड़ा होता है तो वे उससे कहते हैं कि कंप्यूटर वापस कर और मोबाइल वापस कर या तुम बेकार लड़के हो या तुम बेवकूफ हो तुम अपने भाई-बहन को देखो-वह पढ़ने में कितना अच्छा है और तुम बुद्धू तथा कभी-कभार गुस्से में थप्पड़ भी मार देते हैं। इसकी जगह उनके पीछे होने के कारण जानें।

आखिर हमें क्या करना चाहिए

सबसे पहले हम वजह जानने की कोशिश करें कि आपका बच्चा पढ़ने से क्यों बच रहा है इसकी कई वजहें हो सकती हैं जैसे कि हो सकता है उसका आईक्यू लेवल कम हो सकता है या फिर कोई टीचर नापसंद हो सकता है वह उस वक्त नहीं बाद में पढ़ना चाहता हो आदि कई कारण हो सकते हैं।

बच्चा स्कूल जाने लगे तो उसके साथ बैठकर आप बात करें कि कितने दिन स्कूल जाना है और कितनी देर पढ़ना है। आदि-इससे बच्चे को पता रहेगा कि उसे स्कूल जाना है कोई बहाना नहीं चलेगा और उसे यह भी बताएं कि स्कूल में दोस्त मिलेंगे जो उनके साथ खेलेंगे।

टैरिफ रूपी चक्की में पिसती दुनिया!

वैश्विक स्तरपर भारत में बड़े बुजुर्गों द्वारा कहीगई कहावतें सटीक बैठती है,जो हम भारत में ही नहीं पूरी दुनियाँ में हर बार देखते हैं, महसूस करते रहते हैं।भारत में कहावत है कि दो हाथियों की लड़ाई में तीसरा पक्ष पिसता है, जो सटीक सिद्ध हो रहा है।वैसे तो ट्रंप के टैरिफ दंश ने पूरी दुनियाँ को सांसत में डाल दिया है, परंतु मेरा ऐसा मानना है कि यह टैरिफ एक हथियार का काम करते जा रहा है, यानें जो देश अमेरिका के कहे अनुसार चलेगा उसपर टैरिफ रूपी रस्सी की ढील दी जाएगी, तथा जो उसके अनुसार नहीं चलेगा उसपर टेरिफ़ रूपी रस्सी को फंदा बना दिया जाएगा? इसकी सटीकता का प्रमाण हमें देखने को मिल रहा है कि, चीन हिम्मत दिखाकर 125 परसेंट टैरिफ अमेरिका पर ठोका,तो दूसरे पक्षने मंगलवार देर रात्रि 245 परसेंट टैरिफ की घोषणा कर दी व दूसरे देश पर लगाए गए टैरिफ को फिलहाल 90 दिनों के लिए रोक दिया गया है। यानें चीन इकलौता ऐसा देश होगा जिसपर 245 परसेंट टैरिफ होगा जो पूरी दुनियाँ की सप्लाई चैन को

बाधित कर महंगाई व क्वालिटी को प्रभावित कर सकता है। चूँकि करीब करीब सभी सामान किसी एक देश में निर्मित नहीं होते, यानें उसके पार्ट्स कहीं ना कहीं किसी न किसी देश से बुलाने पड़ते हैं जिसको असेंबल कर वह प्रोडक्ट बनाया जाता है जो मोबाइल से लेकर अनेकों इलेक्ट्रॉनिक सामानों मे देखा जा सकता है, इसलिए सप्लाई चैन का भारी झटका लग सकता है, जिसका प्रभाव महंगाई के रूप में आम जनता को चुकाना पड़ सकता है। दूसरे एंगल से हम देखें तो इस सप्लाई चैन बाधित में अवसर भी देखा जा सकता है, क्योंकि अगर चीन पर भारी टैरिफ लगा है तो दूसरे देश खासकर भारत के लिए अवसर ही साबित हो सकता है क्योंकि चीनी सामानों की आपूर्ति बाधित होने से अमेरिका व सहयोगी देश वह पार्ट्स या समान भारत से मंगा सकते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हो सकता है।चूँकि दो हाथियों की लड़ाई में टेरिफ़ रूपी चक्की में पिसती दुनियाँ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुनियाँ के अखाड़े में दो आर्थिक महारथियों का टैरिफ दंगल,चीन के 125 परसेंट टैरिफ पर अमेरिका ने 245 परसेंट टैरिफ ठोका। साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा चीन पर 245 परसेंट टैरिफ लगाने की करें तो,व्हाइट हाउस के अनुसार, यह कदम चीन की प्रतिशोधात्मक व्यापार नीतियों के जवाब में उठाया गया है।

किशन सनमुखदास भावनानी

इससे पहले, चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 125 पेर्सेंट तक टैरिफ बढ़ाया था, जिसके बाद अमेरिका ने यह प्रतिक्रिया दी है।यह टैरिफ वृद्धि चीन के लिए एक गंभीर आर्थिक चुनौती बन सकती है, क्योंकि इससे चीनी उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।इस कदम को अमेरिका की अमेरिका फर्स्ट व्यापार नीति के तहत देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यापार युद्ध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी असर डाल सकता है, जिससे अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। इस स्थिति में, चीन को अपने व्यापारिक दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है, ताकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव को कम किया जा सके। अमेरिका राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाऊस ने कहा है कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ पर मंगलवार को अलग से दी जानकारी में कहा कि चीन ने बड़े बोइंग सौदे के तहत विमानों को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। ये उन खबरों की पुष्टि करता है जिसमें दावा किया गया था कि चीन ने अपनी विमान कंपनियों से अमेरिका विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की आपूर्ति न लेने को कहा है। ट्रंप ने इस खबर की जानकारी देते हुए चीन जैसे अपने विरोधियों के साथ व्यापार युद्ध में अमेरिका और उसके किसानों की रक्षा करने का संकल्प लिया। व्हाइट हाऊस ने मंगलवार को जारी तथ्य पत्र में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आयातित प्रसंस्कृत महत्वपूर्ण खनिजों तथा उनसे बने उत्पादों पर अमरीकी निर्भरता से उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों की जांच शुरू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसने अमेरिका की शुल्क नीति के खिलाफ जाते हुए जवाबी शुल्क लगाया है। साथियों बात अगर हम आपसी बातचीत कर मामला सुलझाने में दबाव के एंगल से देखें तो, मंगलवार देर शाम को व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, मुक्ति दिवस पर अमेरिका ने उन सभी देशों पर 10 परसेंट टैरिफ लगाया, जो अमेरिका से ज्यादा टैक्स वसूलते हैं, 75 से ज्यादा देशों ने नए व्यापार सौदे पर बातचीत करने के लिए अमेरिका के साथ संपर्क किया, इसलिए इन पर लगाए गए टैरिफ को फिलहाल रोक दिया गया, सिवाय चीन के, जिसने जवाबी कार्रवाई की, इसी जवाबी कार्रवाई के नतीजे के रूप में अमेरिका में चीनी सामानों के आयात पर 245 परसेंट टैरिफ लगाया जा रहा है, इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के साथ व्यापार समझौता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन बीजिंग को पहले कदम उठाना चाहिए। ट्रंप के बातचीत वाले बयान के बाद चीन ने अमरीका के साथ शुल्क को लेकर जारी विवाद के बीच नया शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ताकार बुधवार को नियुक्त किया। अमेरिका के राष्ट्रपति के उस बयान के बाद यह कदम उठाया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि शुल्क गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है।

प्रेरणा

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते।

अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर

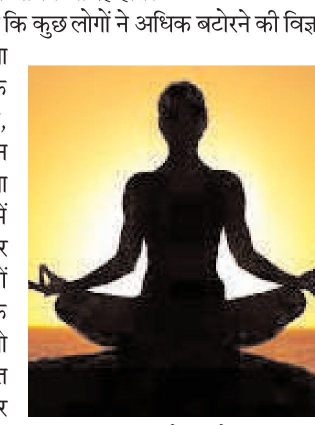

समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है।

अपनी बात

चिराग पासवान ने कहा कि वह ज्यादा समय में केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते और उनको बिहार बुला रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चिराग पासवान का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण है। बता दें कि चिराग पासवान लगातार 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का अभियान चलाते रहे हैं ऐसे में अब सवाल उठने लगा है कि क्या चिराग पासवान बिहार चुनाव में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं?

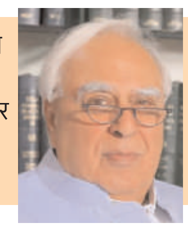

कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि धनखड़ को यह मालूम होना चाहिए कि राज्यपाल और राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह-मशविरा के मुताबिक काम करते हैं। यह उपराष्ट्रपति धनखड़ जी को पता होना चाहिए, वह पूछते हैं कि राष्ट्रपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है? मैं कहता हूं कि एक मंत्री को राज्यपाल के पास जाना चाहिए और दो साल तक वहां रहना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

तेजी व लापरवाही से चल रही बस ने मारी टक्कर, बाइक सवार घायल

गुना। जिले के धरनावदा थानांतर्गत एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार व्यक्ति घायल हो गया। रूठियाई बायपास पर हुई, जहां एक बस चालक ने तेजी व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रमाकांत भार्गव पुत्र संतोष कुमार भार्गव निवासी वार्ड नंबर 4 तहसील के पीछे राघौगढ़ निवासी अपनी मोटरसाइकिल एमपी 08-1040 से रूठियाई से राघौगढ़ जा रहे थे। जैसे ही वे रूठियाई बायपास पर पहुंचे, उन्होंने सड़क किनारे अपनी बाइक खड़ी कर यातायात के गुजरने का इंतजार करने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रही बस क्रमांक एमपी 08-0295 के चालक ने तेज व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस टक्कर से रमाकांत भार्गव नीचे गिर गए और घायल हो गए। इसके साथ ही उनकी मोटरसाइकिल के पिछले हिस्से में भी नुकसान हुआ है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर धारा 281, 125-ए बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

सट्टा पर्ची काटते युवक को रंगेहाथ पकड़ा

गुना। जिले के थाना फतेहगढ़ पुलिस ने सट्टा पर्ची काटते हुए एक युवक को रंगेहाथ पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फतेहगढ़ के शासकीय अस्पताल के समीप एक व्यक्ति सट्टा गतिविधियों में लिप्त है। इस दौरान पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दीपक बैरागी पुत्र नरोत्तम बैरागी निवासी फतेहगढ़ को रंगेहाथों पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से अंक लिखी हुई 4 सट्टा पर्चियां, एक नीले रंग की लीड पेन और 1200 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 4(क) ध्रुत क्रीड़ा अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

आबकारी विभाग की छापेमारी, 49 हजार की अवैध शराब और लाहन जब्त

गुना। जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आबकारी विभाग की मुहिम लगातार जारी है। इसी कड़ी में चांचौड़ा क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 49 हजार रुपये की अवैध मदिरा और लाहन जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आबकारी वृत्त चांचौड़ा के प्रभारी एलआर करोसिया ने अपनी टीम के साथ ग्राम काकरिया, टोंड़ी रोड बीनागंज और सानई के टपरा क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(ए) और 34(1)(एफ) के तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किए गए। मौके से 20 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब और 600 किलोग्राम गुड़ लाहन जब्त किया गया। चूंकि भारी मात्रा में लाहन को मौके से लाना संभव नहीं था, इसलिए टीम ने नियमानुसार सेंपल लेने के बाद शेष लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 49 हजार रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक रामहेत सिंह कुशवाह, आरक्षक राजेन्द्र कुमार पांडेय, दिनेश कुमार राठौर और महिला आरक्षक जे.मा. एक्का ने सक्रिय भूमिका निभाई।

तेज धूप में तपते श्रद्धालु, टेकरी सरकार मंदिर में व्यवस्थाओं का अभाव

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में अप्रैल माह की चिलचिलाती गर्मी ने लोगों का जीवन बेहाल कर दिया है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, लेकिन इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिख रही। लोग तपती दोपहर में भी टेकरी सरकार के दर्शन करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मगर अफसोस की बात यह है कि टे करी मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए जरूरी इंतजाम अब तक नहीं किए गए हैं। दरअसल टेकरी सरकार मंदिर में दर्शन के लिए चढ़ाई वाले रास्तों पर सीढ़ियों की लंबी कतारें हैं। गर्मी के मौसम में ये सीढ़ियां आग जैसी तपती हैं, जिन पर नंगे पैर चढ़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। मंदिर प्रबंधन द्वारा सीढ़ियों पर कार्पेट या किसी प्रकार की गर्मी से राहत देने वाली व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को असहनीय गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ श्रद्धालु ऐसे भी हैं जो मंदिर के टीन शेड वाले जीनों से होकर अंदर प्रवेश करते हैं। टीन शेड धूप में और भी ज्यादा गर्म हो जाते हैं, जिससे इन रास्तों से गुजरना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। श्रद्धालुओं के पैर जलते हैं और कई बार बच्चे व बुजुर्ग गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं। इसके बावजूद मंदिर ट्रस्ट द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। भक्तों का कहना है कि हर साल गर्मी के इस मौसम में ऐसी ही स्थिति बनती है, लेकिन ट्रस्ट द्वारा न तो सीढ़ियों पर कार्पेट बिछाए जाते हैं और न ही दर्शन के समय में बदलाव किया जाता है। यदि सुबह और शाम के समय दर्शन का समय बढ़ाया जाए तो दोपहर की तीखी गर्मी से भक्तों को राहत मिल सकती है। जनता की ओर से यह मांग उठ रही है कि टेकरी सरकार मंदिर में गर्मी के दिनों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएं। सीढ़ियों पर मोटा कार्पेट या ग्रीन नेट डाली जाए, टीन शेड के स्थान पर थर्मल इंसुलेटेड छावनी लगाई जाए और दर्शन का समय सुबह जल्दी व शाम को देर तक रखा जाए, ताकि लोग आराम से दर्शन कर सकें। श्रद्धालुओं की आस्था के इस केंद्र पर व्यवस्था की इस उपेक्षा ने प्रशासन और ट्रस्ट की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत है कि टेकरी सरकार मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए जाएं।

बंगाल में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन

ज्ञापन सौंपकर की राष्ट्रपति शासन की मांग

सत्ता सुधार ■ गुना

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे लगातार हमलों, हिंसा और अत्याचारों के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने संयुक्त रूप से कलेक्टर कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन किया।
प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल को हिंसा की आग में झोंका जा रहा है और खासकर हिंदू समाज को निशाना बनाया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि मुस्लिम कट्टरपंथी भीड़ द्वारा 11 अप्रैल को मुर्शिदाबाद में हिंदू समुदाय पर योजनाबद्ध हमला किया गया। इस हमले में 200 से अधिक घर और दुकानें लूटकर जला दी गई, सैकड़ों हिंदुओं को घायल किया गया, तीन लोगों की हत्या कर दी गई और कई महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ। इसके चलते लगभग 500 हिंदू परिवारों को पलायन करना पड़ा। ज्ञापन में ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया कि राज्य सरकार हिंसक तत्वों को खुली छूट दे रही है और दंगाइयों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन प्रदान कर रही है। साथ ही, यह भी उल्लेख किया गया कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को राज्य में शरण दी जा रही है और उनकी पहचान के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। विहिप और बजरंग दल ने ज्ञापन में मांग की कि पश्चिम बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। वही बंगाल में हुई हिंसा की न्यायिक जांच एसआईटी से करवाई जाए और दोषियों को कठोर सजा दी जाए। राज्य की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय बलों के हाथों में सौंपा जाए। इसके अलावा बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकाला जाए। साथ ही, भारत-बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी का कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बंगाल में हिंदुओं की स्थिति अत्यंत गंभीर होती जा रही है। प्रशासनिक तंत्र दंगाइयों के दबाव में काम कर रहा है और आम हिंदू नागरिक असहाय महसूस कर रहा है।

प्रभारी मंत्री राजपूत ने शुभोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र बीनागंज पहुंच आदिबाबा के किए दर्शन

सत्ता सुधार ■ गुना

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने गुना जिले के दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान शुभोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र बीनागंज पहुंच शुभोदय पर विराजमान भगवान आदिबाबा के चरणों में श्री फल चढ़ाया और भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, चांचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन, जिला उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने अतिशय क्षेत्र पहुंच भगवान आदिबाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसी के साथ ही जैन समाज का विनागंज में बनने जा रहा मध्यप्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा तीर्थ में अपनी सहभागिता करते हुए सभी अतिथियों ने आदिबाबा के सम्मुख मंदिर निर्माण के लिए शिला विराजमान की और उन्होंने पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया और तीर्थ क्षेत्र कमेटी से क्षेत्र संबंधित जानकारी प्राप्त की।

चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर त्रिमूर्ति कॉलोनी का 30वां स्थापना दिवस समारोह 21-22 अप्रैल को

गुना। त्रिमूर्ति कॉलोनी स्थित श्रीचन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में इस वर्ष मंदिर के 30 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। यह आयोजन 21 और 22 अप्रैल को आयोजित होगा। इस अवसर पर आचार्यश्री समयसागर महाराज के आशीर्वाद एवं आर्यिका मां प्रशममति माताजी एवं उपशममति माताजी के सानिध्य में मंगल प्रवचन भी होंगे। समारोह के प्रथम दिन 21 अप्रैल को प्रातः 6-30 बजे सामूहिक अभिषेक एवं पूजन होगा। इसके पश्चात श्री बड़े मंदिर जी से चल समारोह के साथ आचार्यश्री के चरण त्रिमूर्ति मंदिर की ओर विहार करेंगे। इसके उपरांत माताजी के प्रवचन एवं अखण्ड भक्तामर स्तोत्र पाठ का प्रारंभ होगा। द्वितीय दिवस 22 अप्रैल को प्रातः 7 बजे मूलनायक भगवान श्री चन्द्रप्रभु का महामस्तकाभिषेक, भक्तामर विधान एवं माताजी के प्रवचन होंगे। इसी दिन रात्रि 7-30 बजे आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने गेल व एनएफएल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

औद्योगिक विकास के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गुना। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा जिला मुख्यालय पर गेल एवं एनएफएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, एसडीएम राघौगढ़ विकास आनंद सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गेल आरके सिंह, डीजीएम एचआर विष्णुप्रसाद सेनापति, सीजीएम व्ही.के. गुप्ता, सीजीएम (ओ एंड एम) राकेश गंडोत्रा, डीजीएम एचआर डी.एस. तोमर सहित संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में गेल के कार्यकारी निदेशक द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिले में गैस पाइपलाइन परियोजना पर कार्य प्रगति पर है तथा आगामी समय में सौर ऊर्जा परियोजना के क्रियान्वयन की योजना भी बनाई जा रही है। वहीं एनएफएल के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि संयंत्र में दो बड़े यूरिया उत्पादन इकाइयां कार्यरत हैं तथा एक अतिरिक्त यूनिट स्थापित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में औद्योगिक विकास के लिए तीन बुनियादी आवश्यकताएं होती हैं । जिसमें हवाई कनेक्टिविटी, सड़कों की गुणवत्ता एवं प्रभावी कानून व्यवस्था शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश इन तीनों आवश्यकताओं को पूर्ण करता है, जिससे यह राज्य औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य बनता है।

स्कॉलरशिप परीक्षा में पांच छात्रों का चयन

गुना। एकीकृत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैंट की पांच छात्रों का राष्ट्रीय मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में चयन हुआ है। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षक जितेंद्र रघुवंशी ने बताया कि विद्यालय के आदेश लोधा, विशाल बरेला, विकास जाटव, भागीरथ सहरिया एवं सचिन भील ने इस परीक्षा में सफलता पाई है। यह परीक्षा जनवरी 2025 में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा की तैयारी विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सीमा शर्मा की मार्गदर्शन में माध्यमिक विभाग में पदस्थ सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने विशेष कक्षाएं लगाकर छात्रों की तैयारी कराई।

रविवार को यहां रहेगी बिजली गुल

गुना। मेंटीनेंस के चलते रविवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली गुल रहेगी। प्रबंधक कैंट जोन विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी गोपालपुरा फीडर पर मेंटनेंस कार्य होने से दिनांक 20 अप्रैल 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, ललितपुर

पत्रांक – 707 /12ए0 दिनांक – 15.04.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, ललितपुर द्वारा लो0नि0वि0 में सुसंगत श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से सुसंगत कार्य हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे आई0टी0बी0 के क्लॉज–4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु बिडर्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें :–

2.

क्र० सं०	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (लाख रु० में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य सभी करों सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
1	ललितपुर	वित्तीय वर्ष 2025–26 में सडक सुरक्षा के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता–प्रथम के अधीन मार्गो पर रोड़ सेफ्टी एवं साईनेज का कार्य।	10.00	1.00	रू0 944.00	10 माह
2	ललितपुर	वित्तीय वर्ष 2025–26 में सडक सुरक्षा के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता–द्वितीय के अधीन मार्गो पर रोड़ सेफ्टी एवं साईनेज का कार्य।	10.00	1.00	रू0 944.00	10 माह
3	ललितपुर	वित्तीय वर्ष 2025–26 में सडक सुरक्षा के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता–तृतीय के अधीन मार्गो पर रोड़ सेफ्टी एवं साईनेज का कार्य।	10.00	1.00	रू0 944.00	10 माह

3. बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http:/etender.up.nic.in पर दिनांक 22.04.2025 से 29.04.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 29.04.2025 को समय 12:00 अपरान्ह् तक अपलोड किये जा सकते हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 29.04.2025 को समय 12:30 अपरान्ह् बजे खोली जायेगी।

4. निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेबसाइट http:/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी सॉफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की URL www.uppwd.gov.in/prahari है।

Sl. No.	DISTRICT	Name of Work	cost (Rs.in Lac)	Bid Security (Rs.in Lacs)	Cost of tender inclusive all taxes with stationery (in Rs.)	Period of Completion work in inclusive rainy season
1	2	3	4	5	6	7

(इं0 विजय चन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, ललितपुर

RO NO 232622
RO DATE 17-04-2025
यह विज्ञापन बेवसाईट- www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
झांसी वृत्त, लो0नि0वि0, झांसी

पत्रांक :– 2921/44सी0–झां0वृ0/25–26 दिनांकः– 04.04.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, झांसी वृत्त, लो0नि0वि0, झांसी द्वारा सुसंगत श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से सुसंगत कार्य हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे आई0टी0बी0 की क्लाज–4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु बिडर्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	7	8
1.	ललितपुर	जनपद ललितपुर में छायन कुम्हैड़ी अंजनी माता मंदिर मार्ग के किमी0 1 से 6 (300) तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	रु0 1015.00	रु0 20.30	रु0 6250.00 (जी0एस0टी0 सहित)	12 माह

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक–22.04.2025 से 29.04.2025 (अपरान्ह 12:00 बजे) तक उपलब्ध हैं जोकि वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं, भरे हुए बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन उक्त वेबसाइट पर दिनांक 22.04.2025 को अपरान्ह 12.00 तक अपलोड किये जा सकते हैं। तकनीकी बिड दिनांक 29.04.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो ऑन लाइन उपलब्ध रहेगा तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहें।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी सॉफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की www.uppwd.gov.in/prahari. है।

(इं0 विजय चन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
ललितपुर

(इं0 संजीव कुमार)
अधीक्षण अभियंता
झांसी वृत्त, लो0नि0वि0,
झांसी

RO NO 232599
RO DATE 17-04-2025
यह विज्ञापन बेवसाईट- www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कांग्रेस ने सौंपा आक्रोशित ज्ञापन

गूंज उठा राघौगढ़...प्रभारी मंत्री से इंसाफ की चीख, विकास की पुकार

सत्ता सुधार ■ राघौगढ़

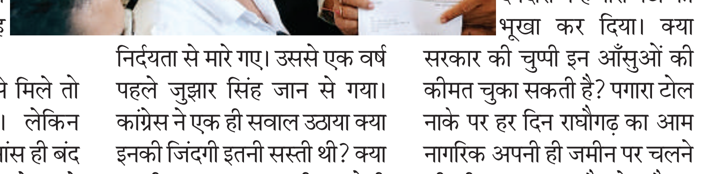

सिसकते गांव, सूखते आंसू, टूटी उम्मीदें और लहूलुहान इंसाफ। राघौगढ़ की धरती और जनता आज चुप नहीं रही। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में उठी एक आवाज ने उन घावों को शब्द दिए, जिन्हें सत्ता अब तक अनसुना करती रही है। प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत जब राघौगढ़ पहुंचे तो ब्लॉक कांग्रेस ने राघौगढ़ के जनमानस में उठ रही पुकार को लिखित में ज्ञापन देकर उन्हें सौंपा। श्रीराम यादव एक पूर्व सरपंच, एक सम्मानित ग्रामीण। जिन्हें एक आपराधिक प्रकरण में झूठा फसाया गया है, आरोप है, लेकिन सच्चाई? यह है कि वह राजनीति का शिकार है। यह एक इंसान की नहीं पूरे परिवार की आबरू पर हमला है। मांग की गई कि निष्पक्ष न्यायिक जांच हो ताकि निर्दोष पर लगे दाग धुल सकें और न्याय केवल किताबों की बात न रह जाए।

कहते हैं न्याय देर से मिले तो वह अन्याय होता है। लेकिन राघौगढ़ में तो न्याय की सांस ही बंद हो चुकी है। बकरी चराने वाले गरीब पिता और पुत्र एक साथ निर्दयता से मारे गए। उससे एक वर्ष पहले जुझार सिंह जान से गया। कांग्रेस ने एक ही सवाल उठाया क्या इनकी जिंदगी इतनी सस्ती थी? क्या इनकी हत्या व्यवस्था की खामोशी की कीमत बन गई?

नारायणपुरा शक्कर कारखाना जहां कभी चिमनियों से धुआं निकलता था, आज वीरान पड़ा है। खेतों से गन्ना कटना बंद हो गया, मजदूरों के हाथ खाली हैं। केवल 5 करोड़ की देनदारी ने हजारों पेटों को भूखा कर दिया। क्या सरकार की चुप्पी इन आँसुओं की कीमत चुका सकती है? पगारा टोल नाके पर हर दिन राघौगढ़ का आम नागरिक अपनी ही जमीन पर चलने की कीमत चुका रहा है। टोल टैक्स एक बोझ नहीं, एक ताना बन चुका है। कांग्रेस की मांग साफ थी स्थानीय जनता को उसका अधिकार मिले, न कि प्रतिदिन अपमान। लाड़ली बहना योजना जिसका नाम सुनते ही आंखों में उम्मीद जगती है वह भी अधूरी है। नई नवविवाहिताएं इससे बाहर हैं। मांग की गई कि हर बहन को समान सम्मान मिले 3000 रुपए की राशि हो और किसी को भी इस प्यार से वंचित न किया जाए। पीपलखेड़ी चौराहे पर खामोश खड़ी है त्रिपाल में ढकी टंट्या मामा की प्रतिमा। वो जिसने अंग्रेजों से लड़कर शहादत दी, उसका अनावरण आज तक अधूरा है।

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

सुखद अहसास कराता है

गुरुदेव का शांति निकेतन

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है।

शांतिनिकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं।

तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं।

बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है।

वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं। शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है। शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

सूर्य के काल्पनिक रथ जैसा

कोणार्क सूर्य मंदिर

कोणार्क भुवनेश्वर से पैंसठ किलोमीटर दूर है। यह विश्वविख्यात सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। कोणार्क में सूर्य मंदिर की शिल्पकला देखते ही बनती है। इसके अलावा रेतीले समुद्री तट की मनोहारी खूबसूरती भी देखने लायक है। यहां तैराकी का आनंद भी लिया जा सकता है। सूर्य मंदिर ओडिशा की परंपरागत स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। इसकी शिल्पकला पर्यटकों को आकर्षित करती है। कोणार्क भ्रमण का कार्यर म भुवनेश्वर यात्रा के दौरान ही बनाया जा सकता है।

भुवनेश्वर और पुरी से यहां के लिए सीधी बस सेवाएं हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से भ्रमण की भी व्यवस्था है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

सूर्य मंदिर- 9वीं शताब्दी में केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलता दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों, सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों को इसकी परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। यह मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

समुद्र तट- कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है।

संग्रहालय- यह सूर्य मंदिर के निकट ही स्थित है। यहां कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह है जोकि दर्शनीय होने के साथ ही ज्ञानवर्धक भी है।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है।

करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गई सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साई पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

शमशान घाट पहुंच मार्ग जोखिम पूर्ण, वायदा कर जन समस्या को भूल गये जनप्रतिनिधि

सत्ता सुधार ■ हरदा

ग्राम पंचायत धौलपुर अंतर्गत शमशान घाट पहुंच मार्ग बनाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। पंड़ित संजय दुबे का कहना है कि बरसात के दौरान आवागमन में होने वाली परेशानियों के मद्देनजर लंबे समय से आवेदन, निवेदन, मांग, विरोध, शिकायत की जा रही है। इसके बाद भी शमशान घाट पहुंच मार्ग बनाने की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पंच के साथ सरपंच और सचिव समेत अन्य जवाबदेह जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा इस ज्वलंत समस्या की घोर अनदेखी की जा रही है इस मार्ग पर आगमन के दौरान छोटी बड़ी सड़क दुर्घटनाएं भी हो चुकी है इसके बाद भी मांग की घोर अनदेखी की जा रही है।

मार्ग बनाने में रुचि नहीं ले रहे अधिकारी: शमशान घाट पहुंच मार्ग बनाने में अधिकारी क्यों रुचि नहीं ले रहे हैं इसके पीछे कारण क्या है यह जांच का विषय बन

गया है इस मार्ग से सभी वर्ग के लोगों का आना-जाना होता है ऐसे समय में होता है जिस समय काफी संकट मुसीबत का शरण होता है ऐसे समय में बड़ी मुश्किल से अंतिम संस्कार के मौके पर पहुंच पाते हैं इस दौरान मार्ग पर यात्रा करना जोखिम पूर्ण होता है प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कोसते हुए व्यास करते हैं और बाद में भूल जाते हैं।

चुनाव के दौरान मिलता है आश्वासन: विधान सभा टिमरनी में चुनाव का समय जब आता है तब उम्मीदवारों द्वारा आश्वासन दिया जाता है कि चुनाव जीत जाने के पर प्राथमिकता के आधार पर इस मार्ग को बनवाएंगे। चुनाव बीत जाने के बाद आश्वासन और वायदे दोनों भूल जाते हैं। उस गली मोहल्ले और उन घरों तक पहुंचने का समय नहीं मिल पाता है। जहां हाथ जोड़कर और पैर छूकर वोट मांगते हैं। ऐसे सिलसिला पिछले कई पंच वर्षीय से चल रहा है। इस अंतराल में न जाने कितने पंच-सरपंच और विधायक हुए सभी ने इस ज्वलंत मुद्दे को नजरांदाज करके लोगों की आशा उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

स्कूल नहीं पहुंच पाते बच्चे: शमशान घाट पहुंच मार्ग से करीब 25 से 30 परिवार का आवागमन जुड़ा हुआ है। गांव की बस्तियों से बदतर स्थिति है। बरसात में जान जोखिम में डालकर लोग काम करने व गंतव्य स्थान तक जाते हैं। पढ़ने वाले बच्चे तो स्कूल जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। जान लेवा गड्डे, कीचड़ और गड्ढ़ों में भरा पानी देखकर स्कूली बच्चे हिम्मत छोड़ देते हैं । तैयार होकर घर से निकल जाते हैं और मार्ग को देखकर वापस आ जाते हैं। पढ़ाई का नुकसान होता है। इस समस्या को देखते-सुनते हैं। संबंधि स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षक इस समस्या से परेशान है। स्कूल में बच्चों की उपस्थिति कम रहती है। विभाग द्वारा उपस्थिति बढ़ाने का दबाव बनाया जाता है किंतु मार्ग की समस्या के कारण तमाम के बाद भी उपस्थिति नहीं बढ़ पाती है।

नवागत कलेक्टर से भ्रमण की मांग: स्थानीय लोगों ने जिले के संवेदनशील नवागत कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से शमशान घाट पहुंच मार्ग का अवलोकन कर स्थिति को देखने और प्रभावित परिवारों की समस्या को देखने-सुनने की मांग की है। लोगों का दावा है कि शमशान घाट पहुंच मार्ग से कोई भी एक बार गुजर जायेगा तो निश्चित रूप से सब कुछ देखने मात्र से स्पष्ट हो जायेगा । मार्ग की दयनीय स्थिति सब कुछ बयां कर रही है और सबके कर्तव्य निष्ठा और जिम्मेदारी की पोल खोल रही है।

क्या कहते जनप्रतिनिधी -

धौलपुर कलॉ मुक्तिधाम के लिए मार्ग नहीं होने के कारण आवागमन में दिक्कत होती है। बरसात के दौरान बच्चे स्कूल भी नहीं जा पा रहे है। मार्ग बनाने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है, यह मार्ग नहीं बन पा रहा है बेहद चिंताजनक है।

रेखा बड़ोदिया, जिला पंचायत सदस्य, सभापति सहकारिता एवं उद्योग विभाग, वार्ड क्रमांक 3, टिमरनी।

धौलपुर से गंजाल नदी तक 3 किलोमीटर लंबे शमशान घाट पहुंच मार्ग के निर्माण के संबंध में माननीय तहसीलदार, जिला कलेक्टर और कमिश्नर महोदय को इस संबंध में अवगत कराकर इस्टीमेट जनपद पंचायत से भेज दिया गया है। मंजूरी मिलने के बाद मार्ग निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। 3 वर्षों से लगातार इस संबंध में प्रयास जारी है बच्चों को आवागमन में दिक्कत होती है। इस संबंध में अवगत करा दिया गया है मंजूरी मिलने के बाद शमशान घाट पहुंच मार्ग को प्राथमिकता और प्रमुखता से पूर्ण कराया जायेगा ।

रामविलास तोमर, सचिव, ग्राम पंचायत, धौलपुर, टिमरनी।

ब्रीफ न्यूज

टंकी बने दो साल हो गये लेकिन नहीं जोडा कनेक्शन

हरदा। ग्राम रहटा खुर्द में पानी की टंकी बने दो साल हो गया लेकिन आज तक कनेक्शन नहीं जोडा जिससे ग्रामीण जनता में असंतोष बढ़ रहा है। हरदा जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लापरवाही का खमियाजा जनता भुगत रही है। पूर्व में जिलाधिकारी आदित्य सिंह ने भी काफी नाराजगी जताई थी। दो ठेकेदार को हिदायत भी दी लेकिन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी ओर ठेकेदार की लापरवाही का खमियाजा ग्रामीण जनता भुगत रही। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की हठधर्मिता कहे या ठेकेदार की हठधर्मिता से लाखों रुपये ठेकेदार को भुगतना होने के बाद भी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं । शासन ने ठेकेदार को भुगतान कर दिया ओर ग्रामीण जनता परेशान हैं मुख्यमंत्री नल जल योजना की दुहाई दे रहे हैं ओर धरातल पर उनके अधिकारी जनता की शिकायत की अनदेखी कर रहे हैं। जगह-जगह पाईप डालने के लिए नियम विरुद्ध सड़कों को गढ्ढों में तब्दील कर दिया गया। डी एस चौहान का कहना है कि जिले में नल जल योजना ओर उसके टंकी निमार्ण को लेकर लगातार जनता में असंतोष बढ रहा है जिसकी जांच विभाग से हटकर की जाना चाहिए सच्चाई का पदार्फाश हो सके।

आज वीर शिवाजी महाराज की वीरता पर व्याख्यान

हरदा। स्थानीय नगर पालिका हरदा के सभागृह में अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई हरदा द्वारा वीर शिवाजी महाराज के जीवन पर एवं उनकी वीरता पर एक व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा हैं। जो 20 अप्रेल रविवार को शाम 4.30 बजे से 6 बजे तक होगा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष कपिल दुबे ने बताया कि जिसमें मुख्यवक्ता आशुतोष शर्मा प्रांतीय महामंत्री द्वारा शिवाजी महाराज की वीरता को वर्णित किया जायेगा और जन-जन को इससे अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ प्रभुशंकर शुक्ल करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऋषि मिश्रा राष्ट्रीय महामंत्री, सारस्वत अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेड़िया व विशिष्ट अतिथि राकेश सक्सेना संभागीय सह संयोजक उपस्थित रहेंगे। लोमेश कुमार गौर जिला इकाई गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील करता हैं।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम 28 अप्रैल को होगा

हरदा। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम 28 अप्रैल को आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 अप्रैल को समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में सी.एम. हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं एवं समाधान एक दिवस के विषयों की समीक्षा करेंगे।

स्कूलों में 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाएगा

हरदा। जिले की शालाओं में 22 अप्रैल मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा इको क्लब फॉर मिशन लाइफ कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से फ्लोरा अर्थात वनस्पति के लिए क्यूआर कोड नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है। पृथ्वी दिवस के आयोजन में विद्यालय द्वारा इको क्लब फॉर मिशन लाईफ पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएँ जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जायेगी।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा कलेक्ट्रेट के सामने किया धरना प्रदर्शन

सरकार का मौन समर्थन वहां के जिहादियों को दिया जा रहा

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आज कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया गया वह महा महिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधीश को ज्ञापन दिया गया वर्तमान में पश्चिम बंगाल में वफ्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार से हिंसा के आग में झोंका जा रहा है जिस प्रकार से हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है। उनकी बहन बेटियों का शील भंग किया जा रहा है और वहां की चुनी हुई सरकार बनकर मुंह दर्शन बनकर बैठी हुई है। सरकार का मौन समर्थन वहां के जिहादियों को दिया जा रहा है। लगातार बांग्लादेश के घुस पेटिया देश की शांति व्यवस्था को खतरा बने बनते जा रहे हैं और स्थानीय सरकार वोट बैंक के चक्कर में यह खुला खेल रही है। मुर्शिदाबाद में जिस प्रकार से हिंदुओं पर अत्याचार किये जा रहे है हाल ही मे मुर्शिदाबाद में जिहादियों द्वारा वहां के 200 से अधिक घरों व्यवसाय संस्थानों को लूटकर जलाया गया। तीन हिन्दू नागरिकों की निर्मम हत्या की गई के परिणाम स्वरूप हिंदू वहां से पलायन करने के लिए विवश होना पड़ा और यह सब वहां की स्थानीय ममता सरकार के संरक्षन् में हो रहा है। इस विरोध स्वरूप बंगाल की सरकार को भंग

कर राष्ट्रपति शासन लगाने व केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने के लिए ज्ञापन दिया गया। जिसमें कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिनमे प्रान्त धर्म प्रसार प्रमुख डॉ दीपक मिश्रा, जिला अध्यक्ष दिनेश जैन, जिला संयोजक अजय यादव, सहसंयोजक दशरथ यादव, जिला सह मंत्री संतोष शर्मा , हेमंत जैन ,रामवीर यादव, सीताराम तिवारी, हरिओम शर्मा, बलवीर यादव, विकास जैन, हेमंत जैन, पश्चिम बंगाल में हिंदू अत्याचार के विरोध में अशोकनगर में सकल समाज द्वारा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेतृत्व में धरना दिया गया। धरना 11 से 12 तक कलेक्ट्रेट ऑफिस के सामने दिया गया। इसके बाद एक रैली निकाल कर कलेक्ट में पहुंचकर ज्ञापन दिया गया । इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख दीपक मिश्रा ने कहा की पश्चिम बंगाल को हिंदू विहीन करने के लिए ममता बनर्जी सरकार सहयोग कर रही है जिसके कारण जिहादी आतंकवादी लोग हिंदुओं के साथ अत्याचार कर रहे हैं उनके घरों को उनकी संपत्तियां को नुकसान पहुंचा रहे हैं बहन बेटियों के साथ बलात्कार कर रहे हैं जिससे सारा हिंदू समाज दुखी है चिंतित है। सारे देश के हिंदू समाज की तरफ से महामहिम को ज्ञापन देकर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करते हैं और पश्चिम बंगाल के हिंदुओं की रक्षा की सुरक्षा की मांग करते हैं ज्ञापन का वचन बजरंग दल जिला संयोजक अजय यादव ने किया कार्यक्रम को संबोधित किया। जिला अध्यक्ष दिनेश जैन कहां की हिंदू को कमजोर ना समझे इस प्रकार अत्याचार ठीक नहीं है। जिला सह संयोजक दशरथ सिंह यादवहिंदू हित के लिए पूरे देश का बजरंग दल पश्चिम बंगाल जाने के लिए तैयार है सीताराम तिवारीसमाज की रक्षा के लिए हम संकल्पित हैं इंजीनियर जगभन सिंह यादव रामवीर यादव विकास जैन बल्ली कार्यक्रम का संचालन जिला सह मंत्री संतोष शर्मा ने किया इस अवसर पर सह मंत्री हेमंत जैन् नगर मंत्री अभिषेक शर्मा रोहित शर्मा अभिषेक यादव सीताराम तिवारी, राजकुमार धाकड़ रामबीर सिंह बलबीर सिंह, नीलाम सिंह दशरथ सिंह हरिओम केबट,सोनू शर्मा,चरण सिंह नायक, राहुल यादव,शिवेंद्र यादव रिंकू जैन, अनंत सिंह लोधी सोनू यादव रवींद्र शिवम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एक ही फंदे में लटकता मिला प्रेमी युगल का शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक-युवती का शव फंदे से लटका मिला। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के टेटका गांव में एक महुआ के पेड़ की डाली में साड़ी का फंदा बनाकर दोनों ने आत्महत्या कर ली है। दोनों शव एक ही फंदे में लटकते मिले हैं। शवों को मवेशी चरा रहे व्यक्ति ने शनिवार की सुबह देखा। उसने गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद लोगों ने मामले की जानकारी जयसिंहनगर पुलिस को दी है। जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच जांच में जुटी हुई है। थाना प्रभारी एसपी चतुर्वेदी ने बताया कि युवक की पहचान संदीप पिता शंभू सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी बस नगरी के रूप में हुई है। युवती की पहचान करवाई जा रही है दोनों शवों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। दोनों की उम्र लगभग 20 वर्ष है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम जांच में ऐसा लग रहा है कि यह दोनों प्रेमी युगल हैं। युवती की पहचान होने पर ही बात स्पष्ट होगी। मृतक युवक के परिजनों को मामले की जानकारी देकर मौके पर बुलवाया गया है। घटना की जानकारी लगते ही गांव के लोग मौके पर पहुंच गए हैं तो वहीं मृतक युवक के भी परिजन काफी संख्या में घटना स्थल पहुंचे हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पेड़ से नीचे उतरवा लिया है। पुलिस ने बताया है कि युवती की साड़ी से ही दोनों ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पेड़ के नीचे दोनों की चप्पल भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस ने मामले पर फिलहाल मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

बस स्टैंड पर गंदा पानी पीने को मजबूर यात्री, टंकी की साफ सफाई नहीं

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

भीषण गर्मी के इस दौर में जिला मुख्यालय पर स्थित बस स्टैंड पर यात्रियों का प्यास से बुरा हाल है। यहां पानी की टंकी तो है,लेकिन उसमें साफ सफाई न होने से गंदा मैला कचरा मिला जिसमें मच्छर, कीड़े,बर्र, पड़ी रहती है,जिसे प्यास से बेहाल महिला पुरुष बच्चे उसी गंदे पानी पीने को मजबूर है। यहां यात्री विशेष कर महिला और बच्चों को दोपहर के समय अपने गंतव्य तक जाने घंटो बस का इंतजार करना पड़ता है,और जब प्यास से बुरा हाल होता है, तो महिलाएं स्वयं, अपने बच्चों को बीमारी की परवाह किए बगैर वो ही गंदा पानी पिला देतीं हैं। शुक्रवार को दोपहर के समय कुछ इसी तरह का नजारा सामने

आया। जहां एक महिला यात्री अपनी बूढ़ी मां, मासूम बच्चे के साथ आरोन जाने के लिए करीब 1 घंटे से चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में बस का इंतजार कर रही थी, तब उसने एक गंदे से मग से पानी की टंकी में से पानी निकाल कर अपनी बोतल में भारा और अपने बच्चे को पिलाया। उसने कहा कि पानी गंदा है, इसमें कचरा, कीड़े, बर्र डली, टंकी में काई लगी हुई है, लेकिन प्यास के कारण इसी पानी को पीना पड़ रहा है। ऐसे में जिम्मेदारों ने कभी नहीं सोचा कि बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए जिससे इस भीषण गर्मी में यात्रियों को कम से कम पीने के पानी की उपलब्धता तो रहे।

डीआरएम त्रिपाठी ने रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्यों का लिया जायजा

हरदा। भोपाल रेल मंडल डी.आर.एम. देवाशीष त्रिपाठी द्वारा रेल्वे स्टेशन के निर्माण कार्यों को देखा। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हो रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति को डीआरएम श्री त्रिपाठी ने देखा। प्लेटफार्म विस्तार, फुट ओवर ब्रिज, वेटिंग हाल, शौचालय, पेयजल सुविधा सहीत अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा सुरक्षा से संबंधित पाइंट्स और क्रांसिंग्स की कार्य प्रणाली, इंटरलाकिंग सिस्टम का भी निरीक्षण किया गया। खिडकिया में डेढ़ घंटे से अधिक समय तक निरीक्षण किया। समिति अध्यक्ष अनिल सिंह दरबार, पूर्व नगरपरिषद अध्यक्ष पूनम चंद गुप्ता, महेंद्र सिंह खनूजा ने ज्ञापन दिया।निरीक्षण के दौरान डीआरएम त्रिपाठी के साथ रेलवे के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अशोकनगर: कुरवासा गांव में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा खंडित, गांव में रोष का माहौल

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की चंदेरी तहसील के अंतर्गत आने वाले थुवोन चौकी क्षेत्र के कुरवासा गांव में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में शुक्रवार रात एक असामाजिक तत्व द्वारा स्थापित अंबेडकर प्रतिमा को खंडित कर दिया गया। प्रतिमा का दायां हाथ तोड़ दिए जाने की घटना से गांव में भारी आक्रोश फैल गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और समाज के लोग मौके पर पहुंच गए। साथ ही भीम आर्मी के सदस्य भी घटनास्थल पर पहुंचे और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। आक्रोशित भीम आर्मी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने दोषियों को समाज के लोगों के पकड़ने से पहले गिरफ्तार

नहीं किया, तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और अशोकनगर से प्रभारी एसडीएम, चंदेरी तहसीलदार दिलीप दरोगा, एसडीओपी शैलेन्द्र शर्मा और थाना प्रभारी मनीष जादौन सहित कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले का जायजा लिया। भीम आर्मी नेताओं ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब अंबेडकर प्रतिमा को खंडित किया गया है। बार-बार हो रही ऐसी घटनाएं एक गहरी साजिश की ओर इशारा करती हैं, जिनका मकसद समाज में तनाव फैलाना है। उन्होंने मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, अन्यथा समाज को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

ज्ञापन किसान कांग्रेस ने की एफआईआर की मांग

डीएपी खाद वितरण में भ्रष्टाचार का आरोप

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले में डीएपी खाद वितरण को लेकर गड़बड़ियों का मामला गरमाता जा रहा है। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सुखभान यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 15 अप्रैल को अशोकनगर जिले को 750 मेट्रिक टन (करीब 15 हजार कट्टे) डीएपी खाद उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन अगले ही दिन 16 अप्रैल को 1020 टोकन जारी होने के बावजूद केवल 500 टोकन धारकों को औसतन 6 कट्टे के हिसाब से खाद वितरित की गई, जिससे करीब 3000 कट्टे का वितरण हुआ।

17 अप्रैल को जब वितरण में देरी हुई और किसानों को खाद नहीं मिल पाया, तो कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष (नपा) रितेश आज़ाद मौके पर

पहुंचे और अधिकारियों से जवाब-तलब किया। जानकारी सामने आई कि 16 अप्रैल के 520 टोकन शेष थे और 206 नए टोकन जारी किए गए थे, परंतु मौके पर मात्र 1485 कट्टे शेष बताए गए। जिससे करीब 2000 कट्टों की गड़बड़ी सामने आई। एसडीएम के मौके पर पहुंचने के बाद कृषि विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी दी गई। बाद में किसानों को प्रति टोकन 3-3 कट्टे वितरित किए गए, और यह भी बताया गया कि शेष खाद मुंगावली और पिपरई भेज दी गई है। बाद में निजी गोदाम से भी खाद वितरण किया गया। किसान कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाज़ारी हुई है, और अधिकारियों ने किसानों व जनप्रतिनिधियों से जानकारी छिपाई है। खासकर एसएडीओर पर पहले भी ऐसे आरोप लग चुके हैं और वे पिछले 35 वर्षों से यहीं पदस्थ हैं। सुखभान यादव ने प्रशासन से मांग की है कि इस रैक द्वारा आई खाद की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान कांग्रेस आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

युवा कांग्रेस ने किया सदस्यता अभियान का पोस्टर जारी

अशोकनगर। डिजिटलाइजेशन के दौर में कांग्रेस भी डिजिटल हो रही है,मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा आई वाई सी एप के माध्यम से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला युवा कांग्रेस द्वारा एक पोस्टर जारी किया गया जिसमें एक स्लोगन लिखा है,आओ बदले राजनीति का रंग मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस में बनों सदस्य अपने सपनों को दो पंख। जॉइन एमपी यूथ कांग्रेस। युवा कांग्रेस का सदस्य बनने के लिए विथ आईवाईसी एप अभी डाउनलोड करें। उक्त रंगीन पोस्टर को जारी करने के दौरान जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह यादव, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विशाल रघुवंशी, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष राहुल पंडा, सहित अन्य कांग्रेस जन मौजूद थे। इस दौरान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष विशाल रघुवंशी ने युवा पीढ़ी से गूगल प्ले के माध्यम से आई वाई सी ऐप डाउनलोड करने की अपील की।

ब्रीफ न्यूज

10 हजार का इनामी बदमाश 21 ग्राम एमडी ड्रग के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने ड्रग तस्कर अय्यूब खान को गिरफ्तार किया। उसके पास से 21 ग्राम एमडी बरामद की गई है। अय्यूब पर 13 अपराध दर्ज हैं। उस पर दस हजार रुपए का इनाम था। डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया, टीम को सूचना मिली कि एमआर-10 ब्रीच के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है। मौके पर टीम पहुंची तो पुलिस को देख वह भागने लगा। उसे घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम अय्यूब खान उर्फ अय्यूब लाला बताया। उसके पास करीब दो लाख रुपए की 21 ग्राम एमडी मिली। आरोपी ड्रग सप्लाई करने का काम करता है। वह इंदौर के पैडलर्स को भी ड्रग सप्लाई करता था। क्राइम ब्रांच ने पूर्व में 52 ग्राम एमडी ड्रग के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था, उन्हें भी अय्यूब ने ही ड्रग सप्लाई की थी। क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में पकड़ाए आरोपियों से अय्यूब की जानकारी मिली थी। इसके बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी। काफी वक्त से पुलिस की उस पर नजर थी। अय्यूब इंदौर में आने वाली ड्रग का बड़ा सप्लायर था। अय्यूब से पूछताछ कर और भी जानकारी निकाली जा रही है।

कचरा फेंकने की बात पर भिड़े पड़ोसी, दोनों पक्षों पर हुआ केस दर्ज

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित नादिया नगर में छत पर कचरा फेंकने को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच जमकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले और गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप लगाए। पुलिस ने दोनों की शिकायतों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एमआईजी पुलिस के मुताबिक, अशोक कुशवाह निवासी नादिया नगर ने शिकायत में बताया कि उनके घर की छत पर पड़ोसी जितेंद्र ओझा ने कचरा फेंका था। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई तो जितेंद्र और मीना ने उनसे बहस शुरू कर दी। बहस के दौरान जितेंद्र ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मीना ने ईंट उठाकर उनके सिर पर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। इस दौरान बीचबचाव करने आई अशोक की पत्नी रेखा को भी ईंट मार दी गई, जो उसके पैर में लगी। इसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले में अशोक कुशवाह की शिकायत पर जितेंद्र ओझा, नत्थू ओझा और मीना के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दूसरी ओर, मनोज शर्मा ने पुलिस को बताया उनके ससुराल के पड़ोसी अशोक कुशवाह ने कचरा फेंकने की बात को लेकर उनके साले जितेंद्र के साथ गाली-गलौज की और मना करने पर सरिए से हमला कर दिया।

विधानसभा की कार्रवाई लाइव क्यों नहीं हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

इंदौर। कांग्रेस विधायक सचिन यादव और प्रताप ग्रेवाल ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में एक याचिका दायर की है। इस याचिका में कहा गया है, केंद्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश सरकार को 21 करोड रुपए का फंड जारी किया गया है। इस फंड से विधानसभा की कार्रवाई को लाइव किया जाना था। अभी तक विधानसभा की कार्रवाई लाइव नहीं की गई है।

निगम ने वैकल्पिक योजना की तैयार, 40 नई टंकियां बनाने के काम को भी स्वीकृति दी

कालानी नगर से चंदन नगर तक 60 फीट चौड़ी रोड बनेगी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

पश्चिमी रिंग रोड के लिए नए वैकल्पिक मार्ग के प्रस्ताव को महापौर परिषद की मंजूरी मिल गई है। यह 60 फीट चौड़ी रोड बनेगी। एयरपोर्ट रोड पर कालानी नगर चौराहे से धार रोड स्थित चंदन नगर चौराहे तक अलग-अलग हिस्सों में रोड बनाई जाएगी। चंदन नगर व नगीन नगर के करीब 800 मीटर हिस्से को मास्टर प्लान में शामिल करने के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजेंगे। वर्तमान में यह सड़क कालानी नगर वाले हिस्से में करीब 60 फीट चौड़ी है। पूरी सड़क की लागत करीब 26 करोड़ रुपए आएगी। वहीं परिषद ने अमृत-2 योजना के तहत पेयजल वितरण नेटवर्क और 40 नई टंकियां बनाने के काम को भी स्वीकृति दी है। इसके लिए 965 करोड़ के टेंडर जल्द जारी किए जाएंगे। शुक्रवार को महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई। इसमें 21 से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। दो अहम प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। महापौर भार्गव के अनुसार पश्चिम रिंग रोड वर्तमान में चंदन नगर चौराहे पर समाप्त हो जाती है। इसके आगे एयरपोर्ट रोड तक सीधी कनेक्टिविटी नहीं है। मास्टर प्लान में चिह्नित रोड एयरपोर्ट रोड पर मोहता बाग के समीप मिलती है। इस पर कॉलोनियां बसने से मुश्किल आ रही है। है। अब कालानी नगर चौराहे से चंदन नगर चौराहे तक लिंक रोड बनाया जाएगा। बैठक में निगमायुक्त शिवम वर्मा, राजेन्द्र राठौर, राजेश उदावत, निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, नंदकिशोर पहाड़िया अभिषेक बबलू शर्मा, राकेश जैन, मनीष शर्मा आदि मौजूद थे। रिंग रोड का यह वैकल्पिक हिस्सा 26 करोड़ में तैयार होगा। इसमें चंदन नगर चौराहा से नंदन नगर, कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट रोड तक सीमेंट कांक्रीट लिंक रोड, कैरेजवे, पुल-पुलिया, फुटपाथ, स्टॉर्म वाटर लाइन एवं विद्युत लाइन शिफ्टिंग की जाएगी। इस सड़क के सीधे बनने से वाहनों की आवाजाही आसान होगी।

सुरक्षा के लिए फायर प्रकोष्ठ

फायर एवं ट्रैफिक प्रबंधन में सुधार पर भी विस्तार से चर्चा की गई। गर्मी में आगजनी की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण व त्वरित कार्रवाई के लिए फायर प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा। भविष्य में इसमें अमले की भर्ती और पद भरने के लिए कंसल्टेंट की सेवाएं लेंगे। इसी तरह ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए भी कंसल्टेंट नियुक्त करने का फैसला लिया है।

यह काम भी हुए स्वीकृत

- वार्ड 65 ट्रांसपोर्ट नगर में 8 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण होगा।
- रेवती रेंज में किए गए पौधारोपण में पानी देने के लिए कबीटखेड़ी स्थित फिल्टर प्लांट से पानी का रीयूज करने के लिए 11 करोड़ की लागत से पाइप लाइन डाली जाएगी।
- अमृत-2 योजना के तहत 40 नई पानी की टंकियां, 75 पुरानी टंकियों के वितरण नेटवर्क को सुधारेंगे।
- वर्तमान में चंदन नगर चौराहे व आसपास के लोगों को एयरपोर्ट, बिजासन, सुपर कॉरिडोर और बड़ा गणपति होकर जाना होता है। सड़क के बनने के बाद सीधे एयरपोर्ट रोड जा सकेंगे।

मंत्री विजयवर्गीय ने किया निरीक्षण, बोले- इंदौर मेट्रो का शुभारंभ करने आएंगे पीएम मोदी

विजयर्गीय ने शनिवार को सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ मेट्रो का निरीक्षण किया

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में मेट्रो का काम तेज गति से चल रहा है। प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो कामर्शियल रन के लिए तैयार है। सीएमआरएस टीम की तरफ से भी मेट्रो को हरि झंडी मिल गई है। हालांकि मेट्रो का कामर्शियल रन कब से शुरू होगा यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसका शुभारंभ पीएम मोदी के हाथों होगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयर्गीय ने शनिवार को सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ मेट्रो का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मेट्रो का शुभारंभ पीएम मोदी के हाथों किया जाएगा। वहीं हमारी कोशिश है कि दिवाली तक पूरे 17 किमी के रूट पर मेट्रो चलने लगे। मंत्री विजयवर्गीय, मेयर भार्गव और सांसद शंकर लालवानी ने मेट्रो ट्रेन का सफर भी किया। वह गांधी नगर स्टेशन से 5.9 किलोमीटर दूरी पर स्थित मेट्रो के स्टेशन तक पहुंचे। अफसरों ने सफर के दौरान मेट्रो कोच की खूबियां बताई। मंत्री विजयवर्गीय ने अफसरों से कहा कि मेट्रो के संचालन के लिए मंजूरी मिल चुकी है। अब जल्दी ही इसकी सौगात शहरवासियों को दी जाए। मंत्री दोपहर 12 बजे मेट्रो ट्रेन में सवार हुए और हर मेट्रो स्टेशन पर उतरे। उन्होंने सभी स्टेशन पर मिलने वाली यात्रियों की सुविधा की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मेट्रो ट्रेन का सफर वाकई अच्छा रहा है। यह लोगों के सफर को और सुविधाजनक बनाएगी। अब अगला लक्ष्य मेट्रो का ट्रायल रन रेडिसन चौराहे तक करने का है। इसके लिए अफसरों को निर्देश दिए गए हैं।

मेट्रो को देखने लोग ज्यादा आएंगे

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो का निरीक्षण करने के बाद प्रॉयोरिटी कॉरिडोर को लेकर कहा कि यह छोटे रूट पर लोगों की सुविधा तो बन रही है, लेकिन लोग देखने और घूमने ज्यादा आएंगे। पहला एक्सपीरियंस करेंगे मेट्रो का, इसलिए निश्चित रूप से पीएम मोदी जब भी सीएम को समय देंगे तब हम इसका विधिवत उद्घाटन करेंगे और उसके बाद से इंदौर के नागरिक इस ट्रेन को एंजॉय कर सकेंगे। विजयवर्गीय ने कहा कि मेट्रो का काम बहुत तेज चल रहा है हमें विश्वास है कि दिवाली पर हम 17.5 किमी का ट्रायल रन करेंगे।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा 30 अप्रैल को निकलेगी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

सनातन धर्म की शक्ति और एकता का प्रतीक भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम की जयंती इस वर्ष इंदौर में अभूतपूर्व उत्साह और भव्यता के साथ मनाई जाएगी। सर्व ब्राह्मण युवा संगठन द्वारा आयोजित यह शोभायात्रा सनातन संस्कृति के गौरव को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। शोभायात्रा शास्त्र और शस्त्र के समन्वय से सनातन धर्म की एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करेगी। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन शाम 6 बजे दीनदयाल उपाध्याय चौराहा स्थित भगवान परशुराम मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ होगी। हजारों समाज जन इस शोभायात्रा का हिस्सा बनेंगे जो सनातन हिन्दू समाज की एकजुटता और अखंडता का संदेश देंगे। जिस प्रकार भगवान श्री राम केवल क्षत्रिय समाज के नहीं और भगवान श्री कृष्ण यादव समाज के नहीं बल्कि समस्त हिन्दू समाज के प्रेरणा स्त्रोत हैं, उसी तरह भगवान श्री परशुराम भी संपूर्ण सनातनियों के आराध्य हैं। संगठन ने सभी सनातन हिन्दू समाज से इस शोभायात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है। शोभायात्रा आईटीआई रोड, हीरानगर थाने की ओर से मुड़कर फिर मंदिर पर समाप्त होगी। इसमें नासिक के ढोल, उज्जैन की श्री महाकाल डमरू मंडली, आदिवासी नृत्य, भगवान परशुराम से प्रेरित झांकियां, चलित भजन संध्या, बैंड, घोड़े और बग्गियां शामिल होंगी। मातृशक्ति और संत समाज के नेतृत्व में यह यात्रा आगे बढ़ेगी। कार्यकर्ता पारंपरिक धोती-कुर्ता और महिलाएं चुनरी ड्रेस कोड में भाग लेंगी। शोभायात्रा से पहले ब्राह्मण समाज और अन्य समुदायों की विशिष्ट विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। समापन पर भोजन प्रसादी वितरित होगी।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 27 अप्रैल को नई टेक्नोलॉजी पॉलिसी की गाइडलाइन्स होंगी जारी

कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

मध्य प्रदेश में तकनीकी नवाचार और डिजिटल निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। इंदौर में 27 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे ÷एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025÷ में सरकार तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख नीतियों की क्रियान्वयन गाइडलाइन्स जारी करेगी।

मध्य प्रदेश टेक्नोलॉजी सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशक, नीति निर्माता और तकनीकी क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। कॉन्क्लेव के दौरान राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी, सेमी-कंडक्टर्स पॉलिसी, ड्रोन पॉलिसी और एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी।

गाइडलाइन्स को निवेशकों और सरकार के बीच एक पारदर्शी सेतु के रूप में तैयार किया गया है। दस्तावेज में पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, मानक संचालन प्रक्रिया, समय-सीमा और अपील प्रक्रिया सहित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। कॉन्क्लेव का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इन सभी नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी। निवेशक रियल-टाइम डैशबोर्ड, ऑटोमेटेड वर्कफ्लो और एकीकृत सिंगल-विंडो सिस्टम के जरिए सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से आवेदन कर सकेंगे।

बिजली कंपनी सुबह के बजाय दोपहर में कर रही मेंटेनेंस कार्य से लोग हो रहे परेशान

इंदौर। बिजली कंपनी ने मानसून से पहले मेंटेनेंस का काम शुरू कर दिया है, लेकिन कई क्षेत्रों में यह कार्य सुबह की जगह दोपहर में किया जा रहा है। इससे तेज गर्मी में बिना बिजली के घर-दफ्तर में बैठना मुश्किल हो रहा है। गर्मी के सीजन में सुबह 6 से 10 बजे तक मेंटेनेंस कर सप्लाई चालू कर दी जाती थी, लेकिन कुछ जोन में यह कार्य सुबह 9 से 12, सुबह 10 से दोपहर 2 बजे के बीच किया रहा है। ऐसे में जिनके यहां इन्वर्टर नहीं हैं, उन्हें 2-3 घंटे बिना बिजली के निकालना कठिन हो रहा है। वहीं नर्मदा जल आपूर्ति के समय बिजली नहीं होने से मोटर भी नहीं चल पाती है। अधीक्षण यंत्री मनोज शर्मा का कहना है कि सभी जोन को सुबह के वक्त ही मेंटेनेंस के निर्देश जारी किए जाएंगे। बर्फानीधाम, संगम नगर, पालदा, द्वारकापुरी, राज मोहल्ला, एलआईजी, मालवा मिल क्षेत्र में पिछले दिनों सुबह 10 बजे के बाद बिजली बंद कर रखरखाव किया गया था।

इंदौर में बनेंगी 10 नई सड़कें, आउटर रिंग रोड से कनेक्टिविटी होगी आसान

इंदौर विकास प्राधिकरण प्रस्ताव तैयार कर निर्माण की बना रहा योजना

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में यातायात का दबाव कम करने के लिए 160 किमी लंबा आउटर रिंग रोड बनाया जा रहा है। इसमें पूर्वी और पश्चिमी रिंग रोड दो चरणों में बनाई जाएगी। इन सड़कों तक शहर से आसान कनेक्टिविटी देने के लिए मास्टर प्लान की नई सड़कें बनाई जानी हैं। प्रारंभिक तौर पर 10 सड़कों का प्रस्ताव तैयार किया है।

100 किमी लंबी होंगी और एक हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी। मास्टर प्लान की प्रस्तावित सड़कों को लेकर इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के कार्यालय में सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा बैठक ली गई। इसमें प्रस्तावित नई सड़कों के निर्माण की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालिक अधिकारी आरपी अहिरवार ने बताया कि नवीन मास्टर प्लान की दस नवीन सड़कों के माध्यम से शहर का यातायात व्यवस्थित होगा। इस बैठक में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश शुभाशीष बैनर्जी सहित प्राधिकरण के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

मास्टर प्लान की वर्तमान सड़कें होंगी विस्तारित: बैठक में तय हुआ कि मास्टर प्लान के तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में बन रही सड़कों को आगे आउटर रिंग रोड तक विस्तारित किया जाएगा। एमआर-3 से लेकर एमआर-12 और अन्य सड़कों को नई बनने वाली मास्टर प्लान की सड़कों से जोड़ा जाएगा। इससे शहर से सीधे आउटर रिंग रोड तक पहुंच आसान हो सकेगी।

कहर शनिवार को सुबह से ही तेज लू चलने लगी, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

लू के कहर से बदला स्कूलों का समय, अगले 3 दिन और बढ़ेगी गर्मी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में भीषण गर्मी और लू के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। शनिवार से लगातार तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। कलेक्टर आशीष सिंह ने एहतियातन 8वीं तक के स्कूलों का समय दोपहर 12 बजे तक सीमित कर दिया है।

इंदौर में गर्मी का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को सुबह से ही तेज लू चलने लगी, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बढ़ती गर्मी को देखते हुए कलेक्टर आशीष सिंह ने कक्षा 8वीं तक के स्कूलों का समय घटाकर दोपहर 12 बजे तक कर दिया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर अभिभावकों द्वारा स्कूलों में पूर्ण अवकाश की मांग की जा रही है, जिसे देखते हुए प्रशासन पर निर्णय को लेकर दबाव बन रहा है।

लगातार 40 डिग्री से ऊपर तापमान, तोड़ा 5 साल का रिकॉर्ड: शुक्रवार को मौसम का मिजाज शुरू से ही तीखा बना रहा। दिनभर गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। यह पिछले पांच वर्षों का सबसे अधिक तापमान साबित हुआ है। सुबह से ही चुभती धूप लोगों को परेशान कर रही है, जबकि दोपहर तक गर्मी असहनीय हो जाती है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिन और अधिक गर्म हो सकते हैं। शनिवार को तापमान 42 डिग्री या उससे अधिक तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। रात का तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। बीते पांच दिनों से रात का तापमान 24 से 25 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे रात में भी गर्मी का एहसास कम नहीं हो रहा।

तेज हवाएं और तीखी धूप बनी परेशानी का कारण

मौसम विभाग ने बताया कि गर्म हवाओं और साफ आसमान के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। सुबह से ही तेज धूप निकल आती है और दोपहर तक गर्मी चरम पर पहुंच जाती है। इसके कारण अब रातें भी तपने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि आगामी तीन दिन मौसम में कोई खास राहत नहीं मिलेगी।

अरिजीत सिंह शो के पहले ही आयोजकों ने जमा किया मनोरंजन टैक्स

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में होने वाले बड़े शो के मनोरंजन टैक्स को लेकर उठे विवाद को देखते हुए अरिजीत सिंह के शो से पहले ही आयोजकों ने 30 लाख रुपये का चेक नगर निगम में जमा कर दिया है। इंदौर में दिलजीत दोसांझ और हनी सिंह के हो चुके शो को लेकर नगर निगम को पर्याप्त मनोरंजन कर नहीं मिला। हनी सिंह शो के बाद नगर निगम ने टैक्स वसूली के लिए तीन ट्रक उपकरण भी जब्त कर लिए थे। बाद में मामला कोर्ट तक पहुंचा था। इंदौर में अरिजीत सिंह के शो के मामले में टैक्स को लेकर पूर्व में ही नगर निगम ने आयोजकों को पत्र लिखा था, लेकिन शुक्रवार सुबह तक टैक्स जमा नहीं हुआ था। नगर निगम के अमले ने दोपहर में आयोजन स्थल पर जाकर सामान जब्त करने की तैयारी कर ली थी। बताते है कि इसकी भनक आयोजकों को लग गई और उन्होंने 30 लाख रुपये के चैक नगर निगम के अफसरों को जमा कर दिए। इसकी पुष्टी नगर निगम अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने की है।

मास्को जाने से पहले कामों की दी मेयर ने मंजूरी: इंदौर के मेयर पुष्य मित्र भार्गव मास्को में होने वाली समिट में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उससे पहले उन्होंने शुक्रवार को महापौर परिषद की बैठक आयोजित की। बैठक में चंदन नगर लिंक रोड के निर्माण की मंजूरी दी गई। इसके टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम हेतु जागरूकता रैली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

मुरैना। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद चंबल संभाग समन्वयक धमेंद्र सिसोदिया, मुरैना के जिला समन्वयक सतीश तोमर एवं जौरा के ब्लॉक समन्वयक बीडी शर्मा के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय जौरा में किया। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी छात्राओं ने हाथों में मेंहदी से जल संरक्षण के स्लोगन लिखकर जल को बचाने के लिए संदेश दिया। ब्लॉक समन्वयक बीडी शर्मा ने बताया कि जल संरक्षण आज के समय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल पीने के लिए आवश्यक है, बल्कि .षि, उद्योग, और घरेलू उपयोग के लिए भी आवश्यक है। फिर भी, जल की बढ़ती मांग और उसके अंधाधुंध उपयोग के कारण जल संकट एक गंभीर समस्या बन गई है। उन्होंने कहा कि भारत में, जल की उपलब्धता असमान है। कुछ क्षेत्रों में पानी की प्रचुरता है, जबकि अन्य में सूखा और पानी की कमी है। जल संरक्षण का अर्थ है, पानी का सही तरीके से उपयोग करना और उसके बर्बादी को रोकना। हमें तालाब, नदियों, झीलों और जलाशयों को साफ रखना चाहिए और वर्षा के पानी को संचित करने के उपाय करने चाहिए। परामर्शदाता प्रशांत शर्मा ने बताया कि जल संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार है। इसलिए, इसे बचाना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में नवांकुर समिति से कैलाश शर्मा, विष्णु सिंह तोमर, अलकेश राठौर, शिवानी शर्मा, जया बागड़े, विनोद शर्मा, सीएमसीएलडीपी छात्र उपस्थित थे।

पात्रता पर्ची की ईकेवायसी कराने के लिये राजस्व अधिकारी भले गांव-गांव कैम्प लगवायें

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा खाद्यान्न पर्ची धारक 30 अप्रैल तक ई-केवायसी कराने के आदेश जारी हुये हैं। इसके तहत प्रत्येक खाद्यान्न पर्ची धारक को अपनी-अपनी ई-केवायसी करवाना है। इसके लिये संबंधित जनपद सीईओ को प्रतिदिन एक-एक हजार की केवायसी करने का लक्ष्य दिया गया है। यह लक्ष्य किस प्रकार पूर्ण होगा इसके लिये राजस्व अधिकारी देखें, भले ही वे गांव-गांव कैम्प लगवायें परंतु खाद्यान्न पर्ची वाले ई-केवायसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण होना चाहिये। यह निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बैठक के दौरान राजस्व अधिकारियों को दिये। बैठक में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, समस्त अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि मुरैना जिले में पात्रता पर्ची धारी 14 लाख 13 हजार 396 हितग्राही हैं। जिनमें से 10 लाख 60 हजार 815 पात्रता पर्चीधारियों की ई-केवायसी का कार्य हो चुका है। अभी भी 3 लाख 52 हजार 581 पात्रता पर्चीधारियों की ई-केवायसी का कार्य नहीं हो सका है। ई-केवायसी करने के लिये पात्रता पर्चीधारी को मात्र आधार कार्ड और स्वयं का अंगूठा लगाना होता है। इसके लिये सभी अधिकारी प्लानिंग के साथ कार्य करें। यह कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण किया जाना है।

मुरैना-श्योपुर पर्यटन का बड़ा केंद्र बने और लोगों को मिले रोजगार, यही हमारा उद्देश्य हैः मुख्यमंत्री

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को अल्प प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि चीता प्रोजेक्ट की मूल भावना जो थी, वह सफल रही और हमारे यहां इसकी सफलता का ग्रोथ रेट 80 प्रतिशत से ऊपर है। ऐसा दुनिया में कहीं भी नहीं है। मुरैना-श्योपुर पर्यटन का बड़ा केंद्र बने और लोगों को काम धंधा व्यवस्थाएं मिले, इसके लिए हमारी सरकार प्रयासरत है।

श्री यादव ने कहा कि चंबल अंचल में रोजगार की दृष्टि से खासकर चीता प्रोजेक्ट के अगले चरण के लिए काफी प्रबंध जुटाने का प्रयास किया। माननीय सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की, जिसमें सफारी बनाने के लिए रिक्वेस्ट की जा रही है। हम यहां पर सफारी बनाएं और पर्यटन के माध्यम से लोगों को रोजगार मिले, बिजनेस मिले, यह प्रोजेक्ट की मूल भावना थी। इस बात की प्रसन्नता है कि चंबल अंचल ने यह गौरव हासिल किया, जो पूरी दुनिया में किसी को नहीं मिला है। चंबल अंचल की फॉरेस्ट सफारी में खासकर चीता प्रोजेक्ट में परिवार को बढ़ाने का जो प्रोजेक्ट सफल हुआ है, ऐसा दुनिया में कहीं नहीं हुआ है। सफलता का ग्रोथ रेट 80 प्रतिशत से ऊपर है, ऐसे में भारतीय व चंबल की आबोहवा में चीता का परिवार बढ़े और इसी के चलते आज 20 अप्रैल को वह दो नर चीता गांधी सागर में छोड़ते हुए अगला चरण लेकर जा रहे हैं। हमारे श्योपुर मुरैना में अब आगमन के लिए नई सड़क का विस्तार किया जा रहा है। हेलीकॉप्टर से भी पर्यटकों को लाने ले जाने की व्यवस्था की जाएगी। कुल मिलाकर इसकी जो मूल भावना थी कि पर्यटन का चंबल अंचल बड़ा केंद्र बने, लोगों को काम धंधा व्यवसाय मिले, इसलिए औद्योगिकीकरण के लिए हम काम कर रहे हैं। पर्यटन को भी बढ़ावा दे रहे हैं, हमारी प्राथमिकता है कि हम चंबल के उत्थान के लिए काम करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांसद पुत्र डॉ. सौरव के विवाह समारोह में हुए शामिल

डॉ. सौरव को भगवान सीता-राम की तस्वीर भेंटकर, आशीर्वाद दिया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को सुबह अल्प प्रवास पर मुरैना जिले के ग्राम बड़ागांव-नावली पहुंचे। डॉ. यादव मुरैना-श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के पुत्र डॉ. सौरव तोमर के विवाह समारोह में उपस्थित हुये।

उन्होंने वर डॉ. सौरव तोमर को भगवान सीता-राम की तस्वीर भेंटकर आशीर्वाद दिया। वहीं आगुन्तक वधु को शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के राजस्व मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना, सांसद ग्वालियर भारत सिंह कुशवाह, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, विधायक सबलगढ़ श्रीमती सरला रावत, जिला पंचायत की अध्यक्षा श्रीमती आरती गुर्जर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना, राकेश मावई, सूवेदार सिंह रजौधा, कमलेश कुशवाह, डॉ. योगेशपाल गुप्ता, केदार सिंह यादव, चम्बल रेंज के आईजी सुशांत सक्सेना, कलेक्टर अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और पत्रकारगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व बड़ागांव-नावली में अस्थाई हेलीपेड बनाया गया, जहां मुख्यमंत्री की अगवानी प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा और कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने की।

उप मुख्यमंत्री सांसद पुत्र के विवाह समारोह में हुए शामिल

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर मुरैना जिले के बड़ागांव-नावली पहुंचे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल मुरैना-श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के पुत्र डॉ. सौरव के विवाह समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. सौरव को आशीर्वाद प्रदान किया।

अत्यधिक गर्मी एवं लू से बचने के लिए नागरिक अपनायें सावधानियाँः कलेक्टर

मुरैना। जिले में बढ़ती गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए नागरिक सतर्क रहें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। ये बात कलेक्टर अंकित अस्थाना ने जिलेवासियों से कही। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में सभी नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। समस्त स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देशित कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन को गर्मी के दृष्टिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों और जागरूकता के निर्देश दिए हैं।

क्या करें हाइड्रेटेड रहना है जरूरी

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होना आम समस्या है। इससे गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं। नागरिक दिन भर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे। यात्रा करते समय पानी अवश्य साथ रखें। ओआरएस, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, फलों के रस (थोड़ा नमक मिलाकर) जैसे घरेलू पेय का सेवन लाभकारी होता है। तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा जैसी मौसमी फल-सब्ज़ियों का सेवन शरीर में तरलता बनाए रखने में सहायक होता है।

शरीर को ढँककर रखें

धूप में निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढँकना बेहद जरूरी है। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें, ताकि गर्मी से राहत मिल सके। सिर को टोपी, छतरी, गमछा या पारंपरिक उपायों से ढकना चाहिए। नंगे पांव धूप में जाना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए चप्पल या जूते पहनना अनिवार्य है।

गर्मी से होने वाली बीमारियां और लक्षण

अत्यधिक गर्मी से शरीर का तापमान ऊपर जा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस, हीट रैश, हाथ-पांव सूजना, मांसपेशियों की ऐंठन, चक्कर आना, हीट एक्सहॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे दिल, फे फड़े, किडनी जैसी पुरानी बीमारियां भी बढ़ सकती हैं। लक्षणों में चक्कर, बेहोशी, उल्टी, सिरदर्द, बहुत ज्यादा प्यास, गाढ़ा पेशाब, तेज़ सांस और दिल की धड़कन शामिल हैं। मांसपेशियों की ऐंठन होने पर तुरंत ठंडे स्थान पर आराम करें और ओआरएस पिएं। एक घंटे से अधिक ऐंठन रहने पर डॉक्टर से परामर्श लें।

तुरंत क्या करें

108 या 102 पर कॉल करें। व्यक्ति को ठंडी जगह ले जाएं। ठंडा पानी लगाएं, पंखा करें। चिकित्सा सहायता आने तक ठंडा करते रहें।

प्रभारी मंत्री बोले कांग्रेस के समय रेत माफिया की घटना ज्यादा होती थी, हमारे शासन में कम हुई हैं

मुरैना। शनिवार को अल्प प्रवास पर मुरैना पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए रेत माफिया के सवाल पर कहा कि जब से यह पृथ्वी बनी है, तभी से कुछ गंदे लोग हैं, इनका काम ही यही है और यह मानते नहीं है। प्रशासन पुलिस लगातार पकड़ा धकड़ी कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर जुर्माना भी कर रहे हैं, बावजूद इसके वह मानते नहीं है। पूरे मध्य प्रदेश में यही थोड़ी कहीं ना कहीं दिक्कत है। कोई ना कोई लोग ऐसे होते हैं, जो यही कृत्य करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। कई लोगों को पकड़ा भी है, कार्रवाई भी की है, मामले भी दर्ज किए गए हैं, अनेकों लोगों को जेल भी भेजा गया है, फिर भी वह इस मामले में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से बोलकर शक्ति से कार्रवाई करने के लिए कहेंगे स एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कृत्य करने वालों से कोई मिला नहीं होता है, कुछ असामाजिक तत्व होते हैं, वह कांग्रेस के जमाने में भी होता था, ऐसा नहीं की होता नहीं था, तब ज्यादा होता था। हमारे शासन में छुटपुट घटनाएं होती हैं। हाल ही में रेत माफिया द्वारा एक नाबालिक बच्चों को कुचलकर मार डालने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन फिर भी मैं कलेक्टर को जांच कर कार्रवाई के लिए निर्देशित करूंगा।

कृषि मंत्री कंषाना ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 9 में 52.91 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाला निर्माण का किया भुमिपूजन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर निगम मुरैना के वार्ड क्र. 09 में एम.एस. रोड़ से कनेक्ट मॉ-बेटी चौराहे से मुक्तिधाम होते हुए ऋषि गालब कॉलेज तक आर.सी.सी. नाला निर्माण का प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने शनिवार को भूमि पूजन किया। जिसकी लागत 52.91 लाख है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम महापौर श्रीमती शारदा राजेन्द्र प्रसाद सोलंकी ने की। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद श्रीमती भारती रनछौर किरार, नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र धाकरे, कुन्ज बिहारी शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मोजूद थे।

कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने कहा कि नगर निगम के सभी वार्डो में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। सीवर से लेकर पेयजल, नाले, नालियां, खरंजा आदि कार्य कराये जा रहे हैं। इस प्रकार के विकास कार्य भी आगे चलते रहेंगे। डॉ. मोहन यादव की प्रदेश सरकार विकास में कोई कमी नहीं रहने देगी, यह मेरा विश्वास है।

सार्वजनिक स्थलों पर नपा ने शुरू कराई ठंडे पानी की प्याऊ

सत्ता सुधार ■ जौरा

गर्मी बढ़ते ही बाजारों व मुख्य सड़कों पर आमजन के गले की प्यास बुझाने के लिए ठंडे पानी के इंतजाम नहीं था, ऐसे में लोगों को पीने के लिए ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए नपा ने कस्बे के आधा दर्जन ऐसे इलाकों में ठंडे पानी की अस्थाई प्याऊ बीते सप्ताह शुरू करा दी है, जहां लोगों की अधिक भीड़ होती है।

इन दिनों गर्मी का तापमान बढ़ता जा रहा है, वहीं सहालग होने से बाजारों में खरीददारी करने पहुंच रहें लोगों की भीड़ भी अधिक हो रही है। गर्मी के कारण लोगों का गला भी जल्द सूखने लगता है तो उन्हें ठंडे पानी की तलाश होती है। अपने गले की प्यास बुझाने के लिए लोग स्नैक्स दुकानों से ठंडे पानी की बोतल और पानी के पाउच खरीद रहें थे। आम लोगों की प्यास से जुड़े इस विषय को लेकर मीडिया कर्मियों ने भी नपा अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी व सीएमओ बीरेंद्र रावत को अवगत कराया गया तो नपा अध्यक्ष ने इस विषय को लेकर तुरंत संज्ञान में लिया और कस्बे के बस स्टैंड, पगारा रोड़, तिकोनिया पार्क सहित आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर ठंडे पानी की प्याऊ शुरू कराई जा चुकी है। भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर ठंडे पानी की प्याऊ शुरू होने से अब लोगों को प्यास लगने पर बाजार की स्नैक्स दुकानों से ठंडे पानी के पाउच व पानी की बोतल नहीं खरीदने पड़ रहें हैं।

ग्रेड पे, वेतन विसंगति अथवा केडर रिव्यू शीघ्र लागू करने पटवारीयों ने प्रभारी मंत्री को दिया ज्ञापन

मुरैना। शनिवार को मुरैना पहुंचे राजस्व एवं जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा को पटवारी संघ द्वारा ग्रेडपे, वेतनमान विसंगति अथवा केडर रिव्यू शीघ्र लागू करने ज्ञापन सोंपा गया और कहा कि उनकी मांगों का तुरंत निराकरण किया जाए। ज्ञापन में पटवारी संघ ने मांग की है कि म.प्र. में पटवारियों की ग्रेडपे 2100 है जबकि अन्य प्रांतो में अधिक है। तृतीय वर्ग कर्मचारियों में उक्त ग्रेडपे सबसे कम है। नियमानुसार उक्त ग्रेडपे 2100 से बढ़ाकर 2800 संशोधित किया जाये। समयमान वेतनमान राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार, तहसीलदार पदक्रम के अनुसार संशोधित किया जाये। अथवा 2800 ग्रेडपे के साथ केडर रिव्यू लागू किया जाये। कार्य का दबाव बनाकर, अनावश्यक कार्यवाही न की जायें तथा मानसिक रूप से प्रताडिंत न किया जाये। ज्ञापन देने वालों में मध्य प्रदेश पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गौरीशंकर, महामंत्री महेश्वर मिश्रा, सेवक सिंह सिकरवार सहित कई अन्य पटवारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भगवान शनिदेव के किये दर्शन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को मुरैना जिले के ऐंती पर्वत स्थित शनि मंदिर पहुंचे। इस अवसर परउन्होंने सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति के लिए भगवान श्री शनिदेव के दर्शन किये और प्रार्थना की। उन्होंने भगवान शनिदेव पर तेल, तिल, गुड़ और उड़द से अभिषेक किया एवं काली वस्तुओं का अर्पण किया।

पगारे वाली माता की वार्षिक जात आज, मंदिर परिसर में लगेगा मेला

सत्ता सुधार ■ जौरा

रविवार को अष्टमी के दिन नगर से एक किलोमीटर दूर बुरावली रोड़ स्थित पगारा वाली माता की एक दिवसीय जात प्रतिवर्ष की भांति आज रविवार को भरेगी। इस दौरान मंदिर परिसर में मेला लगता है जहां हजारों श्रद्धालु माता के जात में शामिल होने के लिए दूर-दूर से आते हैं और इस दौरान अल सुबह से देर शाम तक मंदिर पर भरी जात मेले में हजारों श्रद्धालू माता रानी के दर्शन कर माता की पोशाक भेंट नारियल चढ़ाकर अपने परिवार की सुख समृद्धि व निरोगी रहने की मन्नते मांगकर माता रानी की आराधना करते हैं। बता दें कि प्रतिवर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जौरा कस्बे से करीब एक किमी दूर बुराबली रोड़ स्थित प्राचीन पगारे वाली माता मंदिर की जात भरती है। जहां श्रद्धालु भक्त मंदिर परिसर में कन्या भोज भंडारे कर छोटी-छोटी कन्याओं का रोली चंदन लगाकर उपहार प्रदान करते हैं। वहीं श्रद्धालू महिला मंदिर परिसर में धाम कर माता का आर्शीवाद प्राप्त करती है प्राप्त जानकारी के अनुसार पगारे वाली माता के मंदिर का निर्माण दशकों पूर्व स्वप्न होने पर मंदिर का निर्माण जिंदल परिवार नरहेला वालों के द्वारा कराया गया था। उसके बाद अन्य सैकड़ो परिवारों ने भी माता रानी पर आस्था जताई और मन्नत पूरी होने के बाद मंदिर परिसर का विस्तार हुआ। आज स्थानीय लोगों के अलावा सुदूर क्षेत्रों के सैकड़ो परिवार आस्था जताकर मां के दर्शन के लिए आते हैं और मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धा अनुसार दान पुण्य भंडारे आदि धार्मिक आयोजन करते हैं। वहीं कई श्रद्धालु जात वाले दिन बच्चों के मुंडन संस्कार कराते हैं और कई श्रद्धालु मन्नत पूरी होने पर मंदिर में चुनरी व नेजे भी चढ़ाते हैं। इस मंदिर को अग्रवाल समाज के एक जिंदल परिवार की कुल देवी के नाम से जाना जाता है।

10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु प्रिसिटिंग आयोजित की गई

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संगीता मदान के मार्गदर्शन में 10 मई 2025 को न्यायालय परिसर जिला मुख्यालय मुरैना एवं तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह, जौरा, सबलगढ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में दीवानी, मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण से संबंधित प्रकरण, बैंको के प्रकरण, विद्युत एवं राजीनामा योग्य दाण्डिक लंबित प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से राजीनामा के माध्यम से किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिये गत बुधवार को ए.डी.आर. भवन मुरैना में पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चन्द्रशेखर जायसवाल, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष शर्मा के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली गई। बैठक में 10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु अधिक से अधिक निराकरण के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, उपमहाप्रबंधक विद्युत विभाग शहरी मुरैना अभिषेक चौरसिया आदि उपस्थित थे। आमजन से अपील है कि 10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा के माध्यम से अपने अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराकर लाभ प्राप्त करें।

ब्रीफ न्यूज

भारतीय जनता पार्टी देश समाज और राष्ट्र हित में कार्य कर रही है मंत्री श्री लोधी

दमोह। दमोह जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत नोहटा में भारतीय जनता पार्टी सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन आयोजन हुआ जिसमें विधानसभा के विभिन्न ग्रामों से कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता से संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ है सभी कार्यकर्ताओ में ऊर्जा का प्रवाह निररंतर हो रहा है जो प्रत्येक बोलिंग बूथ पर ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करते है। ऐसे देवतुल्य कार्यकर्ताओ के चरणों में बारंबार प्रणाम करता हूं। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है जिसमें करोड़ो कार्यकर्ता समाहित है। हम सभी सौभाग्यशाली है की हम भाजपा के सदस्य है जो देश,समाज,राष्ट्र हित में कार्य करती है। इस कार्यक्रम में लखन पटेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग मध्य प्रदेश शासन, राहुल सिंह सांसद दमोह,भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे जिला उपाध्यक्ष दीपक उपाध्यक्ष, पूर्व मंत्री दशरथ सिंह, भाव सिंह , सत्येंद्र सिंह राघवेंद्र सिंह,रुपेश सेन,सभी मंडल अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।।

राज्यमंत्री पटेल ने कलेही माता के दर्शन कर की क्षेत्र एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना

दमोह। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल आज शाम मगरोंन पँहुचे। उन्होंनें यंहा कलेही माता मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र एवं प्रदेश की खुशहाली तथा समृद्धि की कामना की। इस दौरान राज्यमंत्री श्री पटेल ने मेला आयोजको से चर्चा की। साथ ही तहसीलदार और मगरोन थाना प्रभारी को व्यवस्थाएं दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मन्दिर प्रांगण में भक्तजनों से सामयिक चर्चा भी की।

प्रिंस जिंदल बेस्ट आउटस्टैंडिंग पार्टिसिपेंट और बेस्ट आउटस्टैंडिंग ग्रुप सहभागी पुरस्कार से सम्मानित

खंडवा। जे सी जोन 6 के शानदार स्पीच क्राफ्ट को लेकर जे सी सी गुआ पायनियर द्वारा श्री डिवोर्स ऑफ पैलेसेज द्वारा बनाया गया था। आश्रम में खंडवा से अध्यक्ष सुजाता मोरे, सचिव प्रिंस जिंदल ने भाग लिया। स्पीच क्राफ्ट में ट्रेनिंग पायलट डॉ. संदीप सुनेजा, साथ ही को-पायलट डॉ. स्वातिशादा और पूना मंत्री ने दिया। पूर्व राष्ट्रपति जेसी अनिल बाहेती ने कहा कि स्पीच प्लांट के माध्यम से हम कैसा बोले, हम कैसा रहे, हम कैसा काम करें। सिखाया जाता है। जो हमें जे. सी.आई. के साथ-साथ हर जगह काम करता है। पूर्व अध्यक्ष नागेश वालंजकर, ज्योति वालंजकर, मनन सोनी, अनिरुद्ध राजावत और मंडल ने बढ़ा शेयर दी।

राष्ट्रीय स्तर की 'विज्ञान मठ यात्रा 2024-25' में शामिल श्रद्धा गुप्ता गंगराड़े का चयन

जिले के लिए गौरव का क्षण

सत्ता सुधार ■ खंडवा

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है, जिसमें ढोलकिया माध्यमिक विद्यालय, रुस्तमपुर की उच्च माध्यमिक शिक्षिका श्रीमती श्रद्धा गुप्ता गंगराड़े का चयन मिशन एक्सीलेंस आयोजित विज्ञान मंच यात्रा 2024-25 के लिए किया गया है। इग्लैंड के सुनील जैन ने बताया कि यह यात्रा 21 अप्रैल से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। यात्रा चंडीगढ़ दिल्ली झील स्थित देश के प्रमुख वैज्ञानिक एवं अनुसंधान अनुसंधानकर्ताओं का रॉकेट स्कोर। यह गौरवपूर्ण यात्रा केवल एक पौराणिक विरासत नहीं है, बल्कि विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संप्रदाय को उनके योगदान का गौरव दिलाने और उन्हें वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का प्रयास है। इस यात्रा का उद्देश्य साइंटिस्ट को नए शोध, अध्ययन, तकनीकी अध्ययन और प्रवृत्तियों से परिचित कराना है, जिससे वे छात्रों को वैश्विक स्तर की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान कर सकें। राज्य स्तर पर अंकित ये उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक कोचिंग में छात्र वैज्ञानिक निजी, तर्कशील सोच एवं नवाचार के प्रति जिज्ञासा को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुनील जैन ने बताया कि श्रीमती गुप्ता भी वर्षों से विज्ञान शिक्षण को रुचिकर एवं अन्य छात्रों को विज्ञान के वास्तविक अध्ययन

से जोड़ती रही हैं। वे 3डी वीडियो संग्रह, ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) एवं इंटरैक्टिव शिक्षण तकनीक का प्रयोग छात्रों में विज्ञान के प्रति आकर्षण और समझ दोनों को मजबूत करता है। इस उपलब्धि पर श्री पी.एस.प्राचीन जिला शिक्षा अधिकारी ने श्रीमती गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि, यह चयन केवल एक शिक्षक की उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता और विविधता का प्रतीक है। विद्यालय के कार्यशाला सर ने भी इस गौरवपूर्ण क्षण पर अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा न केवल उनके व्यक्तिगत विकास में सहायक होगी, बल्कि विद्यालय के अन्य संकाय एवं विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी। इस चयन से यह सिद्ध होता है कि जब समुदाय को सही दिशा, अवसर और मंच मिलता है, तो वे अपनी भूमिका को एक दिशा और परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में सिद्ध करते हैं। गुप्ता का यह चयन संपूर्ण शिक्षा जगत एवं विशेष रूप से विज्ञान के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रगति की कलेक्टर ने की समीक्षा

विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जल संवर्धन कार्यों के लक्ष्य आवंटित कर काम में तेजी लाने के दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ शहडोल

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार शहडोल जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा अभियान को गति देने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी अभियान है इस अभियान को जनता एवं सरकार को मिलकर संचालित करना है। आम जनता को जल संरक्षण संवर्धन एवं प्रबंधन की जानकारी देकर सहभागी बनाना है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्री अरविंद शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला

पंचायत श्री नरेन्द्र सिंह धुर्वे, सहायक आयुक्त, उप संचालक कृषि, जिल समन्वयक जन अभियान परिषद श्री विवेक पांडेय, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन, ग्रामीणा यांत्रिकी सेवा, पीएचई, डीपीसी, सहित अन्य विभागों के अधिकारी तथा सीईओ जनपद पंचायत उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने कहा है कि नए तालाबों, अमृत सरोवरों, के निर्माण, पुराने तालाबों, जलाशयों का जीर्णोद्धार, स्टाप डैमों की साफ-सफाई, एवं कड़ी शटर लगाने के कार्य, कपिल धारा, खेत तालाब, बलराम तालाब, जिन स्थानों पर हैण्डपंप या निस्तारी कुओं, का पानी व्यर्थ में बह रहा है वहां हौज, या रिर्चाज पिट बनाने तथा शासकीय भवनों में रूफ वार्टर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था के निर्देश दिए। आपने कहा कि कृषि विभाग पर ड्राप मोर क्राप के सिद्धांत पर स्प्रिंकलर एवं पाईप लाईन विछाने के कार्य को प्राथमिकता से करें। सीईओ जनपद पंचायत पूर्व में बनाई गई जल संरचनाओं की जानकारी संबंधित तहसीलदार को देकर राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराएं। शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा डीपीसी विद्यार्थियों को जिले में बने वाले नदियों, प्रसिद्ध स्थलों, तथा ऐतिहासित तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों की जानकारी देने के साथ ही निबंध प्रतियोगिता, रंगोली, पेन्टिग प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित कराएं।

कृषि विस्तार अधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

सत्ता सुधार ■ सीहोर

समस्त कृषि विस्तार अधिकारी अपने वषोज़ से लंबित मांगों एवं न्यायसंगत अधिकारों के प्रति ध्यान आकृष्ट कराने हेतु विरोध प्रदर्शन की राह पर अग्रसर होने के लिए विवश हैं। इस संबंध में म.प्र. कृषि विस्तार अधिकारी संघ, कृषि विस्तार अधिकारी साथियों के हित में दिनांक 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक लगातार काली पट्टी बाँधकर अपना विरोध प्रदर्शन करेंगें। तथा परे प्रदेश के समस्त कृषि विस्तार अधिकारी दिनांक 22.04.2025 को सार्मेहिक अवकाश पर रहेगें। विभाग के हित में निम्नानुसार बिन्दुओं पर शासन स्तर से ठोस कदम नहीं उठाये जाने की स्थिति में दिनांक 01.05.2025 से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने के लिये बाध्य होगें।

यह है मांगें

कृषि विस्तार अधिकारियों के वेतनमान में सुधार कर रू. 2100 एवं 2400 के स्थान पर 2800 ग्रेड पे के लिए उच्च न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में बार-बार सहमति दिये जाने के पश्चात भी सर्वेयरों के समान वेतनमान न दिये जाने से समस्त कृषि विस्तार अधिकारियों में घोर अवसाद तथा आकोश की स्थिति है। इस संबंध में तत्काल कार्यवाही की मांग पूरी किये जाने का अनुरोध है। कृषि विस्तार अधिकारी के कार्य तकनिकी होतें है, वर्तमान भर्ती नियमों के अनुसार कृषि विस्तार अधिकारियों की भर्ती के लिये तकनिकी स्नातक डिग्री आर्हता है चूंकि भारतीय अनुसंधान परिषद के आदेश कमांक एफ.न.ई./13-1-2016-एस.आर. दिनांक 06.10.2016 अनुसार कृषि एवं संबंधित विषयों की स्नातक शिक्षा व्यवसाहिक तकनीकी शिक्षा घोषित की गई है। इसलिये कृषि विस्तार अधिकारी पद को तकनिकी पद घोषित किये जाने का अनुरोध है। विस्तार अधिकारियों को पटवारियों के समान 4000 हजार एग्रीस्टेक भत्ता तथा अतिरिक्त केन्द्र का भत्ता 500 रुपये प्रतिमाह के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह किये जाने का अनुरोध है।

शहडोल में जलती कार से मिली जली हुई लाश, हत्या की आशंका, क्षेत्र में हड़कंप

सत्ता सुधार ■ शहडोल/उमरिया

संभागीय मुख्यालय से सटे अर्झुली मार्ग पर बीती रात एक जलती हुई कार में एक व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना शहडोल उमरिया हाईवे से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित अर्झुली मार्ग पर रात लगभग 12 बजे की है।

पुलिस के अनुसार, एक कार में ड्राइवर सीट के पीछे वाली सीट पर एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को जलाने की कोशिश की गई है। स्थानीय लोगों ने जब जलती हुई कार को देखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची घुनघुटी पुलिस ने दमकल वाहन के साथ आग पर काबू पाया, जिसके बाद पीछे वाली सीट पर एक जली हुई लाश मिली। पाली थाना प्रभारी मदन मरावी ने बताया, यह स्पष्ट है कि यह एक हत्या का मामला है। शव की पहचान करना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि शव पुरा जल जाने के कारण पहचान में कठिनाई हो रही है। लेकिन यह एक पुरुष का शव लग रहा है , शव पूरी तरीके से जल गया है कुछ हिस्सा और हड्डियां ही सलामत है।हम इंजन नंबर के जरिए वाहन के मालिक का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पास में स्थित मदारी ढाबे पर रात भर शराबी इकट्ठा होते हैं। इस ढाबे को शराब खोरी का प्रमुख अड्डा माना जाता है। एक स्थानीय निवासी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, यहां रात में अक्सर असामाजिक तत्व इकट्ठा होते हैं। ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इस इलाके में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस के आलाधिकारियों के साथ-साथ फॉरेंसिक और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंच गई है। इस तरह की बढ़ती आपराधिक गतिविधियों ने स्थानीय निवासियों को चिंतित कर दिया है। लोगों का मानना है कि यदि ऐसी घटनाओं पर रोक नहीं लगी, उमरिया का सुरक्षित माहौल खतरे में पड़ जाएगा। शनिवार की सुबह घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को लगते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच मामले की बारीकी से पड़ताल करने के निर्देश थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी को दिए हैं।डीआईजी सविता सुहाने भी मौके पर पहुंची ।

मोहनलाल माहेश्वरी ने की देहदान की घोषणा

खंडवा। मेडिकल के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए मृत देह की आवश्यकता के लिए लायन्स, नेत्रदान एवं देहदान जनजागृति समिति के जागरूकता कार्यक्रम एवं समाचार सेवानिवृत कावेरी स्टेट निवासी मोहनलाल माहेश्वरी ने मृत देहदान की घोषणा की। हस्ताक्षर कर घोषणा पत्र प्लेटफार्म समिति सदस्यों को दिया गया। लायन्स,नेत्रदान एवं देहदान जनजागृति समिति के नारायण बाहेती, डॉ. सोमिल जैन, प्रह्लाद तिरोले,अनिल बाहेती,सुरेंद्रसिंह चिपकने वाले, डॉ. विश्वनाथ पटेल, राजीव शर्मा, उज्वला मुंदड़ा,सुनील जैन,गांधीप्रसाद गडलेन,राजीव जिराफ, लायंस क्लब खंडवा, लियो क्लब खंडवा, लियो क्लब खंडवा और मारिया दधीचि समिति, एवं मेडिकल खंडवा इस मौके पर अरुण बाहेती, डॉ. दिनेश लोवंशी, अंशुल साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री बाहेती ने बताया कि मार्नोपरेंट 16 देह मेडिकल अस्पताल को समिति का सहयोग प्रदान किया जाएगा। 507 लोगों के निधन के बाद उत्सव मनाया गया। नेत्रदान और देहदान की जानकारी और घोषणा पत्र के लिए कभी भी संपर्क किया जा सकता है।

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने दी गर्मी से राहत... अब एक दिन छोड़कर मिलेगा पर्याप्त पानी

सत्ता सुधार ■ सीहोर

नगरपालिका गर्मी में लोगों को पेयजल वितरण में राहत देने जा रही है। शहरवासियों को पिछले दिनों दो दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की जाती थी, जिससे लोगों को तापमान 40 के पार होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर की पहल से गर्मी में राहत मिली है। अब नगर पालिका ने पानी की सप्लाई एक दिन छोड़कर करने का फैसला लिया है। नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित सहित अन्य पार्षदों से चर्चा कर यह जनहितैषी कदम उठाया है।

गर्मी के दिनों में भी नगर पालिका के द्वारा क्षेत्रवासियों को भरपूर मात्र में पेयजल की पूर्ति हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे है। पहले दो दिन छोड़कर पानी की सप्लाई होती थी, नगर पालिका के अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने काहिरी सहित अन्य का जायजा लेने के बाद एक दिन छोड़कर पानी देने की पहल कर दी है और इसके अलावा पानी के स्थाई समाधान के लिए अमृत-2 योजना का भी तेजी से कार्य जारी है। पर्व में नगर पालिका दो दिन छोड़कर पानी सप्लाई कर रही है। जब पार्वती के काहिरी बंधान में पानी का लेबल नीचे आता है तो शेड्यूल बदल दिया जाता है, लेकिन इस भीषण गर्मी में भी नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर के द्वारा अपने क्षेत्रवासियों को एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की व्यवस्था की गई है। इससे पहले काहिरी पहुंचे थे और उसके बाद निर्णय लिया गया। जर्न के समय बारिश शुरू हो जाएगी तो पानी नियमित रूप सप्लाई करने की व्यवस्था भी की जाएगी। नगर के कई क्षेत्रों में कम प्रेशर से नलों से पानी आने की समस्या भी है। लोगों को कम प्रेशर से पानी मिल पा रहा है। यह समस्या कई जगहों पर है। इसका कारण यह है कि कई जगह पाइप लाइन लीकेज हैं जिसके कारण पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता है। कई लोग इस समस्या को लेकर परेशान हैं। इसका निराकरण के लिए शहर की जर्जर पाइप लाइन से मुक्ति दिलाई जाएगी।

खंडवा में पहली बार भव्य वर्षीतप पारणे का आयोजन भजन गायक विक्की डी पारिक ने बांधा समां

सत्ता सुधार ■ खंडवा

शहर में जैन धर्म के अनुपम व्रत वर्षीतप के पारणे का पहली बार भव्य आयोजन किया गया, जिसने सम्पूर्ण जैन समाज को एकत्र कर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस विशेष अवसर पर राष्ट्रपति से सम्मानित सुप्रसिद्ध जैन भजन गायक विक्की डी पारिक ने 'रिश्तों की डोर' कार्यक्रम के माध्यम से अपने मधुर भजनों से सभी को भाव-विभोर कर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन श्वेताम्बर जैन समाज के सचिव मनसुख अक्षय भंडारी द्वारा किया गया था, जिसमें खंडवा सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन समाज के अनुयायी शामिल हुए। इस अवसर पर जीवदया का विशेष संदेश देते हुए गायों को छप्पन भोग अर्पित किया गया, जो इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रहा।

समाजजनों ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकता, सेवा और धर्म की ओर अग्रसर करते हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को भी प्रबल करने वाला सिद्ध हुआ

नरवाई जलाने पर सख्त हुआ प्रशासन किसानों पर कर दी कार्रवाई

सीहोर। जिले में रबी की फसल की कटाई के बाद किसान नरवाई में आग लगाकर खेतों को साफ करते हैं, इस कारण से कई बार आग लगने की घटनाएं घटित हो जाती है। इसे देखते हुए अब प्रशासन सख्त हो गया है। कलेक्टर ने जिले में नरवाई जलाने की रोकथाम के मददेनजर 111 किसानों पर कार्रवाई कर दी है। जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जिले में नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए नरवाई जलाने पर बुधनी अनुभाग के 43 किसानों पर 2,17,500 रूपये तथा भैरूंदा अनुभाग के 68 किसानों पर 3,72,500 रूपये का अर्थदंड लगाया जा चुका है। नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करने के पश्चात भी किसानों द्वारा नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो कि वातावरण, मिट्टी की संरचना एवं पोषक तत्वों तथा उर्वरा शक्ति के लिए नुकसानदायक है। फायर मॉनिटरिंग वेबसाइट पर सभी सम्मिलित विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों का अधिक से अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन कराया जाए, जिससे वन क्षेत्र एवं नरवाई जलाने संबंधी घटनाओं की सूचना समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फायर फाइटिंग सिस्टम को ज्यादा प्रभावशाली बनाया जाए।

कुबेरेश्वरधाम पर पहुंचकर सर्व ब्राह्मण समाज ने पंडित प्रदीप मिश्रा से भेंट की

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठवें अवतार हैं। उनका मानना था कि समस्त जगत का कल्याण हो और धरती पर वैदिक संस्कृति सदैव जीवंत रहे। उन्होंने सर्म्पर्ण जीवन काल में माता-पिता की सेवा के साथ ही सदैव अन्याय एवं अत्याचार के सर्मल नाश के लिए सर्वस्व न्योछावर कर कीर्तिमान स्थापित कर प्रेरणा देने का काम किया। ये विचार जिला मुख्यालय के पास चितावलिया हेमा स्थित निमार्णाधीन मुरली मनोहर व कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि मंडल से भेंट करते हुए कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कही। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दीपक शर्मा सहित अन्य ने आगामी दिनों में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की।

भेंट करने के दौरान समाजजनों ने पंडित मिश्रा को बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अंतर्गत पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समाजजनों की ओर से सभी कथाकारों और समाजजनों को करीब 25 सौ से ज्यादा निमंत्रण कार्ड का वितरण किया जाएगा।

30 अप्रैल को पंजा अर्चना-04 मई को निकाला जाएगा भव्य चल समारोह

सर्व ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि 30 अप्रैल को सुबह भगवान परशुराम की पंजा अर्चना की जाएगी, अभिषेक किया जाएगा और उसके बाद आरती की जाएगी। इसके अलावा महिला मंडल के ओर से कलश पंजन, थाली सजावट सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं आगामी 4 मई को शाम चार बजे विशाल चल समारोह निकाला जाएगा। जो शहर के खजांची लाइन सहित शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए रात 8 बजे शहर के बाल विहार ग्राउंड पर भोजन प्रसादी का इंतजाम किया जाएगा। इस मौके पर पुरुषों के ओर से सफेद कुर्ता-पजामा और महिलाओं के लिए लाल रंग की साड़ी रहेगी। अपील करने वालों में सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दीपक शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष पंडित सुदीप व्यास, महिला संगठन अध्यक्ष नीलम शर्मा, चल समारोह के अध्यक्ष मनीष शर्मा, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोहर शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष महेश दुबे, संयोजक चंद्रकिशोर शर्मा, विनय भटेले, युवा संगठन अध्यक्ष रजत व्यास, महामंत्री रमांकान्त समाधिया, महिला संगठन चल समारोह अध्यक्ष प्रतीक्षा शर्मा, युवा महिला संगठन अध्यक्ष बरखा शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील दुबे-रुपेश तिवारी आदि शामिल है।

अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अति प्राचीन बावड़ी पटना बुजुर्ग में हुआ श्रमदान

जल स्रोत हमारी प्राचीन धरोहर हैं : जिला पंचायत सीईओ फुलपगारे

प्राचीन बावड़ी की सफाई एवं जीर्णोद्धार से जागी जल संरक्षण की चेतना

सत्ता सुधार ■ दमोह

जल स्त्रोत हमारी प्राचीन धरोहर हैं और इनका संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसी उद्देश्य के साथ आज ग्राम पंचायत पटना बुजुर्ग में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्थित अति प्राचीन बावड़ी (बिहर) की सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य की शुरुआत की गई। यह कार्य सीईओ जिला पंचायत दमोह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणजनों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए बावड़ी की सफाई की। कार्यक्रम के बाद जल चौपाल का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे ने कहा जल स्त्रोत हमारी प्राचीन धरोहर हैं और इनका संरक्षण व संवर्धन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा सभी लोग अपने घरों में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) के माध्यम से भू-जल स्तर को बनाए रख सकते हैं आयोजन ने न केवल इस प्राचीन जल स्त्रोत को पुनर्जीवित किया, बल्कि सामूहिक सहभागिता और पारंपरिक श्रमदान की भावना को भी सशक्त किया।

ग्राम के अमर सिंह लोधी ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा ÷हमारे गांव में पूर्व में श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की परंपरा थी, जो अब इस अभियान से पुनर्जीवित हो रही है। इसके लिए हम मध्यप्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के आभारी हैं।

कार्यक्रम में कृष्णा पटेल ने भी युवाओं को प्रेरित किया और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर दमोह जनपद पंचायत सीईओ हलदर मिश्रा, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव, विकासखंड समन्वयक वंदना जैन, बबली विश्वकर्मा, कृष्णा पटेल, आरिफ खान, सरपंच कमला बाई/अमर सिंह, देवेंद्र सिंह, पन्ना लाल यादव, भगवती/वीर सिंह लोधी, लक्ष्मण सिंह, सुधीर खरे, अजय कुमार असाटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों एवं युवाओ की उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 01 मई से पंजीयन प्रारंभ

सागर। संचालनालय, खेल और युवा कल्याण म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रषिक्षण शिविर का आयोजन दिनॉक 01 मई 2025 से खेल परिसर सागर में 15 खेलों में किया जा रहा है। जिसमें 08 वर्ष से 19 वर्ष तक के आयु वर्ग के बालक/बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते है। खिलाड़ी अपना पंजीयन कार्यालयीन समय में खेल परिसर सागर में करा सकते है। अथवा षिविर के विभिन्न खेलों के प्रषिक्षक से संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते है। पंजीयन हेतु खिलाड़ी को निर्धारित आवेदन पत्र के साथ, जन्म तिथि प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। जिला मुख्यालय पर खेल परिसर सागर- बास्केटबॉल-श्री प्रेमनेती राय मो.नं.-9754289234] व्हालीबॉल-श्रीमती सीमा चक्रवर्ती] मो.नं.-8878181168, हॉकी-श्री उमेषचन्द्र मोर्य मो.नं.-9380049142 एवं श्री नफीस खान मो.नं.7879222075] फुटबॉल-श्री विषाल तोमर मो.नं.-9131230483] कबड्डी-श्रीमती संगीता सिंह] मो.नं.-9826278476] एथलेटिक्स-श्री मंगल सिंह यादव मो.नं.-9752778714] मलखम्ब-श्री श्यामलाल पाल] मो.नं.-9893968981] टेबल-टेनिस-श्री शैलेन्द्र यादव,मो.नं.-7987579594] योगा-कु.वंदना तिवारी] मो.नं.8463066067] ताईक्वांडो-कु.रीमा ठाकुर] मो.नं.-8889165723] कूडो-कु.मेघा भोजक] मो.नं.-7509644201] बैडमिंटन-श्री मिलन्द देउस्कर] मो.नं.-9827597797। कुष्ती-षिवाजी व्यायाम शाला चकराघाट-श्री नरेन्द्र सोनी] मो.नं.7697965332, खो-खो-श्री कमलेष कोरी] मो.नं.6261857523] लॉन टेनिस-श्री नरवहादुर सिंह राजपूत] मो.नं.-8770381306 से संपर्क कर सकते है, अथवा अधिक जानकारी के लिए खेल परिसर सागर में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

सहयोगी छाया मोरे के प्रयास से छैगांवमाखन को मिलेगी आईटीआई की शुरुआत

खंडवा। पंधाना विधानसभा क्षेत्र में लगातार प्रदेश सरकार द्वारा संचालित छाया मोराई के सक्रिय प्रयास के साथ लगातार प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शैया मोराई के सतत प्रयास से विकासखंड छैगांवमाखन में नवीनीकृत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (एआईटीआई) की स्थापना की परंपरा मिल रही है। वैट के प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि किस क्षेत्र में युवाओं को कौशल, तकनीकी शिक्षा का लाभ प्राप्त हो इस सहयोगी छाया मेरे द्वारा मुख्यमंत्र एवं उद्योग मंत्री को पत्र लिखा गया था जिसमें सफलता प्राप्त हुई है। क्षेत्र के युवाओं के कौशल एवं स्वामित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ज्ञात हो कि विधायक छाया मोरे ने 30 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री को छैगांवमाखन में आईटीआई की मांग की मांग करते हुए पत्र दिया था।

विधायक लारिया ने सानोधा में लव जिहाद संवेदनशील मामले में त्वरित कार्यवाही के दिये निर्देश

मौके पर कलेक्टर, एस.पी. के साथ सानोधा पहुंचे

सत्ता सुधार ■ सागर

18 अप्रैल की दरम्यानी रात्रि में ग्राम सानोधा में विशेष समुदाय के लड़के अनस अली द्वारा हिंदू समुदाय की बच्ची को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का संवेदनशील मामला प्रकाश में आने पर नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने 18 अप्रैल को एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा एवं थाना प्रभारी सानोधा से दूरभाष पर लव जिहाद प्रकरण की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुऐ योजनाबद्ध तरीके से कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

19 अप्रैल को ग्राम सानोधा में 400-500 की संख्या में एकत्रित परिजनों एवं ग्रामवासियों ने लव जिहाद मामले में किशोरी के अपहरण के आरोपी अनस अली की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किया। इस बात की खबर लगते ही विधायक लारिया ने दूरभाष पर कलेक्टर संदीप जी.आर.,पुलिस अधीक्षक विकास सहवाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) लोकेश सिन्हा को मामले की गंभीरता से अवगत कराकर मौके पर सानोधा पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने उग्र प्रदर्शन करते हुए आगजनी और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया।पुलिस प्रशासन ने आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज किया। जिसमें विधायक लारिया के पैर में चोट लगी।विधायक लारिया ने ग्राम पंचायत सानोधा एवं क्षेत्र के नागरिकों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ग्रामवासियों को भरोसा दिलाया कि इस संबंध में शीघ्र से शीघ्र कड़ी कार्यवाही की जाएगी।ग्रामवासियों ने विधायक लारिया को अवगत कराया की अनस अली की यह दूसरी ऐसी हरकत है। पहले भी किसी लड़की को भगा कर ले गया था। अनस अली और इनका पूरा परिवार लंबे समय से अवैध शराब,जुआ और सट्टा का संचालन कर रहा है। इनका परिवार सानोधा स्थित पुरातत्व जमीन एवं राजस्व की सरकारी जमीनों पर अवैध अतिक्रमण किए हुए हैं। इनके परिजन अकबर की 10 सरकारी जमीन जगहों पर अवैध कब्जा है। इनका परिवार ब्यूटी पार्लर का संचालन कर क्षेत्र की बहन बेटियों को बहलाने फुसलाने का काम कर रहा है। यह ब्यूटी पार्लर अवैध कामों का केंद्र है।

विधायक लारिया ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन से प्रकरण की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए। परिजनों एवं ग्रामवासियों को समझाईश देकर प्रकरण में आरोपी अनस अली की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। विधायक लारिया की समझाईश के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

मौत को आमंत्रण दे रहे परिवहनकर्ता

बेखोप परिवहनकर्ता अपने वाहन दौड़ा रहे, ना ही उन्हें शासन, प्रशासन, नियमों का डर

राकेश सेन ■ बीना(सागर)

लगातार हो रहे सड़क हादसे, जिनसे कई लोग मौत के शिकार हो जाते हैं। नियमों का पालन न करते हुए बेखोप परिवहनकर्ता अपने वाहन दौड़ा रहे हैं ना ही उन्हें शासन और प्रशासन की चिंता है ना ही उनसे कोई बोलने वाला। बेखौफ शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।बगैर रिफलेक्टर के वाहन सड़कों पर हादसों का कारण बन रहे हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या में ट्रैक्टर ट्राली बगैर रिफ्लेक्टर के चल रहे हैं, जिनसे हादसे होने पर हर साल कई लोगों की मौत होती है।

खुरई, कुरवाई,खिमलासा, आगासौद मार्ग पर सैकड़ों ट्रैक्टर ट्राली भूसा लदा रहता है, सड़कों पर दौड़ रहे इन व्यावसायिक ट्रैक्टर ट्राली में रिफ्लेक्टर नहीं लगे रहते हैं । ट्रालियों में बैक लाइट न होने से रात में पीछे चलने वाले लोगों के साथ हादसे की संभावना रहती है।

अंधेरे में भूसा से ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली में ले जाते लोग

लोडिंग गाड़ियों में रिफ्लेक्टर नहीं लगे रहते हैं, लेकिन इनसे पूछने वाला कोई नहीं था। लोडिंग वाहन में अधिकांश लोहे की राड का परिवहन करते समय उनमें भी पीछे संकेतक के लिए रेडियम व रिफ्लेक्टर नहीं रहते। भूसा लेकर चल रही ट्रैक्टर ट्रालियों लोडिंग वाहन परिवहन करते समय हादसे का डर बना रहता है।

मुख्य मार्ग पर परिवहन वाहन खड़े रहते हैं

लोगों का कहना है कि रात के समय सड़क पर चलने या खड़ी ट्रालियों, परिवहन करते लोडिंग गाड़ीओ पर रिफ्लेक्टर नहीं लगा होने से यह अंधेरे होने या वाहनों दूसरे वाहनों की लाइट पड़ने पर दिखाई नहीं देते हैं। इससे वाहनों की ट्रालियों से टकराने की संभावना रहती है।पुलिस अभियान चलाकर सभी वाहनों में रिफलेक्टर अनिवार्य करें, जिससे हादसों से बचा जा सके। वहीं आरटीओ अधिकारी के मुताबिक सभी वाहनों में रिफलेक्टर लगा होना चाहिए। इसकी जांच की जाएगी। वाहन चालकों को रिफलेक्टर लगाने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए।

कलेक्टर ने छोटे नदी, नालों, बावड़ियों को पुनर्जीवित करने के दिए हैं निर्देश

जन सामान्य में आ रही है जल संरक्षण के लिए जागरूकता

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पानी के स्रोत किये जा रहे संरक्षित

सत्ता सुधार ■ सागर सागर

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर संपूर्ण जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चल रहा है।अभियान के अंतर्गत पानी संकट दूर करने के लिए, पानी रोकने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस अभियान के माध्यम से छोटे नदी, नालों, बावड़ियों को पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी ग्राम पंचायत भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टर सिस्टम तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं जिससे पानी रोकने में सहायता होगी।

उन्होंने सभी एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ को निर्देश दिए हैं कि वह अपने अनुभाग में ऐसे छोटे नदी नालों को चिन्हांकित कर उसकी संकलित जानकारी की रिपोर्ट भेजें और इस दिशा में किए गए कार्य का विवरण प्रस्तुत करें। इस कार्यवाही की समय सीमा बैठक में भी समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जल स्त्रोतों के पास चेक डैम बनाया जाए जिससे पानी रोका जा सके साथ ही रिचार्ज पिट भी बनाएं जिससे जल संवर्धन का कार्य भी किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम सभी को जागरूक रहते हुए इस दिशा में लगातार प्रयास करना होगा। जल संरक्षण के लिए समाज के सभी वर्गों की भूमिका है उन्होंने जन सामान्य से भी अपील की है कि वे अपने घरों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ-साथ रिचार्ज पिट/सम्प वेल भी अवश्य बनवाएं, यह हमारे भविष्य को ही सुरक्षित रखने का एक प्रयास है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की अवधारणा जनसहभागिता से जल संरक्षण और संवर्धन'' पर केन्द्रित है। इस अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस पास पौध रोपण के कार्य प्राथमिकता पर किये जायेगें। समाज की सहभागिता के लिए जल संरक्षण जागरूता के कार्यक्रम आयोजित किये जाये। संपूर्ण अभियान को इस तरह से नियोजित किया जाये जिससे यह अभियान समाज और सरकार की सहभागिता से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन सके। जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 जून तक संचालित होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में सागर के सभी विकासखंडों की जन अभियान परिषद की महती भूमिका रही है। विभिन्न जन अभियान परिषदों ने अभियान में जल संरक्षण को लेकर रैलियां सभाएं आयोजित कर जल संरक्षण का संदेश जन जन तक पहुंचाया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जन सामान्य में आ रही है जल संरक्षण के लिए जागरूकता

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशन में चल रह जल गंगा संवर्धन अभियान से जन सामान्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है वह जल संरक्षण को लेकर संवेदनशील हुए है। कलेक्टर के प्रयासों के ही नतीजा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जन सामान्य बढ़ चढ़ के हिस्सा ले रहा है। अभियान के अंतर्गत होने वाली रैलियों, सभाओं में जन सामान्य जल संरक्षण के प्रति रुचि ले रहा है।

रीवा-चर्लपल्ली-रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी

बीना(सागर)। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01704/01703 रीवा - चर्लपल्ली - रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10-10 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 01704 रीवा - चर्लपल्ली द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10 ट्रिप)गाड़ी संख्या 01704 रीवा - चर्लपल्ली विशेष ट्रेन दिनांक 24 अप्रैल 2025 से 25 मई 2025 तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 13ः00 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 19ः50 बजे बीना, 22ः00 बजे रानी कमलापति, 23ः35 बजे इटारसी एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन दोपहर 14ः45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली - रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10 ट्रिप) : गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली - रीवा विशेष ट्रेन दिनांक 25 अप्रैल 2025 से 26 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को शाम 16ः55 बजे चर्लपल्ली स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 12ः25 बजे इटारसी, 15ः40 बजे रानी कमलापति, 18ः15 बजे बीना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद तीसरे दिन सुबह 03ः30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट : रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में चर्लपल्ली, जनगांव, काजीपेट जंक्शन, पेड्डापल्ली, मंचेराल, बेलमपल्ली, सिरपुर कागज़नगर, बल्हारशाह, नागपुर जंक्शन, आमला जंक्शन, बैतूल, इटारसी जंक्शन, रानी कमलापति, बीना जंक्शन, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर, सतना, रीवा स्टेशनों पर रुकेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा ह्ल्ल्ल्श्वस्/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

नपाध्यक्ष ने प्रातः काल किया नगर का भ्रमण

देखी सफाई व्यवस्था, कर्मचारियों को दिए दिशा निर्देश, कहा अपने कार्य के प्रति रहे वफादार

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने नगर में साफ सफाई कैसी क्या चल रही है देखने के लिए प्रातः काल नगर का भ्रमण किया।भ्रमण के दौरान मुख्य सड़क के साथ गली मोहल्लों में पहुंच कर साफ सफाई का जायजा लिया एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया।शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए नगर पालिका अनेक प्रयास कर रही है, लेकिन इसके बावजूद भी शहरवासियों को सफाई व स्वच्छता का माहौल नहीं मिल पा रहा है हर दिन नपाध्यक्ष को अनेकों शिकायतें मिल रही थी, आज उन्होंने प्रातः काल सीएमओ रामप्रकाश जगनेरिया के साथ नगर में औचक निरीक्षण किया।इस दौरान नपाध्यक्ष ने लापरवाही करने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात कही की।

सीएमओ ने दिए दोषी कर्मचारी का वेतन काटने का आदेश

निरीक्षण के दौरान नवीन चन्देल के प्रभार एवं सत्यनारायण स्वच्छता प्रभारी के क्षेत्र में जला हुआ कचरा पाया गया था जिसको अनुशासनहीनता एवं अपने कार्य के प्रति लापरवाही मानते हुए 05 दिवस का वेतन तत्काल प्रभाव से काटने के आदेश जारी किया।साथ ही नवीन चन्देल एवं अन्य सभी वार्ड प्रभारियों को आदेशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी सफाई कर्मचारियों पर ध्यान देते हुये सफाई कार्य कराना सुनिश्चत करें। जिस भी प्रभारी के क्षेत्र में सफाई सही नहीं होने एवं कचरे में आग लगाने की शिकायतें प्राप्त होंगी उसके लिये सम्बन्धित प्रभारी एवं वार्ड प्रभारी का उत्तर दायित्व निर्धारित करते हुये उसके खिलाफ दंण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी का होगा गठन: पटवारी

पीसीसी चीफ का शाहगढ़ में हुआ जोरदार स्वागत , अल्पप्रवास के दौरान कार्यकर्ताओ से मिले

सत्ता सुधार ■ शाहगढ़(सागर)

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार की सुबह अल्प प्रवास पर शाहगढ़ पहुचे जहा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने अपने प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि एकजुट होकर जनता की समस्याओं का निराकरण करवाओ जिससे लोगो को भ्रष्टाचार के सिस्टम से परेशान न होना पड़े वही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि शीघ्र ग्रामपंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया जा रहा है जिसमे सभी सहयोग करेंगे , अल्प प्रवास के दौरान नेशनल हाईवे स्थित पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलबंत सिंह बुंदेला के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जहा पीसीसी चीफ का अल्प प्रवास के दौरान स्वागत किया गया।वही प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी कार्यकर्ताओं से रूबरू हुये एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संबंध में जानकारी ली एवं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओ को सागर में आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रम में पहुचने के लिए कहा कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए जहा सभी ने पीसीसी चीफ का स्वागत किया।

कांग्रेस का जिला स्तरीय सम्मेलन सागर में आयोजित हुआ

मध्य प्रदेश सरकार में बैठे हुए नुमाइंदे केवल कमाने में लगे हुए हैं: जीतू पटवारी

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

सागर के मकरोनिया स्थित निजी होटल में कांग्रेस जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, सह प्रभारी चंदन यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,जिला कांग्रेस प्रभारी घनश्याम सिंह, जिला सह प्रभारी मनोज कपूर, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष आनंद अहिरवार सागर शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर, राजा बुंदेला , सहित विभिन्न जिले के ब्लॉक स्तर से पधारे सेंकड़ों कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने संबोधन में कहा मध्य प्रदेश सरकार बैठे हुए नुमाइंदे केवल कमाने के लिए लगे हुए हैं।उन्हें प्रदेश की जनता से कोई लेना-देना नहीं उन्होंने संगठन को लेकर कहा कि पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश और जिला स्तर पर अब कांग्रेस कार्यकर्ता ही अपने नेता को चुनेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने राहुल गांधी के संदेश सुनाते हुए कहा कांग्रेस में सृजन वर्ष चल रहा है इसमें संगठन का पंचायत से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सृजन किया जाएगा और इसमें कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होगा इसमें जो भी फूल छाप कांग्रेसी हैं वह अपना रास्ता अलग चुन लें। प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी चंदन यादव ने कहा कि कांग्रेस पांच उद्देश्यों को लेकर चल रही है हम उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आप सबके बीच आए हुए हैं।कार्यक्रम में पधारने से पूर्व बुंदेलखंड के परंपरा अनुसार आए हुए अतिथियों का पगड़ी बांधकर अभिनंदन किया गया।

बीना से पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंदर यादव, पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग ठाकुर पी पी नायक, सुरेश तिवारी नाही, चंद्रशेखर बबलू राज, छोटा बाबू राय,सत्यपाल पटेल, एडवोकेट राजाराम अहिरवार, भाव सिंह ,सतीश तिवारी हरि नारायण कुशवाहा, तुलाराम अहिरवार, मेहरबान, प्रमोद राय, पुरुषोत्तम तिवारी, ममता अहिरवार, एडवोकेट कृष्णा केथोरिया, देवेंद्र कुशवाहा, विवेक मिश्रा, शहजाद हुसैन, देवेंद्र नायक, उमा महेंद्र नवैया, विजय सिंह, कल्याण सिंह, जगदीश कुर्मी, अमित सिंह ठाकुर, रितिक सिंह ठाकुर, अशोक परिहार, सुखलाल अहिरवार, जनपद पंचायत सदस्य शिवकुमार चढ़ार, देवीलाल नामदेव, विमला अहिरवार, देवेंद्र राय, विक्रांत गोलंदाज , खिमलासा से पधारे सुरेंद्र बुंदेला, कमलेश सिंघाई, मुकेश कुर्मी, प्रवीण पस्तोर, राकेश हजारी, उदय भान अहिरवार, राजपाल लोधी, मंडी बामोरा, से अनिल पालीवाल, पुष्पेंद्रपालीवाल, खुरई से एडवोकेट शाकिर अली,आशु भाई जान,हरविंदर चावला, अंशुल परिहार,चंद्रशेखर वत्सल जी, पप्पू यादव अजब सिंह लोधी अरविंद लोधी अमन लोधी मंजिली राजा अनिकेश,के अलावा आठों विधानसभा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल से बाहर चल रहे कुछ क्रिकेटर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलेंगे

मुम्बई। आईपीएल से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कुछ खिलाड़ी अगले माह हइंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में भारत ए टीम ओर से खेल सकते हैं। भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मई-जून में चार दिवसीय दो मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस दौरे का पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगा। भारतीय टीम सला 2007 के बाद से ही यहां पहली सीरीज जीतने उतरेगी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में होगा। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी इस समय आईपीएल टीमों से खेल रहे हैं। जिसके नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। भारतीय चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे से पहले भारत 'ए टीम की घोषणा करने के लिए काफी समय मिल गया है और ऐसे में पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे करुण नायर को टीम में जगह मिल सकती है।

जब धोनी ने गुस्से में बदला होटल : स्मिथ

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने शांत और संयमित व्यवहार के कारण कैप्टन कूल के नाम से लोकप्रिय हैं। धोनी आजकल रितुराज गायकवाड़ के आईपीएल सत्र से बाहर होने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी कर रहे हैं। वहीं सीएसके की ओर से खेलने वाले वेस्टइंडीज के ड्वेन स्मिथ ने कहा है कि वैसे तो धोनी बेहद शांत रहते हैं और उन्होंनें अपने करियर में दो बार उन्हें गुस्सा होते हुए भी देखा है। स्मिथ ने कहा, एक बार अश्विन ने एक कैच छोड़ दिया था जबकि वह बेहद आसान कैच था पर उसके बाद धोनी ने नाराज होकर अश्विन को स्लिप से हटाकर किसी जगह भेज दिया। स्मिथ ने कहा कि ये पहली बार था जब मैंने उन्हें गुस्सा होते हुए देखा।

फ्रेजर को अभी टीम में बनाये रखे कैपिटल्स : बदानी

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी को उम्मीद है कि इस आईपीएल सत्र में अबतक विफल रहे दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के जेक फेजर-मैकगर्क आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। फेजर अब तक इस सत्र में छह मैचों में केवल 55 रन ही बना पाये हैं। वहीं इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र के नौ मैचों में 330 रन बनाए थे। दिल्ली टीम अभी छह मैचों में से पांच में मिली जीत के बाद अंक तालिका में नंबर एक पर है। बदानी को उम्मीद है फेजर को टीम का समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि फेजर एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमें अच्छी शुरुआत देता है और वह एक मैच विजेता है हालांकि पिछले साल की तुलना में उसका प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अभी टीम मजबूत स्थिति में है।

सउदी अरब में मैकलरेन के चालक ब्रिटेन के नोरिस दूसरे अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए।

आईपीएल में आरसीबी पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी आरसीबी

दोपहर 3.30 बजे से होगा मैच...

एजेंसी ■ मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब की टीम अभी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है ओर ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को हुए मैच में उसने आरसीब के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। आरसीबी के बल्लेबाज उसके गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये थे। केवल टिम डेविड और रजत पाटीदार ही दो अंकों में पहुंचे थे। आरसीबी के पास फिल साल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं जिनको अब इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी अभी अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और अगर उसे शीर्ष चार में जगह बनाए रखनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना प्रदर्शन में बेहतर बनाना होगा। आरसीबी इस मैच में बेहतर शुरुआत प्रदान करने के लिए साल्ट और कोहली से उम्मीद करेगी और मध्य क्रम में स्थिरता प्रदान करने की जिम्मेदारी पाटीदार, लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और डेविड पर रहेगी। गेंदबाजी की कमान जोश हेज़लवुड और भुवनेश्वर कुमार आक्रमण करेंगे।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। उसने सात में से पांच मैच में जीत हासिल की है और वह अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स के बाद दूसरे स्थान पर है। पंजाब के गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन तेज सफल रहे हैं। स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल ने बीच के ओवरों में विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई है। साबित कर दिया है। अय्यर ने भी पंजाब की जीत में चहल के योगदान की सराहना की। साथ ही कहा कि चहल को रनों की चिंता छोड़कर विकेट लेने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी करने को कहा गया है।

पंजाबी की बल्लेबाजी युवा प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, प्याला अविनाश।

आरसीबी की अपने घरेलू मैदान पर तीसरी हार

एजेंसी ■ बेंगलुरु

पंजाब किंग्स ने बारिश से बाधित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही आरसीबी की टीम को अपने ही घरेलू मैदान में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 14 ओवरों में 96 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 11 गेंद पहले ही प्राप्त कर लिया। इसी के साथ ही पंजाब किंग्स को पांचवे मुकाबले में जीत मिली है जिससे उसकी प्लेऑफ की दावेदारे और पक्की हो गयी है। बारिश के कारण ये मैच 14-14 ओवरों का कर दिया गया था। इस मैच में हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत खराब रही। प्रियांश आर्य और इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे प्रभसिमरन सिंह शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। प्रभसिमरन 13 जबकि प्रियांश 16 रन ही बना पाये। इसके बाद श्रेयस अय्यर और जोश इंगलिस भी 7 और 14 रनों पर ही आउट हो गये। . नेहाल वढेरा और शशांक सिंह के बीच 28 रनों की साझेदारी से पंजाब आगे बढ़ी। इसमें नेहल ने ही पूरे रन बनाये और शशांक केवल 1 रन बनाकर उनका साथ देते दिखे। नेहाल ने तीन चौके और छक्के लगाकर नाबाद 33 रन बनाए जबकि स्टोइनिस 7 रनों पर नाबाद रहे। इस मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाज करते हुए 14 ओवर्स में 9 विकेट पर 95 रन बनाए। कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया और दो अंकों तक भी नहीं पहुंचा। केवल टिम डेविड ने ही 50 रन बनाये।

राहुल ने अपने जन्मदिन पर नवजात बेटी इवारा की तस्वीरें साझा की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल 19 अप्रैल को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर राहुल उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने अपनी नवजात बेटी की पहली तस्वीर सार्वजनिक की। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम इवारा रखा है, जिसका मतलब है भगवान का उपहार। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के आते ही प्रशंसकों ने उसे काफी पसंद किया। राहुल और अथिया की बेटी का जन्म पिछले माह 24 मार्च हुआ था। अब दोनों ने अपने बेटी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें राहुल बेटी को गोद में लिए हुए हैं और अथिया प्यार भरी नजरों से उन्हें देख रही हैं। इस लिखा था- हमारी बेटी, हमारे लिए सबकुछ हैं इवारा। राहुल ने बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल बताया है।इसमें इवारा का अर्थ भगवान का उपहार है, विपुला उनकी परदादी और रक्षक के सम्मान में रखा गया है, और राहुल उनके पिता के नाम से लिया गया है। इस तस्वीर में इवारा राहुल के कंधे पर लेटी हुई है पर उसका चेहरा छिपा हुआ है। बॉलीवुड सितारों और प्रशंसकों ने इसके कमेंट सेक्शन में प्यार और बधाइयां दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लाल हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा- नाम बताने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। जन्मदिन की बधाई हो केएल। वहीं अथिया के पिता अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक भावुक जन्मदिन संदेश साझा करते हुए राहुल को सबसे कीमती उपहार बताया।

आईपीएल अंकतालिका : पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर पहुंची

एजेंसी ■ मुम्बई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल के सात मैचों में मिली पांचवी जीत के साथ ही अंक तालिका में बदलाव आया है और पंजाब किंग्स की टीम अब दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। पंजाब की इस जीत से गुजरात टाइटंस और आरसीबी को नुकसान हुआ है और गुजरात के स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे और आरसीबी चौथे स्थान पर खिसक गयी है। इस जीत के साथ ही पंजाब के अब 7 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स अभी भी 10 अंक लेकर पहले नंबर पर बनी हुई है। उसने 6 में से 5 मैच जीते हैं जिस कारण वह पहले स्थान पर है। गुजरात टाइटंस (6 मैचों में 4 जीत) और आरसीबी (7 मैचों में 4 जीत) के साथह ही 8-8 अंकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

वहीं मैच की बात करें तो बारिश से प्रभावित मुकाबले में पंजाब ने 5 विकेट से जीत हासिल की। ये मैच 14-14 ओवर का कर दिया गया था। इसमें आरसीबी ने पहले खेलते हुए टिम डेविड के 50 रनों की सहायता से 95 रन बनाये। इसके बाद पंजाब ने ये मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। पंजाब किंग्स को पांच विकेट से जीत दिला दी। नेहल ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 33 तो स्टोइनिस ने 2 गेंदों पर 7 रन बनाए। वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की बात करें तो निकोल्स पूरन 7 पारियों में 59.90 की औसत और 357 रनों के साथ ही दौड़ में पहले नंबर पर हैं। सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नूर अहमद अभी भी 12 विकेट लेकर पहले नंबर पर हैं पर आरसीबी के जोस हेजलवुड अगले मैच में उन्हें पीछे कर सकते हैं। हेजलवुड के भी 12 विकेट हैं हालांकि इकोनॉमी 8.17 की होने के कारण वह पीछे चल रहे हैं।

विराट ने बताया अनुष्का को अपनी शक्ति

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि पत्नी अनुष्का शर्मा उनकी शक्ति हैं वह मेरी स्थिति को समझती है। विराट ने कहा कि वह अनुष्का को केवल एक पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारे के रूप में भी देखते हैं। साथ ही कहा कि मानसिक रुप पत्नी के साथ मेरी बहुत सारी बातचीत होती है। अनुष्का और मैं मन की जटिलता के बारे में बात करते है। इसके साथ ही हम नकारात्मकता पर भी बात करते है कि ये कैसे आपको अपनी तरफ खींच सकती है। पत्नी अनुष्का को लेकर उन्होंने कहा कि वह मेरे लिए शक्ति स्तंभ की तरह है क्योंकि वह स्वयं भी उस जगह पर हैं,जहां उन्हें बहुत सारी नकारात्मकता का सामना करना पड़ा है। इसलिए वह मेरी स्थिति को समझती हैं और मैं उनकी स्थिति को समझता हूं और एक जीवन साथी होना जो ठीक-ठीक समझता है कि आप क्या सोच रहे हैं, महसूस कर रहे हैं और किस हालात से गुजर रहे हैं सबसे महत्व पूर्ण होता है।

पाटीदार ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

एजेंसी ■ बेंगलुरू

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में मिली हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। पाटीदार ने कहा कि टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा पर बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। इस मैच में फिल सॉल्ट, विराट कोहली और लियाम लिविंगस्टोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी शुरुआत में ही आउट हो गये। केवल टिम डेविड और पाटीदार ही दो अंकों तक पहुंच पाये। टिम ने अर्धशतक लगाया था जबकि रजत ने 18 गेंदों में 23 रन बनाए थे।

पाटीदार ने मैच के बाद हार के कारणों को लेकर कहा, शुरुआत में पिच अच्छी नहीं थी पर हम बल्लेबाजी इकाई के तौर पर और बेहतर कर सकते थे। साझेदारियां अहम होती हैं पर हमने जल्दी-जल्दी विकेट खो दिए और यही हमारे लिए नुकसानदेह रहा है। विकेट लंबे समय तक कवर के नीचे था, जिससे पंजाब के गेंदबाजों को सहायता मिली, इसका श्रेय उन्हें जाता है।

पाटीदार ने साथ ही कहा, आगे में मैचों में विकेट चाहे जैसा भी हो, हमें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी और विजयी स्कोर बनाना होगा। हमारी गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जो हमारे लिए राहत की बात है। हमें बल्लेबाजी इकाई में अपनी गलतियों को ठीक करना होगा। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी केवल 95 रन ही बना पायी जिस कारण उसे हार का सामना करना पड़ा।

गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

एजेंसी ■ ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफएलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने इस परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि यह नया स्टेडियम क्रिकेट और अन्य खेलों के लिए एक शानदार मंच बनेगा।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा बोले, पांड्या कभी हार नहीं मानते

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बेहद जुनूनी हैं और कभी हार नहीं मानते। जडेजा ने कहा है कि उन्हें पांड्या की यही खूबी बेहद पसंद है। साथ ही कहा कि वह हर हाल में टीम का नेतृत्व करने तैयार रहते हैं। इस सत्र की शुरुआत से ही टीम का अभियान लगातर हार से कमजोर पड़ा था जो अब पटरी पर आने लगा है। टीम ने इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। । पांड्या ने अब तक छह मैचों में 11 विकेट लिए हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। जडेजा ने कहा, पांड्या आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या फिर मैदान के बाहर। वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। उनके बारे में एक बात यह है कि वह कभी हार नहीं मानते। पिछला साल उनके लिए अच्छा नहीं रहा, पर इस साल शुरुआत में अच्छे परिणाम नहीं मिलने के बाद भी वह अपनी शैली पर बने रहे।

नोएडा मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। ग्रेटर नोएडा मेट्रो लाइन के 12 स्टेशनों पर मई में पार्किंग शुरू होगी। इसके लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने टेंडर जारी कर दिया है। चार मेट्रो स्टेशनों पर पार्किंग के लिए एजेंसी का चयन हो चुका है। अधिकारियों ने बताया कि एक्वा लाइन पर कुल 21 स्टेशन हैं।

नई कहावत! पढ़ोगे-लिखोगे-खेलोगे तो बनोगे बड़े नवाब...

केडी सिंह बाबू स्टेडियम...लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन, कहा

- हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया
- अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही लखनऊ
- जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों पर इस समय हजारों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार को सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज हुआ। रक्षामंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि एक समय था, जब लोग खेलों के महत्व को समझे बिना कहा करते थे कि खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब। लेकिन, मैं समझता हूं कि नई कहावत मार्केट में आ गई है कि पढ़ोगे, लिखोगे और खेलोगे तो बनोगे उससे भी बड़े नवाब। आज माता-पिता अपने बच्चों को लिएंडर पेस, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा, पीवी सिंधु की तरह बड़ा खिलाड़ी बनते हुए देखना चाहते हैं। पीएम मोदी की प्रेरणा से कई सांसदों ने अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। इस कड़ी में अब लखनऊ का नाम भी जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह जरूरी है कि खेल और खिलाड़ियों को महत्व दिया और उन्हें समझा जाए। रक्षामंत्री ने कहा कि लखनऊ शहर अपने स्पोर्टिंग कल्चर के लिए उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश विदेश में भी जाना जाता रहा है। जिन महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडिमय जाना जाता है, उन्होंने यहां पर काफी लंबा समय बिताया है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया है। यहां की खेल संस्कृति को उन्होंने संवारा और निखारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही है।

स्मृतियां आज भी कायम

रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय था जब इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शीशमहल ट्रॉफी के नाम पर क्रिकेट टूर्नामेंट होता था। टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी यहां खेलते नजर आते थे। भले ही वह टूर्नामेंट अब नहीं होता, लेकिन उसकी स्मृतियां आज भी लोगों के जेहन में कायम हैं।

प्रयागराज में टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग

ऊंची-ऊंची लपटें और आसमान में धुएं का गुबार

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र में स्थित परेड ग्राउंड के पास एक टेंट के गोदाम में आग लग गई है। ऊंची-ऊंची लपटें उठीं। आग पर दमकल की गाड़ियां काबू पाने में जुट गईं। परेड ग्राउंड स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार की सुबह आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई। आग का भयावह रूप देख इलाके में हड़कंप मच गया। ऊंची-ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुएं के गुबार दिखाई दिए। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया। राहत की बात यह रही कि आग लगने की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के लिए टेंट लगाने का सामान सप्लाई करने वाली एक कंपनी के गोदाम में शनिवार सुबह आग लग गई। घटना स्थल के पास एक अन्य गोदाम में काम करने वाले राहुल ने दावा किया कि सिलेंडर फटने की आवाज सुनी गई थी।

ब्रीफ न्यूज

भूमि घोटाला: पूर्व आईएएस से ईडी ने की पूछताछ

लखनऊ। नोएडा के हैसिंडा प्रोजेक्ट भूमि घोटाले में पूर्व आईएएस रमारमण से ईडी ने करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। उनसे नोएडा अथॉरिटी का सीईओ रहने के दौरान हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को आवंटित भूमि की कीमत नहीं वसूलने को लेकर तमाम सवाल किए गए। नकी चल-अचल संपत्तियों और बैंक खाते के बारे में पूछताछ की गई। बसपा सरकार मे नोएडा अथॉरिटी के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह के कार्यकाल में हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को टाउनशिप विकसित करने के लिए करीब 36 हजार वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई थी। कंपनी ने निवेशकों की रकम को हड़पने के साथ भूमि का बड़ा हिस्सा प्रतीक ग्रुप को बेचा था।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने 'पंच परिवर्तन' और शाखाओं के विस्तार पर दिया जोर

अलीगढ़। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन की मूलभूत इकाई शाखाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शाखाएं ही संघ की मजबूत नींव हैं और सभी स्वयंसेवकों को मिलकर इनकी संख्या बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए। फिलहाल देशभर में आरएसएस की 83,129 शाखाएं सक्रिय हैं, लेकिन संगठन का लक्ष्य है कि अपने शताब्दी वर्ष तक यह संख्या एक लाख को पार कर जाए। गौरतलब है कि इस वर्ष विजयादशमी पर संघ के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। पांच दिवसीय अलीगढ़ दौरे पर भागवत ने ब्रज क्षेत्र के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस दौरान उन्होंने समाज में संघ की पहुंच को और मजबूत करने के लिए अधिक शाखाएं शुरू करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

जिन्ना का महिमामंडन कर रही सपा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राणा सांगा को लेकर सपा पर बोला करारा हमला

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए। इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है।

लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था

कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया। संसद के तौर पर जब कुशीनगर में मुसहर जाति के लोगों के पास गया तब पता चला कि उनके राशन कार्ड सपा के पदाधिकारियों के पास थे। वो गरीबों का राशन उठते थे। डबल इंजन की सरकार जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है। 2017 के पहले यूपी में लोगों को राशन क्यों नहीं मिल पाता था। इंसेफलाइटिस को पूरी तरह समाप्त किया जा चुका है। बाबा साहेब अजा के लोगों से कहते थे शिक्षित बनो। सपा ने कांशीराम के नाम से बने विश्वविद्यालय को उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय बना दिया।

राशन तक नहीं दिलवाया

ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अजा को इस्तेमाल करना चाहते हैं। इन्होंने चार बार के शासन के गरीबों को मकान और राशन तक नहीं दिलवाया। अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति रोक दी। ये कार्य करते थे कि विकास हो, लेकिन मेरा हो परिवार का हो। परिवार के आगे नहीं निकल पाए। मोदी सबको साथ लेकर चलते हैं। आज ये लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ना चाहते है। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। योगी ने कहा कि इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी ने उसे लेकर स्मारक बनाया।

कांग्रेस ने चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था

समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया।

बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

समाज को जातीय आधार पर बांटने नहीं देना

महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली लालापुर का विकास सपा ने रोक दिया। इंडी गठबंधन के तहत आने वाले दल गुमराह कर रहे थे। ये जातीय संघर्ष करवाना चाहते हैं। सपा का एक संसद महाराणा सांगा का अपमान करता है। जिन्ना का महिमामंडन समाजवादी पार्टी कर रही है। सबका साथ सबका विकास अभियान को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती। समाज को जातीय आधार पर बांटने नहीं देना है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत में ही हर जाति और समुदाय का हित है।

सांसद के घर हमला, करणी नहीं, योगी सेना ने किया

अखिलेश यादव का आरोप...सरकार ने की फंडिंग

इधर, राणा सांगा पर राज्यसभा में दिए बयान के बाद छिड़े सियासी घमासान के बीच शनिवार को सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन से मिलने संजय प्लेस स्थित उनके आवास पहुंचे। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि करणी सेना नहीं ये योगी सेना है, जिसके लिए सरकार से फंडिंग हो रही है। सीएम के स्वजातीय लोगों ने जिस तरह तलवारें लहराईं, वो पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यकों को डराना चाहते हैं। जिस तरह हिटलर सेना रखता था, लोगों की आवाज दबाने के लिए उसी तरह ये योगी सेना लोगों को डरा रही है। जिस समय सांसद सुमन के यहां आने का फैसला लिया, तभी साफ किया कोई प्रदर्शन नहीं करना है। कोई ताकत नहीं दिखाई है। अपनी पार्टी के नेता के घर जाना है, जो जा रहा हूं। सपा के राज्यसभा सांसद राजीलाल सुमन के आवास पर करणी सेना द्वारा किए गए हमले को लेकर कहा कि ये पीडीए को डराने की कोशिश की गई है। सांसद के आवास पर अचानक हमला नहीं हुआ। ये हमला साजिश के तहत हुआ है। ये एक सोची समझी चाल है। हमलावरों का इरादा जान लेने का था। दलितों-अल्पसंख्यकों को डराने कोशिश पूरी कोशिश की गई।

सोनभद्र में तीन लोगों की मौत बरात में जाते वक्त हुआ हादसा

गांव में एक साथ पहुंचीं लाश, पसरा मातम

सोनभद्र। सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीती रात एक दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। यह हादसा पटवध स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास रात करीब 9 बजे हुआ। बेलछ गांव से तीन युवक एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोटा जा रहे थे। इसी दौरान पटवध नायरा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान लक्ष्मण गोंड (20) पुत्र विश्वनाथ, छोटू गोंड (15) पुत्र महेंद्र और चंद्रशेखर गोंड (16) पुत्र लल्लू गोंड के रूप में हुई है। तीनों निवासी ग्राम सभा बेलछ के थे। सूचना मिलते ही चोपन पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद परिजनों में मातम पसर गया।

साई ग्रेस ट्यूटोरियल 19 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता की मिसाल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पी एल कुशवाह अतुल पारीक
(साईं ग्रेस ट्यूटोरियल्स)

शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 19 वर्षों से बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारने वाला संस्थान साई ग्रेस ट्यूटोरियल आज एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। ग्वालियर के दो प्रमुख केंद्रों - 101, सरस्वती नगर, विश्वविद्यालय रोड तथा पटेल नगर, सिटी सेंटर में संचालित यह ट्यूटोरियल, छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वास और सफलता का प्रतीक बन गया है संस्थान के संचालक पीएल कुशवाह और सह संचालक अतुल पारीक का मानना है कि 9 वीं और 10 वीं कक्षा किसी भी छात्र के शैक्षणिक जीवन की नींव होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए साई ग्रेस ट्यूटोरियल में इन कक्षाओं के छात्रों को रोचक, समझने योग्य एवं गहराई से विषय समझाने वाली शिक्षा पद्धति के माध्यम से तैयार किया जाता है। यहां के अनुभवी और समर्पित शिक्षक छात्रों को न केवल विषय समझाते हैं, बल्कि मॉक टेस्ट, समय-समय पर आकलन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन के माध्यम से उनकी तैयारी को परखते और सुधारते रहते हैं। परिणामस्वरूप, यहां के छात्र हर साल बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम अर्जित करते हैं और अनेक बार कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। साई ग्रेस ट्यूटोरियल का मुख्य उद्देश्य है हर छात्र को उसकी पूरी क्षमता तक पहुंचाना और उसे एक सुनहरा भविष्य देना। यदि आप भी अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलवाना चाहते हैं तो आज ही साई ग्रेस ट्यूटोरियल से संपर्क करें और एक बेहतर कल की शुरुआत करें।

संपर्क करें-
101, सरस्वती नगर, विश्वविद्यालय रोड, ग्वालियर
234-A पटेल नगर, सिटी सेंटर, ग्वालियर

निवेश के झांसे में फंसे पूर्व आयकर आयुक्त

इंग्लैंड के नंबर से की गई, जालसाजी, अज्ञात पर केस दर्ज

गोरखपुर। बिटक्वाइन में निवेश का झांसा देकर सेवानिवृत संयुक्त आयकर आयुक्त से 47.86 लाख की जालसाजी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड के नंबर से जालसाजी की गई है। शाहपुर इलाके के बशारतपुर निवासी संत प्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने साइबर थाने में अज्ञात पर केस दर्ज किया है। निरीक्षक सुभाष चंद्र को जांच सौंपी गई है। पूर्व संयुक्त आयकर आयुक्त संत प्रकाश वर्तमान में गाजियाबाद के गैस गोदाम लेन गोला विस्ता में रहते हैं। स्थायी पता शाहपुर बशारतपुर है। उन्होंने शाहपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सात नवंबर 2024 को फेसबुक पर विज्ञापन के माध्यम से बिटक्वाइन में निवेश का झांसा दिया गया था। इसमें 10 हजार निवेश करने पर लाखों रुपये कमाने का दावा किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक् साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं 62 छत्रसालपुरा, ललितपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100।
भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आर.एन.आई. नं. यूपीएचआईएन/2006/18447 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।